नई दिल्ली

रविवार, 23 जून, 2024

आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष,
प्रतिपदा/द्वितीया वर्ष : 28, अंक : 73
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 25

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

टी-20 वर्ल्ड कप : भारत ने बांग्लादेश को 50 रन से हराया, हार्दिक, कुलदीप छाए 11

भारत और बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक, व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते पर बातचीत को तैयार दोनों देश

5 एमओयू, 2 दस्तावेज और 3 समझौतों के नवीनीकरण पर हस्ताक्षर के साथ दोनों पक्षों के बीच हुआ आदान-प्रदान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों के बीच शनिवार को राजधानी के हैदराबाद हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें आपसी सहयोग के अलावा क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की गई। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान दोनों पक्षों के बीच साझा सहयोग से जुड़े हुए कुल पांच समझौता ज्ञापनों, दो दस्तावेजों और तीन समझौतों के नवीनीकरण दस्तावेज पर हस्ताक्षर के साथ उनका आदान-प्रदान किया गया। वहीं, दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुखों के बीच हुई बातचीत में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते पर दोनों देश बातचीत ▶▶ शेष पेज 5 पर

रोहिंग्या मुसलमानों की समस्या, बांग्लादेश के सांसद की पश्चिम बंगाल में हुई हत्या के मामले से लेकर तीस्ता-गंगा नदी जल बंटवारे के मुद्दे पर भी हुई चर्चा

भावी विजन की रूपरेखा के साथ संपूर्ण संबंधों को मजबूती देने पर बनी सहमति

एक वर्ष में पूरी हुई कई परियोजनाएं: पीएम मोदी

द्विपक्षीय बैठक के बाद मीडिया के समक्ष दिए गए अपने साझा वक्तव्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बांग्लादेश हमारी पड़ोस पहले, पूर्व की ओर देखो नीति, सागर विजन और हिंद प्रशांत के संगम पर स्थित है। बीते बारह महीने में दोनों ने कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी की हैं। इसमें अखौड़ा-अगरतला के बीच दोनों देशों का छठा क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक, खुलना-मोंगला पोर्ट द्वारा भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए कार्गो सुविधा की शुरुआत, मोंगला पोर्ट को पहली बार रेल से जोड़ा गया। साथ ही 1320 मेगावाट मैत्री थर्मल पावर प्लांट की दोनों यूनिटों द्वारा की गई बिजली की शुरुआत, दोनों के बीच भारतीय रुपए में हुई व्यापार की शुरुआत शामिल है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच गंगा नदी पर शुरु की गई सबसे लंबी क्रूज सविधा जैसी परियोजनाएं शामिल हैं।

रंगपुर में खुलेगा भारत का उप-उच्चायोग

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के उत्तर पश्चिम क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए भारत ने रंगपुर में एक नया उप-उच्चायोग खोलने का निर्णय लिया है। हमारी साझा संस्कृति और समृद्ध लोगों का लोगों से संबंध दोनों के संबंधों की नींव हैं। हमने छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण, क्षमता विकास को बढ़ाने पर भी सहमति जताई। मेडिकल उपचार के लिए बांग्लादेश से भारत आने वाले लोगों के लिए भारत ई-मेडिकल वीजा शुरू करेगा। इसके अलावा नए क्षेत्रों में सहयोग के लिए भावी विजन भी तैयार किया गया है। इसमें हरित, डिजिटल भागीदारी, ब्लू अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष जैसे ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टेनिस स्टार सुमित पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारत के टॉप मेंस टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने पेरिस ओलंपिक के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई कर लिया है। हरियाणा के जैतपुर में जन्मे 26 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने एक्स हैंडल पर इस खबर की पुष्टि की। सुमित ने भारतीय खेल प्राधिकरण और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम को धन्यवाद दिया।

गेम जोन में आग मामले में 3 गिरफ्तार

राजकोट। राजकोट नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी को 25 मई को यहां एक गेम जोन में लगी भीषण आग के संबंध में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। सीएफओ इलेश खेर, डिप्टी सीएफओ भीखा थेबा व गेम जोन में निर्माण कार्य के पर्यवेक्षक महेश राठौड़ को गिरफ्तार किया गया।

पुल पर फंसी गाड़ी, किसी तरह ट्रैक पर पहुंचा

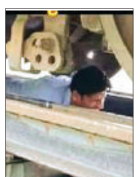

चंपारण। समस्तीपुर रेल मंडल के वाल्मिकीनगर और पानियावा स्टेशन के बीच पिलर नंबर 383 पर अचानक पैसेंजर ट्रेन के लोको इंजन का अनलोड वॉल्व लीक हो गया। पुल के ऊपर रेलवे की टीम का पहुंचना भी मुश्किल था। लोको पायलट और सहायक लोको पायलट ने वॉल्व को ठीक करने की ठान ली। वे पुल से लटककर टैक के पास पहुंचे।

एनटीए में सुधार के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने गठित की उच्च स्तरीय समिति

इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राधाकृष्णन करेंगे अध्यक्षता पांच सदस्य और एक सदस्य सचिव भी शामिल

दो माह में मंत्रालय को सौंपेगी रिपोर्ट

शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई जांच के आदेश दिए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नीट और यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ी की आशंकाओं के मध्य देश में मचे घमासान के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में सुधार के लिए शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एस. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में एक सात सदस्यीय (एक अध्यक्ष, पांच सदस्य और एक सदस्य सचिव) उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। यह दो महीने में अपनी सिफारिशें मंत्रालय को सौंपेगी। जिनके आधार पर पारदर्शी और साथ-सुथरे ढंग से परीक्षाएं आयोजित की जा सकेंगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि समिति की अध्यक्षता इसरो और ▶▶ शेष पेज 5 पर

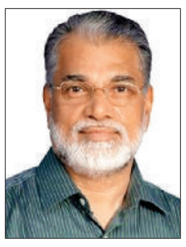

एनटीए के इन मुद्दों पर करेगी ध्यान केंद्रित

मंत्रालय के मुताबिक यह उच्च स्तरीय समिति एनटीए में सुधारों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करेगी। इसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी की परीक्षा प्रक्रिया, उसके ढांचे, कार्यप्रणाली और डाटा सुरक्षा प्राटोकॉल जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर यह केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को 60 दिन के भीतर अपनी सिफारिशें सौंपेगी। मालूम हो कि बीते दिनों उक्त परीक्षाओं को लेकर जारी विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनटीए में सुधार के लिए जल्द ही एक उच्च स्तरीय के गठन की घोषणा की थी। इसके बाद ही आज समिति का गठन किया गया है।

यह रहेंगी समिति की संदर्भ की शर्तें

मंत्रालय ने बताया कि समिति की संदर्भ की शर्तों में एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया तंत्र में सुधार के विषय में परीक्षा की शुरुआत से अंत तक के सिरे की गहनता से पड़ताल के बाद तंत्र के लिए जरूरी सुधारात्मक कदमों की सिफारिश की जाएगी। जिससे परीक्षा से पहले ही किसी भी गड़बड़ी पर रोक लगाई जा सके। एनटीए के स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) और प्रोटोकॉल की जांच के साथ प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए निगरानी तंत्र संग सुझाव देना ताकि प्रत्येक स्तर पर अनुपालना सुनिश्चित कराई जा सके। डाटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार के लिए समिति एनटीए के मौजूदा डाटा सुरक्षा प्रक्रिया व प्रोटोकॉल की जांच करेगी और उसके बाद सुधार के लिए सिफारिश करेगी। पेपर सेटिंग और अलग-अलग परीक्षाओं से जुड़े हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल की पड़ताल की जाएगी। जिससे समूचे तंत्र की व्यापकता में इजाफा किया जा सके। जांच एजेंसी के ढांचे और कार्यप्रणाली के मामले में समिति मौजूदा ढांचे की हर स्तर पर बनी हुई भूमिका और जिम्मेदारियों के क्रियान्वयन को लेकर सिफारिशें करेगी। साथ ही एजेंसी के शिकायत निवारण तंत्र को परखते हुए सुधार क्षेत्रों की पहचान संग क्षमता बढ़ाने की कोशिश भी समिति अपनी सिफारिशों के जरिए करेगी। इसके अलावा मामले से जुड़े किसी विशेषज्ञ को सहायता के लिए भी समिति अपने समूह में शामिल कर सकती है।

नीट पीजी परीक्षा स्थगित

केंद्र सरकार ने हालिया परीक्षाओं में गड़बड़ियों के मद्देनजर नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है कि आज यानी रविवार को होने वाली नीट पीजी परीक्षा को टाल दिया गया है और एग्जाम की नई तारीखों का ऐलान जल्द ही कर दिया जाएगा।

खरोला को सौंपा एनटीए का अतिरिक्त प्रभार

एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को उनके पद से हटा दिया गया है। बताया गया है कि भारतीय व्यापार प्रचार संगठन के चेयरमैन और एमडी प्रदीप सिंह खरोला को एनटीए के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। हालिया परीक्षाओं में अनियमितताओं के मद्देनजर केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया गया है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में बड़े फैसले

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट होगा सस्ता, सोलर कुकर महंगा

सरकार का इरादा पेट्रोल डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार 22 जून को जीएसटी काउंसिल की 53 वीं बैठक हुई। सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस बैठक में व्यापार को आसान बनाने और करदाताओं को राहत देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। इन फैसलों से व्यापारियों, एमएसएमई और करदाताओं को लाभ होगा। भारतीय रेलवे की ओर से आम आदमी को दी जाने वाली सेवाओं को जीएसटी के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश की है। इसमें प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री, रिटायरिंग रूम और वेटिंग रूम की सुविधा, बैटरी चालित कार जैसी सेवाएं शामिल हैं। इसके अलावा इंट्रा-रेलवे सप्लाई को ▶▶ शेष पेज 5 पर

छोटे किसानों के हित में कार्य करें कृषि वैज्ञानिक: चौहान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वैज्ञानिक समुदाय से अपील की कि वे छोटे और सीमांत किसानों के हित में कार्य करें और भारतीय कृषि में क्रांति लाएं।

उन्होंने कहा कि हमारे यहां लगभग 86 फीसद किसान स्मॉल-मार्जिनल फार्मर हैं। हमको खेती का मॉडल ऐसा बनाना पड़ेगा कि किसान एक हेक्टेयर तक की खेती में भी अपनी आजीविका ठीक से चला सकें। शनिवार को पूसा, नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आइएआरआइ) के पूर्व छात्रों का सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री ने ये बातें कही। चौहान ने कहा कि हम ▶▶ शेष पेज 5 पर

तमिलनाडु के आबकारी मंत्री इस्तीफा दें

भाजपा ने अवैध शराब पीने से लोगों की मौत पर स्टालिन सरकार को घेरा

कहा, इस पूरे मामले में इंडिया एलायंस के सभी दलों ने क्यों साध रखी है चुप्पी?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने तमिलनाडु के कल्लचुरिची में देशी अवैध शराब पीने से लोगों की मौत को लेकर राज्य कर स्टालिन सरकार को दोषी ठहराया है। भाजपा ने पूछा है कि इस पूरे मामले में इंडिया एलायंस के सभी दलों ने चुप्पी क्यों साध रखी है? इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से होनी चाहिए और आबकारी मंत्री का इस्तीफा तुरंत होना चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल एंटनी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जहरीली शराब पीने से ▶▶ शेष पेज 5 पर

लोकसभा चुनाव के दौरान पद से हटाया था

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया, बनाया स्टार प्रचारक

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद पर भरोसा जताया है। लोकसभा चुनाव के दौरान यकायक पार्टी में मायावती के उत्तराधिकारी और राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर पद से हटाये गये आकाश को अब उत्तराखंड और पंजाब में होने जा रहे विधानसभा उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारक बनाया गया है। स्टार प्रचारकों की शनिवार को जारी की गई लिस्ट में आकाश आनंद का नाम मायावती के बाद दूसरे नंबर पर है, इसी से समझा जा सकता है कि उनकी अहमियत पार्टी में फिर से बढ़ रही है। अब एक बार फिर स्टार प्रचारक बनाए जाने से साफ है कि जल्द ही ▶▶ शेष पेज 5 पर

धर्मेंद्र प्रधान आवास पर हुई बैठक में हरियाणा विधानसभा चुनाव पर हुआ मंथन

बिप्लब, धनखड़, सुधा और कैप्टन अभिमन्यु सहित कई नेता रहे मौजूद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा में भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के आवास शनिवार शाम को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में हरियाणा के आगामी विधानसभा चुनाव और आज रविवार को रोहतक में होने वाले कार्यक्रम को लेकर मंथन हुआ। बैठक में प्रधान के अलावा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह, सह चुनाव प्रभारी बिप्लब देब, पूर्व सांसद सुधा यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ और पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु प्रमुख तौर पर उपस्थित थे। बैठक में विधानसभा चुनाव एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। आज रविवार को रोहतक में भाजपा का अभिनन्दन कार्यक्रम है। इसमें प्रधान और बिप्लब के अलावा प्रदेश में हाल ही चुने गए भाजपा के सभी पांचों लोकसभा सदस्यों का अभिनन्दन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब के अलावा हरियाणा भाजपा के सभी विधायक और संगठन पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

बफर स्टॉक के लिए 71 हजार टन प्याज खरीदा

प्याज की बढ़ती कीमतों पर केंद्र सरकार की नजर, रबी उत्पादन में 20 फीसद गिरावट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इस वर्ष अब तक सुरक्षित भंडार (बफर स्टॉक) के लिए लगभग 71 हजार टन प्याज खरीदा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्याज की कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार बफर स्टॉक से प्याज को रोकने या जारी करने का विकल्प अपनाएगी। प्याज की कीमतों में वृद्धि प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में कम बारिश के कारण उपज में लगभग 20 प्रतिशत की कमी के कारण हुई है। ज्ञात हो कि प्याज की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

सरकार कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए सुरक्षित भंडार में स्टॉक बढ़ा रही है ताकि बाजार में मांग के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित कर सके। यह मूल्य स्थिर रखने के लिए पांच लाख टन खरीद के कुल लक्ष्य में शामिल है। सरकार को उम्मीद है कि देश के अधिकांश भागों में मानसून की प्रगति के साथ खुदरा कीमतों में कमी आएगी। उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को देशभर में औसत प्याज खुदरा मूल्य 38.67 रुपए प्रति किलोग्राम था, जबकि मॉडल मूल्य 40 रुपए प्रति किलोग्राम था। अधिकारी ने कहा कि 20 जून तक केंद्र ने 70,987 टन प्याज खरीदा है जबकि ▶▶ शेष पेज 5 पर

अमरनाथ यात्रा में कोई आतंकी तो दूर परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा!

'अमरनाथ यात्रा-2024' की औपचारिक रूप से शुरुआत

यात्रा के दोनों मार्गों पर मुस्तैदी से तैनात हुई भारतीय सेना की दो अतिरिक्त बटालियन

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

हरिभूमि विशेष

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शनिवार को की गई बाबा बर्फानी की प्रथम पूजा के साथ हिंदुओं की सबसे पवित्र तीर्थ यात्राओं में से एक 'अमरनाथ यात्रा-2024' की औपचारिक रूप से शुरुआत हो गई है। इस साल यात्रा 29 जून से 19 अगस्त तक चलेगी। लेकिन इन सबके बीच इलाके में बीते कुछ वक्त से जारी आतंकवादी हमलों के गंभीर खतरे को भांपते हुए ▶▶ शेष पेज 5 पर

यूं रहेगी दोनों पर बटालियनों की तैनाती

सूत्र बताते हैं कि अमरनाथ यात्रा जम्मू-कश्मीर में दो मार्गों से होकर गुजरती है। इनमें से एक श्रीनगर से और दूसरा बालटाल से होकर अमरनाथ गुफा तक पहुंचता है। श्रीनगर से गुफा के रास्ते की कुल दूरी 32 किलोमीटर है। जबकि दूसरे बालटाल मार्ग से गुफा महज 11 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद है। सेना की दोनों बटालियनों में से एक श्रीनगर वाले मार्ग पर और दूसरी बालटाल वाले मार्ग पर तैनात की गई है। यात्री श्रीनगर से होते हुए पहलगाम, चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप, शेषनाग, पोषपत्थर, एमजी टॉप से गुफा तक पहुंचते हैं। यहां श्रीनगर से पहलगाम के बीच सेना की राष्ट्रीय राइफल्स की तैनाती है। इसके बाद चंदनवाड़ी से आगे सेना की अतिरिक्त बटालियन अपनी अलग-अलग कंपनियों के साथ तैनात है। इनमें चंदनवाड़ी से ▶▶ शेष पेज 5 पर

यात्रा मार्ग की पुख्ता सुरक्षा सेना की प्राथमिकता

सूत्रों ने बताया कि आमतौर पर अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा की मूल जिम्मेदारी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की होती है। लेकिन सुरक्षा के लिहाज से अति संवेदनशील यात्रा मार्ग को देखते हुए केंद्र सरकार के अनुरोध पर हर साल सेना की दो अतिरिक्त बटालियन यहां तैनाती के लिए पहुंचती हैं। इस बार उक्त वजहों के अलावा क्षेत्र में बढ़ते आतंकी हमलों की वजह से भी यात्रा मार्ग से जुड़े सुरक्षा घेरे को अपनी मौजूदगी से और अधिक मजबूत बनाना सेना की प्राथमिकताओं में शामिल है।

खबर संक्षेप

कारखाने में लगी आग को बुझाया : अग्निशमन अधिकारी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई इलाके में प्लास्टिक बैग बनाने वाले एक कारखाने में लगी आग को छह घंटे के अभियान के बाद शनिवार तड़के बुझा दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कारखाने में शुक्रवार रात करीब नौ बजे आग लगी थी, हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर शीतलन अभियान जारी है। अधिकारी ने बताया कि कारखाने में आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की कम से कम 28 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और तड़के साढ़े तीन बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, निलोठी गांव में स्थित कारखाने में रसायन और प्लास्टिक सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैल गई थी। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी डोर स्टेप योजना की सेवाएं बंद

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी डोर स्टेप योजना के अंतर्गत संचालित फोन नंबर 1076 का बिल ना भरने के कारण संबंधित सभी सेवाएं बंद हो चुकी है और दिल्ली सरकार की तरफ से कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता हरपाल सिंह राणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि उनके पास सरकार की योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ उठाने लिए जरूरतमंद लोग आते रहते हैं लेकिन अब सभी लोग परेशान हैं। हरपाल राणा ने बताया कि दिल्ली सरकार के द्वारा नागरिकों को सुविधाएं देने के लिए डोर स्टेप डिलीवरी योजना आरंभ की गई थी। जिसके तहत राजस्व विभाग सहित दिल्ली सरकार के कई विभागों में व्यक्तियों के द्वारा फोन पर और ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। निजी कंपनी के कर्मचारी आवेदनकर्ता के घर घर जाकर संबंधित कागजात एकत्रित करते थे जिसका 50 रुपए शुल्क आवेदनकर्ता और 60 रुपए दिल्ली सरकार निजी कंपनी को देती है।

संत कबीरदास की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के तत्वावधान में शनिवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर में "संत कबीर आज क्यों प्रासंगिक हैं" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने बताया कि मध्ययुगीन भक्तिकाल में ज्ञानमार्गी निर्गुण भक्ति शाखा के प्रमुख कवि, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत, महान संत कबीर के 626 वें प्रकटोत्सव दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके बाद परिचर्चा में समाजसेवियों, कबीर पंथ के अनुयायियों, एवं विभिन्न विद्वानों ने कबीर पर अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर के.पी. सिंह, डॉ. वी.के. कटारिया, राज कुमार, डॉ. सुरेंद्र सिंह, घनश्याम भारती, पल्लवी प्रियदर्शनी, प्रसून पाटिल आदि ने भी कबीर पर अपने विचार रखे।

पर्यावरण बेहतरी के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से मिले खाप प्रधान

नई दिल्ली। पालम 360 खाप के प्रधान चौ सुरेंद्र सोलंकी ने दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के मामले में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। इस दौरान सुरेंद्र सोलंकी ने भूपेंद्र यादव को दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने के बारे में अवगत कराया। इसके अलावा दिल्ली में प्रदूषण की समस्या दूर करने के संबंध में सुझाव दिये। चौ सोलंकी ने केंद्रीय मंत्री यादव को बताया कि दिल्ली को प्रदूषण मुक्त करने के लिए दिल्ली देहात को हरा भरा बनाने की आवश्यकता है। इस दिशा में साहिबी नदी के दोनों किनारो के साथ-साथ उसके दोनों और खाली सरकारी जमीन पर भी फलदार और छायादार वृक्षों के पौधे लगाने चाहिए।

दो आरोपियों को लिया हिरासत में

दो लड़कों की चाकू घोंपकर हत्या

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार क्षेत्र में कुछ दिन पहले हुए विवाद को लेकर दो लड़कों की पीट-पीटकर और चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अशोक विहार क्षेत्र स्थित चंद्रशेखर आजाद कॉलोनी के जेजे क्लस्टर में शुक्रवार की रात करीब 10 बजे यह घटना हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है, जबकि अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि घटना का कारण कुछ दिन पूर्व क्षेत्रीय युवाओं के दो समूहों के बीच स्विमिंग पूल में हुई तू-तू मैं-मैं हो सकती है। उन्होंने कहा कि, उस समय अन्य लोगों के हस्तक्षेप के बाद मामला सुलझ लिया गया था।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार की रात विपुल (19) और विशाल (17) नाम के दो युवकों और उनके दो-तीन दोस्तों ने अनुज और उसके भाई सूरज पर उनके घर पर हमला कर दिया। अधिकारी ने बताया कि सूरज ने अपने तीन-चार दोस्तों को बुला लिया और दोनों समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसमें विपुल और विशाल गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके शरीर पर कई चोटें आई थीं। अधिकारी ने बताया कि दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की गई है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है और वहां रहने वाले अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है।

पति को फांसी पर लटका देख पत्नी ने भी जान दी

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क क्षेत्र में पति को फांसी पर लटका हुआ देखकर एक 25 वर्षीय महिला ने खुद भी कथित तौर पर जान दे दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। झूमी दास और उनके पति भास्कर डेका (27) असम के रहने वाले थे। दास सफाईकर्मी के रूप में और डेका चांदनी चौक क्षेत्र के ओमैक्स मॉल में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करते थे। पुलिस ने कहा कि दास को यमुना खादर में पानी की एक पाइपलाइन के नीचे लटका हुआ पाया गया जबकि डेका का शव शनिवार सुबह उनके घर में मिला। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दास ने एक दोस्त को फोन किया और कहा कि वह यह कदम उठा रही है क्योंकि उसके पति ने खुद को फांसी लगा ली है। अधिकारी ने बताया कि आत्महत्या के पीछे का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। डेका ने असमिया भाषा में लिखा एक पत्र छोड़ा है जिसमें उसने अपनी पत्नी के प्रति अपने प्यार का इजहार किया है और कहा है कि उसे असम से दिल्ली लाने का फैसला गलत था। डेका ने "हर बात" के लिए माफ़ी भी मांगी। पुलिस ने असम में दंपति के परिवार के सदस्यों को सूचित किया है और मामले में जांच शुरू कर दी।

स्वाति मालीवाल पर हमले का मामला

अदालत ने बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत छह जुलाई तक बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार की न्यायिक हिरासत शनिवार को छह जुलाई तक के लिए बढ़ा दी। कुमार पर 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल से मारपीट करने का आरोप है। कुमार को 'वीडियो कॉन्फ्रेंस' के जरिए मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल के समक्ष पेश किया गया जिन्होंने उनकी न्यायिक हिरासत छह जुलाई तक बढ़ा दी। पुलिस ने कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने उसी दिन उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। साथ ही, अदालत ने कहा था कि गिरफ्तारी के कारण उनकी अग्रिम जमानत अर्जी का कोई मतलब नहीं रह जाता। इसके बाद 24 मई को उन्हें चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इसके बाद, उन्हें फिर से तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। कुमार के खिलाफ 16 मई को दर्ज की गई प्राथमिकी में आपराधिक धमकी देना, महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल प्रयोग तथा गैर इरादतन हत्या का प्रयास करने से संबंधित धाराएं शामिल की गई हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसदों ने उपराज्यपाल से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ अंशकालिक व्यावसायिक प्रशिक्षकों और समन्वयकों की सेवाएं बहाल करने का किया अनुरोध

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को व्यावसायिक शिक्षक कल्याण संघ के प्रतिनिधियों के साथ उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना से मुलाकात की और इस मामले में उनके हस्तक्षेप की मांग की। सचदेवा ने बताया कि दिल्ली सरकार ने शिक्षा विभाग में कार्यरत लगभग 594 व्यावसायिक प्रशिक्षकों और समन्वयकों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं, जिससे उनके जीवन में गंभीर कठिनाइयां उत्पन्न हो गई हैं। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज शामिल थे, जिन्होंने उपराज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें अवगत कराया कि दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने 1988 एवं 1996 में व्यावसायिक प्रशिक्षकों और समन्वयकों को नियुक्त किया था और बाद में 2008 में उनकी सेवा शर्तों को पीजीटी शिक्षकों के बराबर कर दिया गया था।

सचदेवा ने कहा कि दुर्भाग्यवश कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों ने कभी भी व्यावसायिक प्रशिक्षकों और समन्वयकों के पदों को नियमित करने का प्रयास नहीं किया और अब अचानक उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। अधिकांश ऐसे प्रशिक्षक और समन्वयक 20 से 28 वर्षों से काम कर रहे हैं और अब सेवानिवृत्ति के करीब हैं, अचानक सेवा समाप्ति ने उन्हें आर्थिक संकट में डाल दिया है क्योंकि वे अपनी मेहनत से अर्जित ग्रेच्युटी भी खो देंगे। सचदेवा ने कहा कि उपराज्यपाल ने व्यावसायिक प्रशिक्षकों और भाजपा नेताओं के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल को सहानुभूतिपूर्वक सुना और मामले में तत्काल रिपोर्ट मांगने का आश्वासन दिया। सचदेवा ने व्यावसायिक प्रशिक्षकों और समन्वयकों को आश्वासन दिया कि भाजपा सुनिश्चित करेगी कि उनमें से कोई भी अपनी नौकरी या ग्रेच्युटी न खोए।

संगठन को लेकर यादव ने ली किराड़ी जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक

नई दिल्ली। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अभी से तैयारी में लगी दिल्ली कांग्रेस में अब संगठन को लेकर आज कल बैठकों का दौर चल रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने प्रदेश कार्यालय में किराड़ी जिला अध्यक्ष व ब्लॉक अध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक में यादव के अलावा जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक सुरेंद्र कुमार व अन्य मौजूद थे। बैठक में अध्यक्ष यादव ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चर्चा करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने को लेकर कुछ दिशा निर्देश भी दिए। यादव ने पार्टी हाईकमान की तरफ से संगठनात्मक तौर पर दी गई सभी कार्य योजनाओं को पूरी ईमानदारी व सक्रियता से क्रियान्वित करने के निर्देश दिये। यादव ने जिला व ब्लाक अध्यक्षों द्वारा दी गई जानकारी व सुझावों पर गौर करने का भरोसा दिया। बता दें कि गत दिनों हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आप पार्टी से गठबंधन कर तीन सीटों पर किस्मत आजमाई थी। लेकिन कांग्रेस न खुद जीत सकी न अपने गठबंधन सहयोगी आप पार्टी के चार में से एक भी उम्मीदवार को जीत दिला सकी।

राष्ट्रीय अटल अवार्ड कार्यक्रम में 37 लोगों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ व्यक्तियों के अथक प्रयासों और उपलब्धियों का प्रमाण है अवार्ड : जाजू

चौथे राष्ट्रीय अटल अवार्ड वितरण समारोह में 37 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया। यह समारोह दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय में गुरुवार को आयोजित किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जाजू ने कहा कि राष्ट्रीय अटल अवार्ड विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तियों के अथक प्रयासों और उपलब्धियों का प्रमाण है। इस तरह के समर्पण को सही मायने में मान्यता मिलना गर्व की बात है। इस समारोह में भाजपा के वरिष्ठ नेता और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी, अभिनाश राय खन्ना बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। भाजपा के वरिष्ठ नेता और हिमाचल प्रदेश के प्रभारी अविनाश राय खन्ना, बैंक ऑफ बड़ौदा कॉप सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील जे शाह, एबीवीएमएस के अध्यक्ष और एफसीआई के सदस्य आचार्य राजेश ओझा, प्रख्यात विद्वान और आध्यात्मिक नेता लेखराज माहेश्वरी सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी समिति के अध्यक्ष दिलीप भाई शांगानी ने कहा कि यह कार्यक्रम उन लोगों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता को मान्यता देने के महत्व को उजागर करता है, जो बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। पुरस्कार विजेताओं ने उत्कृष्टता के लिए एक ऐसा मानक स्थापित किया है, जो आगे कई लोगों को प्रेरित करेगा। इस कार्यक्रम का आयोजन अटल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष अपर्णा सिंह त्रिपाठी ने किया। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें राष्ट्रीय अटल अवार्ड वितरण समारोह की मेजबानी करते हुए खुशी हो रही है, जो इन 37 पुरस्कार विजेताओं के असाधारण कार्य को सम्मानित करता है। उनका योगदान अमूल्य है और यह सम्मान उत्कृष्टता के उनके निरंतर प्रयास के लिए हमारी सराहना का एक छोटा सा प्रतीक है। अवनीश सिंह विसेन, प्रताप, डॉक राम सुतार आदि 31 लोगों को राष्ट्रीय अटल अवार्ड से सम्मानित किया।

मुआवजा राशि नहीं मिलने से किसान परेशान, सरकार पर लगाया लापरवाही का आरोप

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली के उत्तर पश्चिम जिला राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले किसानों को जमीन अधिग्रहण के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि समय से नहीं मिली है जिसके चलते किसानों में रोष है और सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस बारे में किसान रामकिशन डबास, राम नारायण, दयानंद, विजेंद्र डबास ने बताया कि सरकार हर बार इसी तरह किसानों को परेशान कर रही है। इस मुआवजा राशि से टीडीएस भी काटा जाता है जो पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने बताया कि एनएच 344 व यूईआर (दो) के विस्तारीकरण में उत्तर पश्चिम जिला दिल्ली सरकार के अपर जिला मजिस्ट्रेट ने विगत 3 अक्टूबर 2023 को चार गांवों, मोहम्मदपुर मजरी, मदनपुर डबास, रानीखेड़ा एव रसूलपुर की कृषि भूमि का अधिग्रहण किया था जिसके अवार्ड की घोषणा विगत आठ मार्च 2024 को एडीएम ने की थी परंतु इसकी आधिकारिक सूचना किसी किसान को अब तक नहीं मिली। पीड़ित किसानों ने बताया है कि 3 अक्टूबर 2023 से 8 मार्च 2024 तक किसानों को मुआवजे पर मात्र 158 दिन का ब्याज देकर इस कार्य को अधिकारियों ने ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब किसान पहले की तरह मुआवजा लेने के लिए वकीलों की सहायता लेंगे सारे डाक्यूमेंट्स दोबारा से तैयार करेंगे तब कहीं जाकर एक दो महीने में किसानों को मुआवजा मिलेगा लेकिन अवार्ड की घोषणा से अब तक चार महीने से अधिक का समय हो जाएगा। तब जाकर किसानों को मुआवजा मिलेगा यह सरकार की लापरवाही नहीं तो फिर क्या है।

निजीकरण कर शिक्षा से अपना पल्ला झाड़ना चाहती है दिल्ली सरकार : एनडीटीएफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार शिक्षा को स्ववित्त पोषित कर उसका पूर्णत निजीकरण कर शिक्षा से अपना पल्ला झाड़ना चाहती है। दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष दस प्रतिशत फीस वृद्धि की आलोचना करते हुए नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट (एनडीटीएफ) ने शनिवार को यह बयान जारी किया। संगठन की ओर से जारी बयान में महासचिव प्रो .वी एस नेगी और प्रेस प्रभारी प्रो .बिजेंद्र कुमार ने कहा गया है कि दिल्ली सरकार पिछले चार पांच साल से बारह कॉलेजों में जानबूझ कर वेतन एवं अन्य वित्तीय अनुदान प्रदान करने में निरंतर बाधाएं उत्पन्न करती आ रही है ताकि इनको अपनी यूनीवर्सिटी के अधीन लिया जा सके। एनडीटीएफ ने यूजीसी और दिल्ली विश्वविद्यालय से इन बारह कॉलेजों को तुरंत अपने अधीन लेने की मांग करते हुए इनमें शिक्षकों और कर्मियों की स्थाई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। एनडीटीएफ ने कहा है कि दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध बारह कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण के परिणामस्वरूप पच्चीस प्रतिशत सीटों की वृद्धि हुई लेकिन दिल्ली सरकार ने कोई अतिरिक्त संसाधन और वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई।

■ दिल्ली सरकार का एजेंडा शिक्षा का स्ववित्त पोषण और निजीकरण

अतिरिक्त संसाधनों पर दिल्ली सरकार साधे हुए है चुप्पी

नई शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय पाठ्यक्रम लागू करने से अतिरिक्त संसाधन और शिक्षक पद की आवश्यकता है लेकिन दिल्ली सरकार चुप्पी साधे हुए है। बारह कॉलेजों का बुनियादी ढांचा चरमरा रहा है लेकिन उसकी ओर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लैब, लाइब्रेरी और बिल्डिंग से लेकर अन्य संसाधनों के लिए कोई अतिरिक्त वित्तीय सहायता नहीं दी जा रही है।

30 जून तक संपत्ति कर जमा कराएं एवं छूट का लाभ उठाएं : पूर्व महापौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम को 30 जून तक संपत्ति कर जमा कराए एवं छूट का लाभ उठाएं। दिल्ली नगर निगम के पूर्व महापौर जय प्रकाश ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि लोगों को राहत देने के लिए सदर विधानसभा क्षेत्र में जगह-जगह संपत्ति कर शिविर जारी रहेंगे। सदर विधानसभा के शास्त्री नगर मंडल में पूर्व मंडल अध्यक्ष विशंभर वशिष्ठ, सुरेंद्र गोयल, अतुल जैन, अनुज शर्मा, मनीष कनौजिया एवं पूर्व जिला महामंत्री हरिकिशन गुप्ता सहित सभी साथियों ने मिलकर क्षेत्र की जनता के लिए 3 दिन का संपत्ति कर शिविर लगाया। पिछले दो दिन में शास्त्री नगर के अंदर शिविर में लोगों का हुजूम देखने को मिला है। जिसमें निगम को भारी राजस्व की प्राप्ति भी हुई है। पूर्व महापौर जयप्रकाश ने बताया कि भाजपा के सभी कार्यकर्ता हमेशा सेवा सुशासन और जन कल्याण के कामों में लगे रहते हैं एवं देशहित और क्षेत्रहित के कार्यों में बढ़- चढ़ कर भाग लेते हैं। देश के प्रधानमंत्री का जो मूल मंत्र है सबका साथ सबका विकास इसका अर्थ है कि देश की जनता के लिए हमेशा समर्पण भाव से काम करना। जयप्रकाश ने क्षेत्र की जनता से अपील की संपत्ति कर जमा करने की अंतिम तिथि 30 जून है। सब अपनी संपत्ति कर जमा कर छूट का लाभ उठाएं। जयप्रकाश ने बताया कि अग्रिम संपत्ति कर जमा करने से 10 प्रतिशत की छूट एवं ऑनलाइन जमा करने से 2 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट मिलती है।

पीजी एडमिशन प्रक्रिया हो चुकी है प्रारंभ

डीयू में प्रवेश प्रक्रिया संबंधी सहायता के लिए एबीवीपी ने जारी किए हेल्पलाइन नम्बर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने सोमवार से दिल्ली विश्वविद्यालय में सीयूईटी के तहत होने वाले पोस्ट ग्रेजुएट एडमिशन के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। छात्र प्रवेश प्रक्रिया में कोई भी समस्या होने पर इन नंबरों पर कॉल करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। एबीवीपी दिल्ली के प्रांत मंत्री हर्ष अत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पीजी एडमिशन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। पीजी एडमिशन की पहली सूची जारी होने वाली है। ऐसे में छात्रों को प्रवेश संबंधी कोई समस्या का सामना न करना पड़े इसको ध्यान में रखते हुए एबीवीपी ने दिल्ली विश्वविद्यालय के पोस्टग्रेजुएट एडमिशन के लिए पांच नंबर 9810850652, 9667874087, 9519870289, 7905491058 तथा 6306781349 जारी किए हैं, तो वहीं विश्वविद्यालय के विधि संकाय में प्रवेश संबंधी सहायता के लिए तीन नंबर 7081839396, 6232437200 एवं 7982243341 जारी किए हैं। छात्र इन सभी नंबरों पर कभी भी फोन करके प्रवेश प्रक्रिया संबंधी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया संबंधी सहायता के लिए एबीवीपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ एडमिशन से मिलकर एडमिशन संबंधित प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए सभी छात्रों की एक समेकित सूची निकालने की भी मांग की है।

कल से लगाएंगे हेल्पडेस्क

एबीवीपी ने कहा कि सोमवार से हर कोर्स में प्रवेश प्रारंभ हो जाएगा। ऐसे में देश के दूरदराज क्षेत्र से आने वाले छात्रों को प्रवेश प्रक्रिया संबंधित कोई दिक्कत ना हो तथा उनकी सहायता के लिए हमने हेल्पलाइन नम्बर जारी किए हैं तथा हम छात्रों के लिए सोमवार से हेल्पडेस्क भी लगाएंगे। आगे भी हम छात्रों के प्रवेश प्रक्रिया समझाने एवं उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

संसाधनों के बिना साल में दो बार दाखिले से डूटा को ऐतराज

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से साल में दो बार दाखिला देने की अधिसूचना पर दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने ऐतराज जताया है। डूटा ने यूजीसी अध्यक्ष प्रो.एम. जगदीश कुमार को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि डीयू तथा इसके कॉलेजों में भौतिक संसाधनों की कमी, शिक्षण तथा गैर-शिक्षण पदों की कमी के चलते इस तरह के बदलाव लागू कर पाना संभव नहीं है। डूटा अध्यक्ष प्रो अजय कुमार भागी ने कहा कि डीयू तथा इसके कॉलेजों में आर्थिक रूप से पिछड़े (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त सीटों की वृद्धि हुई लेकिन विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कोई वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई। डी यू और संबद्ध कॉलेजों को अवसंरचना तथा अतिरिक्त शैक्षणिक पदों के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली है। इसके अलावा स्नातक स्तर पर चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) के चौथे वर्ष के विस्तार की शुरुआत के लिए सभी महाविद्यालयों में अतिरिक्त संसाधनों तथा शिक्षण स्टाफ की आवश्यकता है, जिसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए।

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक आदमी (फोटो में दर्शाया गया) जिसका नाम **नामालूम**, परिवार व पता **नामालूम**, **उम्रः लगभग 55–60 वर्ष, जो दिनांक 18.06.2024 को 1824 बजे म. नं. 16/2, गीता कालोनी, दिल्ली** में मृत अवस्था में पाया गया। इस संदर्भ में एक **डीडी नं. 55ए दिनांक 18.06.2024 को थाना गीता कालोनी, दिल्ली** में दर्ज है।

जिसका हुलिया नीचे दिया गया हैः–

लिंगः पुरुष, **आयुः** लगभग 55–60 वर्ष, **कदः** 5' 6'' फीट, **रंगः** सांवला, **पहनावाः** नीले रंग की कमीज, काली जैकेट, नीले रंग की जीन्स पैन्ट और नीले रंग की टोपी पहने हुए था।

मृतक के बारे में कोई जानकारी या सुराग रखने वाला कोई भी व्यक्ति निम्नलिखित पते या टेलीफोन नंबर पर सूचित करेः–

थाना प्रभारी
थानाः गीता कालोनी, दिल्ली
फोनः 011–22506665, 22508164
मोबाइलः 7065036026

वेबसाइटः http://cbi.nic.in
ई–मेलः cic@cbi.gov.in
टेली. नः 011-24368638/24368641
फैक्स नः 011-24368639

DP/7902/SHD/2024

खबर संक्षेप

सौरभ ने एलजी से की मीटिंग का वीडियो सार्वजनिक करने की अपील

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को एक बार फिर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से मीटिंग का वीडियो सार्वजनिक करने की अपील की है। उन्होंने यह अपील सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखकर की है। सौरभ ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि कुछ दिन पहले मैं और आतिशी आपसे हरियाणा के पानी के विषय में आपसे मिले थे। आपने तीन कैमरों से मीटिंग रिकॉर्ड की थी। आज आपसे भाजपा के सांसद मिले हैं। ज़ाहिर है आपने इस मीटिंग को वीडियो भी रिकॉर्ड किया होगा। आपसे दोबारा निवेदन है कि आप दोनों मीटिंग के वीडियो पब्लिक कर दीजिए। सबको पता तो चले कौन दिल्ली की जनता के साथ है।

केजरीवाल का गिरा आठ किलो वजन : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को कहा कि तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का वजन लगातार कम होते जा रहा है। 21 मार्च को गिरफ्तारी के बाद शनिवार 22 जून तक सीएम का वजन कुल 8 किलो गिर चुका है, जो बेहद चिंताजनक है। दरअसल 21 मार्च को जब सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी हुई थी, तब उनका वजन 70 किलो था। तब से उनका वजन लगातार गिरना शुरू हुआ। अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने के बाद 2 जून को वापस न्यायिक हिरासत में जाने के वक्त उनका वजन घटकर 63.5 किलो था। शनिवार 22 जून को सीएम केजरीवाल का वजन और घटकर 62 किलो हो गया है। आप का कहना है कि मैक्स अस्पताल के डॉक्टरों ने केजरीवाल के घटते वजन को मद्देनजर कई टेस्ट करवाने की सलाह दी थी, जिसके लिए सीएम केजरीवाल ने अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की मांग की थी।

जल संकट को लेकर आतिशी का अनशन दूसरे दिन भी जारी

भाजपा के लोगों ने आतिशी के अनशन में बाधा डालने का किया प्रयास : आप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने शनिवार को आरोप लगाया कि जलमंत्री आतिशी के अनिश्चितकालीन अनशन स्थल पर भाजपा द्वारा भेजे गये लोगों ने व्यवस्था को बिगाड़ने और शांतिपूर्ण चल रहे अनशन में बाधा डालने का प्रयास किया। आप ने यह आरोप बस मार्शलों द्वारा अपनी नौकरी की बहाली को लेकर अनशन स्थल पर प्रदर्शन करने के बाद लगाया। इस दौरान मार्शलों और आप कार्यकर्ता भिड़ गए थे। वहीं आतिशी ने अपना अनशन दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रखा। वहीं आतिशी के अनशन को इंडिया गठबंधन के नेताओं को समर्थन मिलना शुरू हो गया है।

धरना स्थल से जलमंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली में पानी की बहुत कमी है। 28 लाख लोगों को दिल्ली में पानी नहीं मिल रहा है। इन्हें पानी दिलवाने के लिए मैं शुक्रवार से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हूं। उन्होंने कहा कि आज मेरे अनशन स्थल पर कुछ लोग हल्ला करने, बाधा पहुंचाने, मुझपर हमला करने आए। लेकिन मैं भाजपा को ये बताना चाहती हूं कि, मैं गांधी जी के सिखाए हुए सत्याग्रह के रास्ते पर, उनके सिखाए अनशन के रास्ते पर चल रही हूं।

मैं ऐसी चीजों से डरने वाली नहीं हूं, ऐसी हरकतों से ये सत्याग्रह रोकने वाली नहीं हूं। आतिशी ने कहा कि जबतक 28 लाख दिल्लीवालों को उनके हक़ का पानी नहीं मिलेगा, तबतक ये अनशन जारी रहेगा, ये सत्याग्रह जारी रहेगा।

नौकरी से निकाले गये बस मार्शलों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भोगल में पानी सत्याग्रह कर रही दिल्ली की जल मंत्री आतिशी के मंच के पास पहुंचकर शनिवार को नौकरी से निकाले गए बस मार्शलों ने प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं और वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें किसी तरह से वहां से हटाया। प्रदर्शनकारियों ने आप कार्यकर्ताओं पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। आतिशी लगातार हरियाणा से पानी की मांग को लेकर शुक्रवार से भोगल में अनशन कर रही हैं। शनिवार दोपहर अचानक कई लोग अनशन स्थल पर पहुंचकर प्रदर्शन करने लगे। उनका कहना था कि उन्हें बसों में मार्शल के रूप में तैनात किया गया था। सरकार ने उन्हें नौकरी से निकाल दिया। वह पिछले आठ माह से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार के मंत्री उनकी समस्या सुनने को तैयार नहीं हैं। यदि मंत्री पानी के लिए अनशन कर सकती हैं तो लोगों को रोजगार दिलाने के लिए क्यों नहीं आगे आ रही हैं। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने आरोप लगाया कि वह शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग लेकर मंत्री के सामने प्रदर्शन करने पहुंची थीं लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ मारपीट की। उन्हें भाजपा का एजेंट बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा, उन्हें न भाजपा से कोई लेना देना है और न आम आदमी पार्टी से। उन्हें सिर्फ अपना रोजगार चाहिए।

दिल्लीवालों के लिए लड़ रही हैं आतिशी : गोयल

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल ने कहा कि आतिशी ऐसे समय में लड़ रही हैं, जब हमारे नेता अरविंद केजरीवाल जेल में बंद हैं। दिल्ली की जनता उनके साथ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री ने भी हमारी बात नहीं सुनी और दिल्ली के एलजी ने भी कोई प्रयास नहीं किया। परिणाम स्वरूप दिल्ली की जल मंत्री आतिशी को अनशन पर बैठना पड़ा है और यह शायद इसी का परिणाम है कि शुक्रवार को बादल छाए और बारिश हुई। भाजपा ने कृपा नहीं की, लेकिन ऊपर वाले ने कृपा की है। आज भी मौसम ठीक है। धीरे-धीरे पानी की मांग संतुलित होगी। हरियाणा पानी छोड़े या न छोड़े, मुझे उम्मीद है कि कुछ दिनों में दिल्ली में बारिश हो जाएगी और पानी की कमी दूर होगी। तब तक अनशन जारी रहेगा।

पानी सत्याग्रह को मिला सीपीआई का समर्थन

आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी द्वारा शुरू किए गए पानी सत्याग्रह को इंडिया गठबंधन के घटक दलों का भी समर्थन मिल रहा है। शनिवार को सीपीआई के महासचिव डी. राजा ने जंगपुरा के भोगल में चल रहे सत्याग्रह स्थल पर पहुंच कर अपना समर्थन दिया। इसके अलावा गुजरात और महाराष्ट्र से गोपाल इटालिया समेत आप के कई नेता पहुंच कर सत्याग्रह में शामिल हुए। सीपीआई महासचिव डी. राजा ने कहा आतिशी ने इस संवेदनशील मुद्दे को उठाया है। इस भीषण गर्मी और हीट वेव से कई लोगों की जान जा रही है। डी. राजा ने कहा कि हम यहां आम आदमी पार्टी को अपना समर्थन व्यक्त करने के लिए आए हैं कि आप इस संघर्ष में अकेली नहीं हैं। इस लड़ाई में हम आपके साथ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार हरियाणा को दिल्ली के हिस्से का पानी छोड़ने का निर्देश दे।

भाजपा दिल्ली को तरसा रही बूंद-बूंद पानी के लिए : सिंह

संजय सिंह ने कहा कि भाजपा दिल्लीवालों को बूंद-बूंद पानी को तरसा रही है। उन्होंने कहा कि केरल में बाढ़ के समय सभी सांसदों से कहा गया कि वे अपनी सांसद निधि से केरल को 1 करोड़ रुपए की सहायता राशि दे सकते हैं। तब मैंने सबसे पहले केरल के लोगों के लिए 1 करोड़ रुपए दिए। इस भारत की मिट्टी में पैदा होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी है कि अगर देश या दुनिया के किसी हिस्से में कोई आपदा आए तो हम हमेशा उसकी सहायता के लिए आगे आएं। लेकिन आज ये भाजपाई इतने निर्दयी हो गए हैं कि ये दिल्ली के लोगों का पानी रोक रहे हैं।

सुनीता केजरीवाल ने सत्याग्रह स्थल पर जाकर आतिशी का स्वास्थ्य जाना

शुक्रवार से पानी सत्याग्रह पर बैठी जल मंत्री आतिशी का हाल जानने के लिए शनिवार की शाम सीएम अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल अनशन स्थल पर पहुंची। वो कुछ देर तक धरना स्थल पर मौजूद रहीं और जल मंत्री आतिशी का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि पूरी पार्टी आतिशी और दिल्ली की जनता के साथ खड़ी है। हम दिल्ली के अधिकार को दिलवा कर रहेंगे।

मंत्री आतिशी कर रही है एक फाइव स्टार सत्याग्रह : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी एक फाइव स्टार सत्याग्रह कर रही हैं, वह चार घंटे मंच पर बैठती हैं और 18 घंटा मंच के पीछे एयरकंडीशन कमरे में बैठती हैं और सच तो यह है कि अपने फाइव स्टार अनशन से मंत्री आतिशी ने महात्मा गांधी एवं लाला लाजपत राय द्वारा प्रारम्भ सत्याग्रह आंदोलन की पवित्रता का अपमान किया है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को मंत्री आतिशी के सत्याग्रह को लेकर उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि सत्याग्रह एक बहुत पवित्र आंदोलन है जिसे महात्मा गांधी एवं लाला लाजपत राय जैसे शीर्ष नेताओं ने अंग्रेज शासकों के विरूद्ध जनजागरण के लिए प्रारम्भ किया था और उनके सत्याग्रह में एक मंच होता था वहीं दिन रात बैठकर जनता से जुड़ते थे। यहां तक की खुद अरविंद केजरीवाल ने भी जब 2011 में सुंदर नगरी में सत्याग्रह किया था तो जनता के बीच बैठकर दिया था। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली के लोग स्तब्ध हैं कि यह कैसा अनशन है जिसमें अनशनकारी हर फाइव स्टार सुख सुविधा भोग रहा है।

दिल्ली में 54 फीसदी पानी का नहीं है हिसाब, 40 प्रतिशत हो रहा बर्बाद : एलजी

नई दिल्ली। राजधानी में भीषण जल संकट और केजरीवाल सरकार में जल मंत्री आतिशी के अनशन पर बैठने के दूसरे दिन उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सवाल खड़े किए है। राजनिवास के अनुसार एलजी ने कहा है कि दिल्ली सरकार की नाकामी की वजह से 54 फीसदी पानी कहां जाता है इसका हिसाब तक नहीं है। दिल्ली सरकार 40 प्रतिशत पानी को बर्बाद होने से रोकने में नाकाम है, जबकि राजनीतिक संरक्षण के चलते टैंकर माफिया पूरी तरह हावी हो चुका है। उन्होंने कहा कि 10 साल तक सत्ता में रहने के बाद भी केजरीवाल सरकार ने जल उपचार क्षमता में एक लीटर का भी इजाफा नहीं किया। जो उसे अपनी पूर्ववर्ती शीला दीक्षित सरकार से विरासत में मिली थी। दूसरी बात, पाइपलाइनों का आपूर्ति और वितरण नेटवर्क पुराना और लीक हो रहा है। एलजी ने जल संकट को लेकर दिल्ली सरकार के मंत्रियों द्वारा की जा रही गलत बयानी पर अफसोस जताया है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत में भीषण गर्मी के चलते राष्ट्रीय राजधानी में पेयजल आपूर्ति एक बड़ी चुनौती बन गई है। केजरीवाल सरकार इस समस्या को हल करने के बजाय अपनी राजनीतिक इच्छाओं की पूर्ति हेतु पड़ोसी राज्यों को दोष देने में लगी है। जबकि पड़ोसी राज्य खुद पानी की कमी से जूझने के बावजूद दिल्ली को अतिरिक्त पानी दे रहे है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से पेयजल आपूर्ति पर निर्भर है। अंतरराज्यीय जल बंटवारे की व्यवस्था भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा बनाए गए संस्थागत तंत्रों के माध्यम से तय की जाती है, जिसे देश की सर्वोच्च अदालत ने बार-बार बरकरार रखा है। राज्यों को इस ढांचे के तहत हस्ताक्षरित समझौतों के अनुसार ही पानी छोड़ने के लिए बाध्य किया जाता है। लेकिन यह दुर्भाग्य है कि न तो दिल्ली सरकार ने जल आपूर्ति नेटवर्क में सुधार किया और न ही क्षमता में वृद्धि की।

आज एलजी से मिलेंगे आप नेता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने नेता आज जल संकट के समाधान को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से सुबह 11 बजे मिलने जाएंगे। इस बात की सूचना आप ने शनिवार को पत्र लिखकर उपराज्यपाल को दे दी है। आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने शनिवार को उपराज्यपाल को लिखे पत्र में कहा है कि दिल्ली में जल संकट के समाधान के लिए आम आदमी पार्टी के सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता आज सुबह 11 बजे आपसे मिलने आ रहे हैं। चूंकि दिल्ली में पानी का गंभीर संकट है और दिल्लीवालों को अपने हक का पानी मिलना चाहिए। लिहाजा इस गंभीर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए हम आपसे मिलने आ रहे हैं।

10 साल से सरकार में हो क्या कार्य किया बताएं : हारून

नई दिल्ली। दिल्ली में जल संकट को लेकर जल सत्याग्रह अनशन पर बैठी केजरीवाल सरकार की जल मंत्री आतिशी पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस की तत्कालीन शीला सरकार में वर्षों मंत्री रहे हारून यूसुफ ने कहा कि सरकार खुद केजरीवाल की और अनशन पर ही इनकी मंत्री बैठी है। रोज रोज आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा, आप 10 साल से सरकार में हो कार्य क्या किया वह बताएं। उन्होंने कहा कि अगर हमारी कांग्रेस सरकार ने उस समय 450 एमजीडी जल शोधन की क्षमता न बढ़ाई होती तो आज हालात किस कदर होते इसका अंदाजा लगाना भी सहज नहीं है। शीला सरकार में हमने सोनिया विहार वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जिससे दिल्ली को बड़ी राहत मिली, वर्ना मुश्किल होती। उन्होंने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारी कांग्रेस सरकार पर दिन रात आरोप लगाए जो आसान होता। लेकिन खुद सत्ता में रहते हुए दस साल में क्या किया, आपूर्ति सिस्टम मजबूत क्यों नहीं हुआ, घर घर पाइपलाइन से पानी का वादा अधुरा क्यों।

जल संकट: तुगलकाबाद में जनता ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में पानी के गंभीर संकट का प्रकोप झेल रहे तुगलकाबाद विधानसभा के बड़ी संख्या में निवासियों ने दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय आनन्दमयी मार्ग ओखला फेस-2 पर भ्रष्ट केजरीवाल सरकार व टैंकर माफियाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बिधूड़ी ने केजरीवाल द्वारा किए गए वायदों और दावों पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या हर वर्ष गर्मी में पानी के लिए लोगों का हा-हा कार आपको सुनाई नहीं देता। किस प्रकार लोग बून्द-बून्द पानी के संकट से जूझते हैं, उसके बाद बरसात में जगह-जगह भीषण जलभराव की भी समस्या होती है जिसे दिल्ली की जनता को हर साल भुगतना पड़ता है, बजाय लोगों की इन समस्याओं का समाधान करने के खुद सत्ता में रहते हुए धरना और सत्याग्रह पर बैठ कर अपनी विफलताओं और भ्रष्टाचार को छुपाने का प्रयास करते हैं। सत्याग्रह पर बैठना विपक्ष का काम है ना कि सत्ता में बैठी सरकार का।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए की पानी की बौछार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में पानी की कमी को लेकर शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। दक्षिण दिल्ली से भाजपा के पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी ओखला में दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और आप सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों के वहां से हटने से इनकार करने पर पुलिस ने पानी की बौछार कर उन्हें तितर-बितर किया। भीषण गर्मी के बीच दिल्ली में पानी की भारी कमी है, जबकि भाजपा और आप इस संकट के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए बिधूड़ी ने आरोप लगाया कि 600 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाने वाला दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) अब भ्रष्टाचार के कारण 60,000 करोड़ रुपये के घाटे का सामना कर रहा है।

अधिकतम पारा 39.4 डिग्री सेल्सियस हुआ दर्ज

दूसरे दिन भी दिल्ली में हुई हल्की बूंदाबांदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में दूसरे दिन शनिवार को मौसम दिनभर मिला जुला दिखाई दिया। कहीं कहीं हल्की बूंदाबांदी की खबर भी है। लेकिन दिल्ली वाले झमाझम बारिश की उम्मीद लगाए बैठे रह गए। सुहावने मौसम ने दिल्ली की सुबह का स्वागत किया, लेकिन दस बजे के बाद सूरज ने अपने तेवर दिखाए, और उसके बाद लोगों को उमस ने भी परेशान किया। जिसके चलते तापमान में मामूली बढ़त दर्ज हुई। हालांकि बाद में मौसम ने अलग अलग रंग दिखाए, कभी बादलों का जमघट तो कभी सूरज की चमक दिखाई दी। चार बजे के करीब आसमान पर एक बार फिर बादलों ने डेरा जमाया, ऐसा प्रतीत हुआ कि आज भी बारिश राहत देगी। लेकिन कहीं कहीं हल्की बूंदाबांदी के अलावा बारिश देखने को नहीं मिली। प्रादेशिक मौसम विभाग केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार अधिकतम तापमान में मामूली बढ़त दर्ज हुई। आईएमडी के अनुसार अधिकतम पारा 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, यह भी सामान्य से 1 डिग्री अधिक है। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से पूर्व के 24 घंटे में दिल्ली में कुल 3.6 एमएम बारिश दर्ज हुई। जबकि रिज एरिया में 6.2 एमएम, लोधी रोड़ में 3.8 एमएम और पालम में 1.2 एमएम बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने बताया कि रविवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री तक रह सकता है, हल्की बूंदाबांदी से इंकार नहीं किया जा सकता। जबकि सोमवार को हल्की बारिश की संभावना व तापमान 41 डिग्री पहुंच सकता है। आईएमडी की माने तो इसके बाद मंगलवार व बुधवार को तापमान सताने वाला होगा और तापमान बढ़कर 43 डिग्री तक जा सकता है। वहीं गुरुवार व शुक्रवार को एक बार फिर दिल्ली वालों को राहत की बारिश देखने को मिल सकती है।

एक ही बारिश से बिजली की मांग में 600 मेगावाट की भारी कमी

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को हुई झमाझम बारिश का असर दूसरे दिन बिजली की मांग में भारी कमी के रूप में दिखाई दी। शनिवार को बिजली की मांग में 600 मेगावाट से ज्यादा की कमी दर्ज हुई है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार मांग लुढ़क कर 7007 मेगावाट दर्ज हुई। जबकि शुक्रवार को मांग का आंकड़ा 7663 मेगावाट दर्ज हुई थी। बिजली की मांग में आई भारी गिरावट से जिनी बिजली आपूर्ति कंपनियों ने राहत की सांस ली है। क्योंकि इस बार भीषण गर्मी के चलते दिल्ली में बिजली की मांग ऐतिहासिक रिकॉर्ड 8656 मेगावाट तक पहुंच गई थी। बेतहाशा मांग के बढ़ने से बिजली कंपनियों पर निर्बाध आपूर्ति करना चुनौती पूर्ण बना हुआ था। भीषण गर्मी के चलते दिल्ली में करीब 9 बार बिजली की मांग का आंकड़ा 8 हजार मेगावाट इससे ऊपर दर्ज हुआ। ऐसे में मांग के अनुरूप आपूर्ति करना बिजली कंपनियों के लिए सिर दर्द बन चुका था। लोगों को बिजली कटौती का दंश भी झेलना पड़ा।

खबर संक्षेप

7 दिन बाद भी लापता को खोज नहीं पाई पुलिस

फरीदाबाद। सेक्टर-3 से नीट की कोचिंग सेंटर जाते वक्त लापता हुए 18 वर्षीय छात्र संजय को तीन दिन में बरामद करने के पुलिस के दावे खोखले साबित हुए। एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद पुलिस लापता छात्र का सुराग नहीं लगा पाई है। इतना ही नहीं सेक्टर 8 एसएचओ द्वारा लापता छात्र के माता-पिता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दोनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कर लाइन हाजिर करने के आश्वासन पर भी अभी तक कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है।

ईंट मारकर आरोपियों ने की युवक की हत्या

फरीदाबाद। सैनिक कॉलोनी पुलिस चौकी के अंतर्गत बांगा चौक पर रेहड़ी लगाने वाली एक बुजुर्ग महिला के सामने उसके बेटे को मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बाद में उसकी मौत हो गई। महिला हमलावरों से मिन्नतें करती रही लेकिन मानने की बजाए हमलावरों ने बुजुर्ग महिला के साथ भी मारपीट की। थाना डबुआ में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कुछ दिन पहले मृतक ने आरोपी को गाली दे दी थी। तब भी झगड़ा हुआ था। इसी बात को लेकर आरोपी रंजिश रखे हुए था। अब पुलिस जांच कर रही है। आरोपियों की धरपकड़ की जा रही है।

शादी का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म

फरीदाबाद। खेड़ीपुल थाने की टीम ने दुष्कर्म के मुकदमे में 3 महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अंकित तोमर है । उसके खिलाफ 28 मार्च को खेड़ीपुल थाने में दुष्कर्म की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें आरोपी ने शादी का झांसा देकर 28 वर्षीय शादीशुदा महिला के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। उस समय दोनों सेक्टर 86 स्थित एक सपा सेंटर में काम करते थे । और करीब 6 महीने से एक-दूसरे को जानते थे। आरोपी ने महिला को अपने जाल में फंसाकर शादी का झांसा दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

244 ग्राम गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने नशे की तस्करी करने वाले एक आरोपी को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम प्रबल है जो हाथरस का निवासी है और फिलहाल फरीदाबाद की राजीव कॉलोनी में रह रहा था। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुजेसर एरिया से आरोपी को अवैध नशे सहित काबू किया था। आरोपी से 244 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ थाने में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने की अवैध देसी शराब की 50 पेटी बरामद

फरीदाबाद। अपराध शाखा 85 की टीम ने एक मकान से 50 पेटी अवैध शराब बरामद की है। क्राइम ब्रांच की टीम और आबकारी निरीक्षक को सूचना मिली थी कि ज्ञानेंद्र उर्फ ज्ञानी पल्ला एरिया के अजय नगर में एक मकान को किराए पर लेकर अवैध शराब बेचता है। क्राइम ब्रांच ने एक्साइज इंस्पेक्टर के साथ रेड डाली। वहां से 50 पेटी देसी शराब फ्रेश मोटा ऑरेंज की बरामद की गई।

रोजमर्रा की जिंदगी में चुनौतियों का सामना कर रही महिलाओं के लिए विशेष लाभकारी है योग

अक्षर योग केंद्र ने योग दिवस पर बनाए पांच गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

तीन हजार से अधिक योग साधकों ने अक्षर योग केंद्र में आयोजित योग कार्यक्रम में विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए कुल सात योगासनों में प्रतिभाग किया। जिनमें पांच आसनों नौकासन, कौंडिन्यासन, चक्रासन, नटराजासन और सूर्य नमस्कार में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

अक्षर योग केंद्र ने अपने संस्थापक हिमालयन सिद्ध योगी अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पांच नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। तीन हजार से अधिक योग साधकों ने अक्षर योग केंद्र में आयोजित योग कार्यक्रम में विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए कुल सात योगासनों में प्रतिभाग किया। जिनमें पांच आसनों नौकासन, कौंडिन्यासन, चक्रासन, नटराजासन और सूर्य नमस्कार में गिनीज

वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हिमालयन सिद्ध योगी अक्षर ने कहा कि आसन और तकनीक के अलावा, योग व्यक्ति के बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की समग्र अवधारणा है। हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि योग की प्राचीन प्रथा को नए शिखर पर ले जाएं और दुनिया भर में इसे घर-घर में लोकप्रिय कर दें ताकि यह लोगों की दिनचर्या में शामिल हो जाए। योग दिवस के अवसर पर 20 देशों के लोगों की भागीदारी के साथ पांच नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना योग की अद्वितीय शक्ति का सम्मान है। यहां जो आसन किए गए, वे सभी के लिए बहुत लाभकारी हैं, खासकर महिलाओं के लिए, जो रोजमर्रा की जिंदगी में कई चुनौतियों का सामना करती हैं।

1372 लोगों ने भाग लिया

प्रतिभागियों ने इस योग कार्यक्रम में 30 सेकंड से लेकर 5 मिनट तक की अवधि वाले ये आसन किए। नौकासन, कौंडिन्यासन, चक्रासन, नटराजन एवं सूर्य नमस्कार में क्रमशः 382, 352, 390, 595 एवं 1372 लोगों ने प्रतिभाग किया। गौरतलब है कि अक्षर योग केंद्र ने पिछले साल तीन अलग-अलग योगासनों वशिष्ठासन, उष्ट्रासन और हलासन को क्रमशः 45 सेकेंड, 60 सेकंड और 90 सेकंड की अवधि के लिए करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया था।

पुलिस ने कंपनी मालिक को किया गिरफ्तार

फायर वॉल फैक्ट्री में ब्लास्ट 4 की मौत, आधा दर्जन घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर 104 के दौलताबाद इंडस्ट्रियल एरिया की फायर वॉल बनाने वाली फैक्ट्री में आग लग गई। फैक्ट्री में हुए जबरदस्त धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। कंपनी में तैनात एक सिक्योरिटी गार्ड समेत 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए। जिनको अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। धमाकों की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। धमाका इतना जोरदार था कि आस-पास के मकान तक हिल गए। करीब 9 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मलबे में दबे लोगों को मृत अवस्था में बाहर निकाला गया जिनके शव पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। वहीं दमकल विभाग और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर अभी भी जांच कर रही है। अधिकारियों की माने तो रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हो चुका है, लेकिन रुक रुककर आग सुलग रही है जिसे कंट्रोल करने के लिए दमकल की टीम मशक्कत कर रही है। मामले में पुलिस ने कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है।

> दौलताबाद इंडस्ट्रियल एरिया की फायर वॉल बनाने वाली फैक्ट्री में देर रात आग लग गई। फैक्ट्री में हुए जबरदस्त धमाकों से पूरा इलाका दहल गया। वहीं, कंपनी में तैनात एक सिक्योरिटी गार्ड समेत 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि करीब आधा दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए।

खास बातें

- मलबे में दबे लोगों को मृत अवस्था में निकाला
- फैक्ट्री में आग रोकने के लिए फायर वॉल बनाई जाती है

फैक्ट्री की छत उड़ी, कई दीवारों में दरारें आ गई

हादसा अल सुबह करीब 2.30 बजे का है। फायर ऑफिसर रमेश कुमार ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि दौलताबाद इंडस्ट्रियल एरिया की कंपनी प्लॉट नंबर-200 टेक्नोक्रैट प्रोडक्टिव सॉल्यूशन में भीषण आग के बाद धमाके हो रहे हैं। इसके बाद दमकल की दर्जनकों गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस फैक्ट्री में आग रोकने के लिए फायर वॉल बनाई जाती थी। इन फायर वॉल को बनाने के लिए चार दिन पहले ही रॉ मटेरियल आया था। रात को जब मजदूर यहां काम कर रहे थे तो यहां शॉर्ट सर्किट हुआ जिसके कारण जोरदार धमाका हो गया। इस धमाके की गूंज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

आग लगने पर आधे घंटे तक यह फायर वॉल फटती रही

बताया जा रहा कि जोरदार धमाके के बाद करीब आधे घंटे तक यह फायर वॉल फटती रही जिसके कारण लोगों में दहशत का माहौल बन गया। धमाकों के कारण फैक्ट्री में लगी टीनशेड और पत्थर उडक़र करीब 150 मीटर दूर तक जा गिरे। मरने वालों में कंपनी में काम करने वाले लक्ष्मण विहार के 28 वर्षीय कौशिक, यूपी के 26 वर्षीय अरुण व गार्ड की नौकरी करने वाले दिल्ली के करोलबाग निवासी 59 वर्षीय राम अवध के रुप में हुई। जबकि एक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

मंत्री के आदेश के बाद नगर निगम एक्शन

एक कॉल से होगा गंदगी का उठान बरसातों पूर्व ड्रेनेज दुरुस्त होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद दौरे पर पहुंचे स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा ने सफाई को लेकर निगम अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। जिससे नगर निगम फरीदाबाद और विकास को लेकर चौकन्ना हो गया। निगमायुक्त मोना ए श्रीनिवासन के आदेश पर नगर निगम को चार जोनों में बांट कर चार एक्सईएन स्तर के अधिकारियों के अलावा 200 से ज्यादा सफाई व विकास से जुड़े अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई है। मंत्री की फटकार के बाद एक्शन मोड में आए निगम अधिकारी समूचे क्षेत्र से गुजरने वाले नाले-नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दे रहे हैं तथा बरसातों पूर्व सभी ड्रेनेज को दुरुस्त कर लिया जाएगा।

सफाई और विकास कार्यों में आई तेजी

ओल्ड फरीदाबाद में तैनात एक्सईएन ने कहा कि उन्होंने लोगों को राहत प्रदान करने के लिए तिगांव रोड, इंदिरा कॉम्पलेक्स, सेक्टर-87, सेहतपुर रोड़, शिव कालोनी, कृष्णा कालोनी, पल्ला नंबर-1, वेदराम कालोनी, सेहतपुर मेन, नहरपार तिगांव रोड, चौ. चरण सिंह मार्ग नजदीक खेड़ीपुल, पदम नगर इंदिरा कॉम्प्लेक्स कालोनी सेक्टर-87 सहित समूचे क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को पंखे लगाए है साथ ही 50 से ज्यादा सीवरेज के ढक्कन भी बदल दिए गए है। एक्सईएन ने कहा कि आगामी पांच दिनों में सीवरेज, पानी, सफाई और विकास कार्यों की गति को और भी तेज कर दिया जाएगा। इसी प्रकार एनआईटी जोन के एक्सईएन पदमभूषण नासवा, ओपी कर्दम, सुशील ठाकरान, नितिन कादियान ने कहा कि स्थानीय निकाय मंत्री सुभाष सुधा व निगमायुक्त मोना ए श्रीनिवासन के आदेशों पर समूचे नगर निगम में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है और एक कॉल में कार्रवाई के चलते सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाएगी।

नशे में धुत चालक ने कार से ट्रैफिक पुलिस कर्मी को घसीटा एसआई ने मांगे कागजात

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ में नशे में धुत एक कार ड्राइवर ने कई लोगों की जान दांव पर लगा दी। ड्राइवर एक ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी को भी काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। पुलिसकर्मी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर ड्राइवर को काबू किया। इस दौरान कार में सवार दूसरे व्यक्ति ने कूद कर जान बचाई। इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। नेशनल हाईवे नंबर 19 स्थित बल्लभगढ़ बस स्टैंड पर यह घटना हुई।

ड्राइवर बस स्टैंड के पास अपनी कार रोड के बीच में खड़ी कर सवारियां भर रहा था। रोड बाधित होने पर ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर प्रेम प्रकाश मौके पर पहुंचे। उसने ड्राइवर से कार के कागजात मांगे। इस पर ड्राइवर व ट्रैफिक पुलिस में आपस में बहस हो गई।

घटना का जो वीडियो सामने आया है, उसके अनुसार ड्राइवर

कार को भगाने का प्रयास करता है। ट्रैफिक पुलिसकर्मी कार की खिड़की पर चढ़ गया है। इसके बाद कार रोड पर डिवाइडर से भी टकराती है। चलती कार में ही पुलिसकर्मी व ड्राइवर में हाथापाई होते नजर आ रही है। इस बीच कार में सवार एक-एक कर कूदने लगे। ड्राइवर पुलिसकर्मी को घसीटते हुए ले गया। अन्य पुलिस कर्मियों की मदद से कार ड्राइवर को काबू किया गया।

मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों के अनुसार ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर प्रेम ने जान पर खेल कर ड्राइवर को रोका। ड्राइवर नशे में था। ऐसे में हादसा भी हो सकता था।

राज्य मंत्री ने ली समीक्षा बैठक, कहा

ओबीसी वर्ग के छात्रों के लिए बढ़ाई गई सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

यूपी सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री एवं ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने विजयनगर स्थित गंगाजल गेस्ट हाउस में दो समीक्षा बैठक की। पहली बैठक में उन्होंने पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन को लेकर मंडल स्तर पर समीक्षा की। वहीं दूसरी बैठक में जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर, जीडीए वीसी, मुख्य विकास अधिकारी के साथ बैठक की।

कहा कि उनके दोनों मंत्रालय पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी के निर्देश पर बेहतर काम कर रहे हैं। पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप बढ़ाने व बेहतर पढ़ाई करने के लिए छात्रावासों की सुविधा दी जा रही है। जल्द ही गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर में दो नए छात्रावास ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निर्मित किए जाएंगे।

जीडीए वीसी से कहा अवैध कार्य है तो कार्रवाई करें, पैनिक न बढ़ाएं

राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि अवैध करवाई है तो कार्रवाई की जाए पैनिक न फैलाया जाए। मीडिया में समाचार आने से पैनिक फैल जाता है। करवाई है तो करें और उसके लिए शोर न मचाएं। इसके साथ ही उन्होंने जीडीए वीसी से आवास की स्कीम लाने के साथ ही मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए कोई आवासीय योजना जल्द से जल्द लाने को कहा है ताकि जनता को राहत पहुंचाई जा सके।

विधायक ने निगम आयुक्त के संग की समीक्षा बैठक

विकास कार्यों को पूरा करने की गति बढ़ाएं जाने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद।

तिगांव के भाजपा विधायक राजेश नागर ने फरीदाबाद नगर निगम की आयुक्त मोना ए श्रीनिवासन के साथ समीक्षा बैठक की। नागर ने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों की स्पीड बढ़ाएं क्योंकि देरी से मिला विकास व्यर्थ जाता है।

उन्होंने कहा कि नायब सिंह सैनी ने विकास कार्यों को गति देने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं जिसमें कोई अधिकारी ढिलाई न बरतें। उन्होंने मोना श्रीनिवास से कहा कि वह अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को इस बारे में ताकीद कर दें कि ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। करोड़ों रुपए के विकास कार्य तिगांव विधानसभा क्षेत्र में चल रहे हैं लेकिन समयबद्ध तरीके से पूरे नहीं होंगे तो ऐसे विकास का क्या फायदा।

नागर ने पल्ला बाइपास रोड, चेतन मार्केट रोड, पल्ला सेहतपुर रोड, तिलपत रोड को तेजी से बनाने की बात कही। वहीं तिलपत में स्टेडियम बनाने की योजना को भी गति देने के लिए कहा। साथ ही कॉलोनियों में अमृत योजना के कार्य, टाइल्स के कार्य और सेहतपुर पेट्रोल पंप के आगे नल का कार्य करवाने जैसे अनेक प्रोजेक्ट की समीक्षा की।

इसी तरह सेक्टर 28 की मार्केट में टॉयलेट निर्माण, कृष्णा कॉलोनी में व्यायाम शाला, पलवली का श्मशान घाट रोड बनाने व राजीव नगर में ट्यूबवेल बोरिंग करवाने की भी जानकारी ली।

13 गांव में जोहड़ों की सफाई

विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र के 13 गांव में बने जोहड़ों की सफाई करवाने के लिए भी निगम आयुक्त से कहा। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं के तहत इन जोहड़ों की सफाई अति आवश्यक है। इससे जोहड़ बचे रहेंगे और हमारे पास प्राकृतिक जलाशय भी बने रहेंगे। उन्होंने तुरंत प्रभाव से कॉलोनियों के रोड़ और नालों की सफाई के बारे में भी कर्मचारियों को निर्देश देने के लिए कहा।

लूट और लड़ाई- झगड़े के मामले में कार्रवाई

फ्रैक्चर गैंग के मुखिया कुलभूषण तीन साथियों के साथ गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेंट्रल की टीम ने कुलभूषण उर्फ कुल्लू व उसके तीन साथी विकास उर्फ विक्की व पारस, अमन गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कुलभूषण उर्फ कुल्लू गांव नचौली फरीदाबाद का रहने वाला है व फ्रैक्चर गैंग का मुखिया है व विकास उर्फ विक्की भी फ्रैक्चर गैंग का सदस्य है। आरोपी कुलभूषण व विकास आदतन अपराधी है। कुलभूषण पर लड़ाई झगड़े, धमकी, लूट पाट, फिरौती व हत्या के कुल 15 मुकदमे दर्ज हैं व आरोपी विकास पर लड़ाई झगड़े हत्या धमकी व लूटपाट के कुल 7 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी

पारस व अमन के खिलाफ दो अभियोग लड़ाई-झगड़े के दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच सेंट्रल फरीदाबाद की टीम ने आरोपियों द्वारा 7 जून को की गई लड़ाई-झगड़े व लूट की वारदात पर थाना भूपानी में दर्ज मुकदमा में कसौली हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया। आरोपियों ने 7 जून को राहुल की स्कॉर्पियो के पीछे अपनी गाड़ी लगाकर उसके साथ मारपीट की और उससे 30,000 छीन लिए। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर 7 दिन की रिमांड पर हासिल किया । आरोपियों के कब्जे से वारदात में उपयोग की गई गाड़ी, 2 लोहा रॉड व डंडे बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है।

मामला अलग-अलग समुदाय होने के कारण काफी संवेदनशील हो गया

सिंचाई के पानी के विवाद में पिता-पुत्र की हत्या, गांव में सांप्रदायिक तनाव के बाद भारी पुलिस फोर्स तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

निवाड़ी थाना क्षेत्र में आम के बाग में पानी देने को लेकर विवाद के बाद कुछ लोगों ने पिता व उसके दो पुत्रों पर उस समय जमकर फायरिंग की, जब वह अपने घर मोटरसाइकिल से जा रहे थे। इतना ही नहीं तीनों को बम्बे में फेंक दिया।। इसमें पिता व पुत्र की मौत हो गई जबकि दूसरे पुत्र की हालत गंभीर बनी हुई है। मामला अलग-अलग समुदाय होने के कारण काफी संवेदनशील हो गया है। इस कारण मौके पर भारी पुलिस फ़ोर्स तैनात की गई है। पुलिस में मृतको के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद यादव व एसीपी ज्ञान प्रकाश राय वह अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

एक पुत्र गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

डीसीपी विवेक चंद यादव ने बताया कि निवाड़ी थाना क्षेत्र में खिंदौड़ा गांव निवासी वेद प्रकाश त्यागी का आम के बाग है और जानी थाना क्षेत्र मेरठ के गांव धौलड़ी निवासी पप्पू ने उसे ठेके पर ले रखा है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की रात 8 बजे के आसपास बाग में पानी देने को लेकर कुछ लोगों से विवाद हो गया था।।जिसको वेद प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर समाप्त कर दिया था। लेकिन रात्रि में करीब 10:30 बजे पप्पू (55 वर्ष) उनका बेटा (राजा 26 वर्ष) तथा दूसरा बेटा चांद (22 वर्ष)मोटरसाइकिल पर जा रहे थे । जब यह बम्बे के किनारे पर पहुंचे तो कुछ लोगों ने पर फायरिंग कर दी बम्बे में फेंक फरार हो गए। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और खोजबीन में शुरू की।

7 के खिलाफ एफआईआर दर्ज, 3 को किया गिरफ्तार

वहां पर बम्बे के पास चांद गंभीर अवस्था में पड़ा मिला। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने राजा की भी तलाश शुरू की और कुछ ही देर बाद बम्बे से राजा व पप्पू का शव बरामद हुआ । जिनको गोली मारी गई है। मृतकों के परिजनों ने सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमें तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिनके नाम सुधीर त्यागी, दीपक व बिट्टू हैं। मामला अलग-अलग समुदाय का होने के कारण काफी संवेदनशील हो गया है। बताया जा रहा है कि घटना के विरोध में लोगों ने प्रदर्शन भी किया है।

मुड़िया पूर्णिमा मेले को लेकर सरकार एक्शन आई मोड में

15 से 22 जुलाई तक होगा आयोजन, पुलिस-प्रशासन ने मेले की तैयारियों का खींचा खाका, करीब सात करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावनाएं

एजेंसी ▶▶ मथुरा

गोवर्धन में 15 से 22 जुलाई तक आयोजित होने वाले राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेले की तैयारियों को लेकर प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को दो हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। रेंज से अतिरिक्त फोर्स की मांग की गई है। शनिवार को गोवर्धन तहसील के गेस्ट हाउस में सांसद हेमा मालिनी, उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण की मौजूदगी में मेले की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मेले में अब एक माह से भी कम वक्त बाकी है। करीब सात करोड़ श्रद्धालुओं के इस बार आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि जुलाई के तीसरे सप्ताह में मानसून पीक पर होगा, इस दौरान बारिश होने पर जलभराव से निपटने और भीड़ नियंत्रण के विशेष इंतजाम किए जाएं। डीएम ने रेलवे अधिकारियों को श्रद्धालुओं के आने-जाने के लिए ट्रेनों के विस्तारीकरण व अतिरिक्त बोगियों लगाने की व्यवस्था करने को कहा।

खास बातें

- सरोवर और कुंड के चारों ओर होगी बैरिकेडिंग
- 1000 बसों का होगा इंतजाम
- 17 स्थानों पर चिकित्सा शिविर लगेंगे
- सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

परिक्रमा मार्ग को व्यवस्थित किया

डीएम ने बताया कि देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु इस मेले में आते हैं। ऐसे में समय रहते पुख्ता बंदोबस्त जरूरी हैं। लोक निर्माण के अधिकारियों सड़कों को गड्ढा मुक्त करने, परिक्रमा मार्ग पर मिट्टी डलवाने, वॉच टावर लगाने, पार्किंग, रैंप, पुलिस चौकी, बैरियर एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था करने को कहा। मथुरा वृन्दावन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमवीडीए) के सचिव को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग पर स्थित सभी स्ट्रीट लाइटों को संचालित कराएं। मानसी गंगा, कुसुम सरोवर, कृष्ण कुंड और राधाकुंड के चारों ओर बैरिकेडिंग का कार्य पूर्ण करा लिया जाए। एमवीडीए सभी सीसीटीवी कैमरों व पीए सिस्टम को ठीक कराए। मेले के दौरान कंट्रोल रूम से निरंतर इन सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी होगी। पीए सिस्टम के द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

ईओ गोवर्धन और डीपीआरओ किरण चौधरी से कहा कि परिक्रमा मार्ग और मुख्य मंदिरों के आसपास साफ सफाई कराएं। रोस्टर बनाकर सफाई नायकों की नियुक्ति करें, मेले से पूर्व, मेले के दौरान व मेले की समाप्ति के बाद भी सफाई कराएं। एसडीएम गोवर्धन और सीओ गोवर्धन को पार्किंग, परिक्रमा मार्ग पर लाइटिंग, कंट्रोल रूम, सीसीटीवी कैमरे आदि की मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

जाम की समस्या न हो

डीएम ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कहा कि सीएचसी गोवर्धन में पर्याप्त मात्रा में स्टाफ की तैनाती की जाए। मेला मार्ग पर एंबुलेंस के साथ ही बाइक एंबुलेंस भी तैनात की जाएं। 17 स्थानों पर चिकित्सा शिविर लगाए जाएं, विभिन्न स्थानों पर डॉक्टरों की तैनाती की जाए। यूपी राज्य परिवहन निगम के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को निर्देश दिए कि मेले के लिए एक हजार बसों का इंतजाम किया जाए। जाम की समस्या न हो, इसके लिए पुलिस महकमे को निर्देशित किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों से कहा कि परिक्रमा मार्ग में चेकिंग करते रहें ताकि कोई खराब पदार्थ न बेच पाएं।

सुरक्षा व्यवस्था को बनाएं प्रभावशाली

एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए एसपी ग्रामीण और सीओ गोवर्धन को पर्याप्त इंतजाम करने को कहा। बैठक में एडीएम प्रशासन विजय शंकर दुबे, एडीएम वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, एसपी ग्रामीण त्रिगुण बिसेन, एसपी ट्रैफिक देवेश कुमार, सीएमओ एके वर्मा, आईपीएस कुंवर आकाश सिंह, आईएएस प्रशिक्षु रिंकू सिंह राही, आईपीएस प्रशिक्षु ट्विंकल जैन, सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, एसडीएम गोवर्धन नीलम श्रीवास्तव, सीओ गोवर्धन आलोक सिंह, एआरटीओ मनोज प्रसाद वर्मा, सचिव एमवीडीए अरविंद कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सीवान में नहर पर बना पुल ढहा

सीवान। बिहार में पुलों के गिरने का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बार महाराजगंज क्षेत्र में दरोंदा विधानसभा के बॉर्डर को जोड़ने वाला पुल ढेर हुआ है। अभी न तो बारिश हुई है और न ही किसी तरह आंधी या तेज हवा चली, फिर भी पुल धराशायी हो गया। इस मामले का वीडियो सामने आया है। यह पुल महाराजगंज क्षेत्र के पटेढ़ी-गरौली को जोड़ता था।

बिहार में शिक्षक पात्रता परीक्षा की गई रद्द

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा बोर्ड ने 26 से 28 जून के बीच होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दिया है। बोर्ड ने कहा है कि टीईटी को स्थगित करने का निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि दो परीक्षाएं एक ही तारीख पर टकरा रही थी।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने उर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समय पर बिना त्रुटि के हर उपभोक्ता के घर तक पहुंचाएं बिजली बिल, स्मार्ट मीटर लगाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को ऊर्जा विभाग की महत्वपूर्ण बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विभाग की ओर से प्रस्तुत किये गये प्रजेंटेशन का अवलोकन किया। सीएम योगी ने कहा कि बिजली का बिल समय से जमा कराने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य करना अत्यंत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार लोग मोबाइल का बिल नियत समय पर जमा करते हैं उसी प्रकार बिजली का बिल भी तय समय पर जमा कराने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए विभाग एक सुदृढ़ मैकेनिज्म तैयार करे। सीएम योगी ने प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगाने पर विशेष जोर दिया और कहा कि जनता को इसके लिए तैयार किया जाए। स्मार्ट मीटर आज की आवश्यकता है।

सीएम योगी ने उर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्मार्ट मीटर की कवायद तो तेजी से आगे बढ़ाया जाए। ईज ऑफ लिविंग के लिए यह बहुत जरूरी है, जिससे सच्चे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

खास बातें

- प्रदेश में बिजली आपूर्ति बढ़ाई
- यूपी में 3.45 करोड़ बिजली कनेक्शन
- दो साल में 30 लाख कनेक्शन बढ़े
- 70 हजार करोड़ का राजस्व मिला

मीटर रीडर को जवाबदेही बनाएं

सीएम योगी ने निर्देश दिया कि बिजली का बिल सही समय पर और बिना गड़बड़ी के हर उपभोक्ता के घरों तक पहुंचना चाहिए। मीटर रीडर को इसके लिए जवाबदेह बनाना बहुत जरूरी है। उपभोक्ताओं को ओटीएस के बारे में जागरूक करें, ताकि बकाया जमा करने में मिलने वाली सहूलियत के बारे में उसे अच्छी तरह से पता हो।

10 विद्युत इकाई स्थापित होंगी

प्रदेश में 5255 मेगावाट की 10 इकाई को लगाने का कार्य तेज गति से चल रहा है। 5120 मेगावाट की तीन बड़ी परियोजनाएं ओबरा डी, अनपरा ई और मेजा द्वितीय पर भी काम जारी है। प्रदेश में बिजली के ट्रांसमिशन लॉस को न्यूनतम स्थिति में पहुंचाते हुए 3% पर लाने का कार्य हुआ है। बताया कि प्रदेश में नोएडा, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर, कानपुर और लखनऊ में विभाग की कई बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। प्रधानमंत्री सूर्यघर परियोजना के प्रथम चरण में देश में 1 करोड़ जबकि यूपी में 25 लाख सोलर रूफ टॉप लगने हैं।

बिजली कटौती की पूर्व सूचना दें

सीएम योगी ने कहा कि हमने अपने पहले पांच साल बुनियादी ढांचे को विकसित करने में लगाए हैं, अब हमें अपना पूरा जोर गुणवत्ता को बनाए रखने पर देना होगा। मेंटेनेंस के कारण अगर बिजली कटौती की जाती है तो कब और कितनी देर तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी इसकी पूर्व सूचना उपभोक्ताओं को देना जरूरी है। इसके लिए सोशल मीडिया का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करें। सीएम योगी ने कहा कि स्मार्ट मीटर की कवायद तो तेजी से आगे बढ़ाया जाए। ईज ऑफ लिविंग के लिए यह बहुत जरूरी है, जिससे सच्चे उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी।

पिछले साल से 17% अधिक राजस्व

अधिकारियों ने बताया कि बिजली सप्लाई के घंटों में बढ़ोतरी हुई है। भीषण गर्मी के बावजूद और केवल लोकल फॉल्ट को छोड़ दें तो 15 मार्च से सरकार 24 घंटे बिजली देने में सफल रही है। प्रदेश में कहीं भी बिजली की कमी नहीं हुई है। प्रदेश में 3.45 करोड़ बिजली कनेक्शन हैं। दो साल में 30 लाख कनेक्शन बढ़े। 2024 में अब तक 70 हजार करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

बिहार में बालू की बिक्री में सुधार के प्रयास

अवैध खनन करने वालों पर कसी नकेल 24 घंटे कैमरों से की जाएगी निगरानी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में बालू बिक्री की व्यवस्था में सुधार लाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री तथा खान एवं भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में पोर्टल के माध्यम से बालू की ऑनलाइन बिक्री की जाएगी। इसे एक से डेढ़ माह में शुरू किया जाएगा। फिलहाल एनजीटी के आदेश पर पूरे बिहार में बालू के खनन पर रोक लगाई है। लेकिन, कारोबारी किल्लत दिखाकर लोगों से ज्यादा कीमत नहीं वसूलें इसे लेकर सरकार सजग है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राज्यस्तरीय कंट्रोल एंड कमांड सेंटर का उद्घाटन किया। इसके जरिये सातों दिन 24 घंटे कैमरों से अवैध खनन, भंडार एवं परिवहन की सख्त निगरानी होगी। इस सेंटर से राज्य में अवैध खनन करने वाले माफियाओं पर नकेल कसेगा। वर्ष 2024-25 में 6095 छापेमारी और 43.44 करोड़ दंड की राशि की वसूली विभाग की उपलब्धि है। खनन विभाग को उद्योग के रूप में रोजगार सृजन केन्द्र बनाने के लिए अभियान शुरू होगा।

माफिया को चेताया

मंत्री सिन्हा ने कहा कि बालू माफियाओं को सुधरने का मौका दिया गया है, नहीं सुधरेंगे तो कार्रवाई की जाएगी। इनसे जुड़े पदाधिकारियों को विभाग से बाहर भी किया जाएगा। पहले भी मिलीभगत में कई अफसरों पर कार्रवाई की जा चुकी है। अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह ने कहा कि वृहत खनन को लेकर सर्वे कराया जा रहा है। तीन ब्लॉक में खनन को लेकर तीन माह के अंदर टेंडर जारी हो जाएगा। इनमें जमुई में मैग्नेटाइड आयरन कोर, रोहतास के बंजारी स्थित घोड़कटरा में लाइम स्टोन एवं गया के इमामगंज शामिल है।

हेल्पलाइन नंबर जारी

मंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार में राजस्व को दोगुना करने का लक्ष्य है। कई सुधार के लिए नई नियमावली भी तैयार की जा रही है। कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के लिए हेल्पलाइन नंबर-0612 2215360 भी चालू किया गया है। राज्य के किसी भी हिस्से से लोग अवैध खनन, ओवरलोडिंग, परिवहन और भ्रष्टाचार के मामले में उक्त हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत कर सकेंगे।

पेज एक का शेष

5 एमओयू, 2 दस्तावेज...

की शुरुआत करने के लिए भी तैयार हैं। इसके अलावा संपूर्ण संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए भावी विजन का खाका तैयार करने पर बैठक में सहमति जताई गई है। कनेक्टिविटी, कॉमर्स और कॉलेब्रेशन जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा चर्चा में रोहिंग्या मुसलमानों की समस्या, बीते दिनों पश्चिम बंगाल में हुई बांग्लादेश के सांसद अनवरुल अनार की हत्या के मामले से लेकर तीस्ता व गंगा नदियों के जल बंटवारे के मामले पर भी विचार विमर्श किया गया। बांग्लादेशी सांसद की हत्या के मामले पर विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि भारत सरकार मामले पर बांग्लादेश को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। रोहिंग्या समस्या पर उन्होंने कहा कि इस मामले पर बैठक में चर्चा हुई। इसे लेकर पूर्व में अलग-अलग मंचों पर भी चर्चा की गई है। रोहिंग्या मामले पर भारत, बांग्लादेश को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

गंगा, तीस्ता नदी जल के लिए तकनीकी चर्चा: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों को 54 साझा नदियां जोड़ती हैं। इन्हें लेकर हम बाढ़ प्रबंधन, पूर्वानुमान और पीने के पानी से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर सहयोग करते हैं। आज की बैठक में हमने 1996 की गंगा नदी संधि के नवीनीकरण के लिए तकनीकी स्तर पर बातचीत शुरू करने का निर्णय लिया है। बांग्लादेश में तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन पर बातचीत के लिए भारत से जल्द ही एक तकनीक टीम बांग्लादेश का दौरा करेगी।

मजबूत होगा रक्षा सहयोग: उन्होंने कहा कि हमारी चर्चा में रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने, रक्षा उत्पादन से लेकर सैन्यबलों के आधुनिकीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। आतंकवाद से मुकाबले, कट्टरवाद और सीमा के शांतिपूर्ण प्रबंधन के मामलों पर दोनों देशों की सहभागिता को मजबूत करने का निश्चय लिया गया है। हिंद महासागर क्षेत्र के लिए हमारा विजन समान है। भारत हिंद-प्रशांत महासागर कदम में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के निर्णय का स्वागत करते हैं। बिम्सटेक सहित अन्य मंचों पर सहयोग जारी रखेंगे।

भारत का बड़ा विकास भागीदार: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत, बांग्लादेश का सबसे बड़ा विकास भागीदार है। हम बांग्लादेश के साथ संबंधों को प्राथमिकता देते हैं। मैं, बंगबंधु के स्थिर, समृद्ध और प्रगतिशील बांग्लादेश के विजन को साकार करने में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराता हूं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि हम साथ मिलकर विकसित भारत 2047 और स्मार्ट बांग्लादेश 2041 के संकल्पों को सिद्धि तक ले जाएंगे।

हसीना ने भारत को बताया को बताया खास साझीदार: बैठक के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत को अपना विशेष साझीदार बताते हुए कहा कि 2024 में नई सरकार के गठन के बाद की गई यह मेरी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा है। भारत हमारा विश्वसनीय मित्र और क्षेत्रिय साझीदार भी है। बंगलादेश, भारत संग अपने संबंधों को विशेष महत्व देता है। मैं दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और अधिक बढ़ावा देने के लिए पीएम मोदी को बांग्लादेश आने का निमंत्रण देती हूं। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार मुलाकात भी की।

रंगपुर में खुलेगा...

अनेक क्षेत्रों में बनी सहमति का लाभ दोनों देशों के युवाओं को मिलेगा। भारत-बांग्लादेश मैत्री सेटेलाइट दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देगी। बीते दस वर्षों में हमने 1965 से पहले की कनेक्टिविटी को बहाल किया है। अब हम अधिक डिजिटल और एनर्जी कनेक्टिविटी पर बल देंगे। इससे दोनों की अर्थव्यवस्थाओं को गति मिलेगी। आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए दोनों पक्ष सीमा पर बातचीत शुरू करने के लिए सहमत हैं। बांग्लादेश के सिराजगंज में एक इनलैंड कंटेनर डिपो के निर्माण के लिए भारत समर्थन देगा।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष...

आईआईटी कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (बीओजी) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. राधाकृष्णन कर रहे हैं। उनके अलावा सदस्य के रूप में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली (एम्स) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रणदीप गुलेरिया, केंद्रीय विश्वविद्यालय (हैदराबाद) के कुलाधिपति प्रो. बी.जे. राव, आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर एमेरिटस प्रो. राममूर्ति. के, पीपल स्ट्रांग एंड बोर्ड मेंबर (कर्मयोगी भारत) के सह-संस्थापक पंकज बंसल, आईआईटी दिल्ली के डीन (छात्रों के मामले) प्रो. आदित्य मित्तल और सदस्य सचिव के रूप में शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल शामिल हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने सीबीआई जांच के आदेश दिए: केंद्र सरकार ने स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट परीक्षा के आयोजन में अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों की सीबीआई जांच के आदेश शनिवार को दिए। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नीट परीक्षा के संबंध में कथित अनियमितताओं/ धोखाधड़ी/ प्रतिरूपण/ कदाचार के कुछ मामले सामने आए हैं और परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने समीक्षा के बाद मामले की व्यापक जांच के लिए सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है।

रेलवे प्लेटफॉर्म टिकट...

भी जीएसटी से छूट दी जा रही है। जीएसटी काउंसिल ने दूध के कैन पर 12 फीसदी के दर से टैक्स लगाने की सिफारिश की है। इसके अलावा काउंसिल ने सभी कार्टन बॉक्स पर 12 फीसदी की दर निर्धारित की है। सभी सोलर कुकर पर भी 12% जीएसटी दर लागू होगी। साथ ही फायर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर भी 12 फीसदी जीएसटी की दर लागू होगी। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि फेक इनवॉइस पर रोक लगाने के लिए चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन लागू किया जाएगा। सीतारमण ने साफ किया कि केंद्र सरकार का इरादा पेट्रोल, डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का है। इसके लिए किसी संशोधन की जरूरत नहीं है।

ब्याज और जुर्माना होगा माफ: केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि काउंसिल ने जीएसटी एक्ट की सेक्शन 73 के तहत जारी किए गए डिमांड नोटिसों पर ब्याज और जुर्माना माफ करने की सिफारिश की है, जिसमें धोखाधड़ी, दमन या गलत बयानी से जुड़े मामले शामिल नहीं हैं।

छोटे किसानों के...

मिलकर कोई ऐसा रोडमैप बना लें, जिस पर चलकर न केवल भारतीय कृषि और किसान का कल्याण हो सके, बल्कि हम भारत को दुनिया का फूड बास्केट बना दें, दुनिया को अन्न खिलाएं, निर्यात करें। उन्होंने भारत को दलहन और तिलहन में आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कृषि के परिदृश्य को पूरी तरह से बदलना मेरी जिद है। मैं किसान और विज्ञान को जोड़ना चाहता हूं। किसान को हमें विज्ञान से जोड़ना है और इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्र बहुत उपयोगी है। इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ. आर.एस. परोदा पूर्व महानिदेशक आइसीएआर, डॉ. रमेशचंद सदस्य नीति आयोग और डॉ. हिमांशु पाठक सचिव डीएआरइ और महानिदेशक आइसीएआर ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। डॉ. परोदा ने कहा कि हमें किसानों के साथ मिलकर नई तकनीकों का परीक्षण और कार्यान्वयन करना होगा, जिससे उनकी पैदावार और आय में वृद्धि हो।

भाजपा ने अवैध शराब...

प्रभावित 253 लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है, जबकि 53 की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य सरकार के आबकारी मंत्री मुत्तुस्वामी से तुरंत इस्तीफा देने की मांग करती है। एंटनी ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया और पाया कि ज्यादातर लोग अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखते हैं। वहां की स्थानीय जिलाधिकारी का ये कहना कि मौतें संदिग्ध वजह से हुई, मामले को छुपाने जैसा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि मौत पर एक्शन लेने के बजाय राज्य की सरकार दोषियों को बचाने का प्रयास हो रही है। पूनावाला ने कहा कि 53 तमिल लोगों की असमय मौत देखकर आज शर्म और आक्रोश से सिर झुक जाता है। उन्होंने कहा कि करुणापुरम के दलित समुदाय के इन यूथ, बुजुर्ग लोगों की मौत के लिए राज्य की डीएमके सरकार पूरी तरह जिम्मेदार है। गैरकानूनी और जहरीली शराब से आम लोगों की मौत हुई है। पूनावाला ने कहा कि इस मौत पर एक्शन लेने के बजाय राज्य की सरकार दोषियों को बचाने का प्रयास कर रही है। जहरीली शराब के इन कारोबारियों का सीधा संबंध डीएमके सरकार से है, जो लोगों की जिंदगी से खेल रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि ये डीएमके स्पॉन्सर मर्डर है। उन्होंने सवाल किया कि क्या 10 लाख रुपया मुआवजा इन दलित समुदाय के लोगों के जीवन की कीमत है? उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में इंडिया एलायंस के सभी दलों ने चुप्पी क्यों साध रखी है? इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से होनी चाहिए और आबकारी मंत्री का इस्तीफा तुरंत होना चाहिए।

मायावती ने भतीजे...

आनंद फिर से सक्रिय राजनीति में नजर आएंगे और पार्टी के लिए प्रचार करेंगे। यहां ध्यान रखने वाली बात ये है कि अभी तक उनको पार्टी में कोई पद नहीं दिया गया है लेकिन पंजाब और उत्तराखंड में स्टार प्रचारक बनाया गया है। मायावती के इस निर्णय को लेकर पार्टी में भी चर्चा है। पार्टी पदाधिकारियों का मानना है कि आकाश को देर-सबेर सक्रिय राजनीति में आना ही है और वे ही आने वाले समय में बसपा की बागडोर संभालेंगे। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव से पहले मायावती ने आकाश को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया था। लोकसभा चुनाव शुरू हुए तो आकाश आनंद ने एक के बाद एक रैलियां शुरू कर दीं। आक्रामक तरीके से चुनाव प्रचार में जुटे आकाश आनंद ने हरदोई में एक रैली में भाजपा नेताओं के खिलाफ विवादित बयान दिया, इस पर भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से उनके खिलाफ एफआईआर करा दी गई। इसके बाद ही उनकी रैलियां बंद कर दी गईं। लोकसभा चुनाव के बीच में ही 7 मई को मायावती ने आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी और राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर के पद से हटा दिया था। आकाश आनंद राजनीतिक सफर सात साल पहले शुरू हुआ था। उनकी सबसे पहले राजनीति में एंट्री 2017 में हुई थी। मायावती ने शुरुआत में कुछ बैठकों में शामिल कर उनका परिचय करवाया। उसके बाद उनको राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर बनाया और यूपी से बाहर कई राज्यों में उनको विधान सभा चुनाव का जिम्मा दिया गया था। बसपा के भीतर आकाश आनंद को नंबर दो की हैसियत से पार्टी कैडर देखता रहा है।

प्याज की बढ़ती कीमतों...

पिछले वर्ष इसी अवधि में 74,071 टन प्याज खरीदा गया था। अधिकारी ने कहा कि इस वर्ष मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए प्याज खरीद की गति पिछले वर्ष के बराबर है। हालांकि, रबी उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि सरकार मूल्य स्थिरीकरण के लिए पांच लाख टन की खरीद का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

यात्रा के दोनों मार्गों...

यात्रा से जुड़े श्रीनगर और बालटाल वाले दोनों अहम मार्गों पर भारतीय सेना की दो अतिरिक्त बटालियन पूरी मुस्तैदी से तैनात हो गई हैं। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सेना की यह दोनों बटालियन अमरनाथ यात्रा के चप्पे-चप्पे की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए तैनात की गई हैं। इनमें कुल करीब 2 हजार जवान शामिल हैं यानी प्रत्येक बटालियन में एक-एक हजार जवान।

65 हजार तीर्थ यात्रा करेंगे यात्रा: इस वर्ष अमरनाथ यात्रा के लिए कुल 65 हजार श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है। इनमें आधे से अधिक यानी 60 फीसदी पुरुष और 40 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। तीर्थयात्रियों का पहला जत्था करीब 25 जून को अमरनाथ गुफा के लिए निकलेगा। पिछले साल 2023 में 4.50 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

यूं रहेगी दोनों पर...

आगे 125 जवानों की एक कंपनी पिस्सू टॉप पर, एक कंपनी शेषनाग पर, एक कंपनी पोषपत्थर और एक एमजी टॉप पर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही है। जबकि बालटाल से पंचतरणी-गुफा वाले मार्ग पर दूसरी बटालियन की कंपनियां सुरक्षा का जिम्मा

मौलाना अरशद मदनी बोले

मॉब लिंचिंग पर संसद में लाया जाए कड़ा कानून

लखनऊ। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने छत्तीसगढ़ और अलीगढ़ में हुई मॉब लिंचिंग की घटनाओं पर गहरा दुख और सख्त गुस्सा प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कड़े निर्देश के बावजूद इस प्रकार की दुखद घटनाओं का सिलसिला रुक नहीं रहा है। जबकि 17 जुलाई 2018 को इस प्रकार की घटनाओं पर क्रोध व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि कोई व्यक्ति कानून को अपने हाथ में नहीं ले सकता। इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र को अलग से कानून बनाने का निर्देश दिया था। अब अगर इसके बाद भी इस प्रकार की अमानवीय घटनाएं हो रही हैं तो इसका साफ मतलब है कि जो लोग ऐसा कर रहे हैं, उन्हें कानून का कोई भय नहीं है। उन्हें यह भी विश्वास है कि अगर पकड़े भी गए तो उनका कुछ नहीं होने वाला, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी अलग से कोई कानून नहीं लाया गया। कुछ राज्यों को छोड़कर किसी ने भी भीड़ द्वारा हिंसा के खिलाफ कानून नहीं बनाया। मदनी ने कहा कि भीड़ द्वारा हिंसा सामाजिक नहीं, एक राजनीतिक समस्या है और इसे राजनीतिक रूप से ही हल किया जा सकता है। इसलिए अब समय आ गया है कि स्वयं को धर्मनिरपेक्ष कहने वाले दल इसके खिलाफ खुल कर मैदान में आएं और भीड़ द्वारा हिंसा के खिलाफ कानून बनाने के लिए सरकार पर दबाव डालें।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज पर टिकी होती है हमारी भविष्य की जिंदगी

यह सही है कि भविष्य में कुछ भी निश्चित नहीं लेकिन आने वाले कल का बहुत कुछ ऐसा होता है, जिसे हम आज ही निर्धारित कर सकते हैं। वो कौन-सी प्रवृत्तियां हैं, कौन-सी स्वभावगत विशेषताएं हैं, जिनमें बदलाव लाना या जिन्हें सही दिशा देना जरूरी है, इस बारे में जानकर हम निश्चित ही आने वाले जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

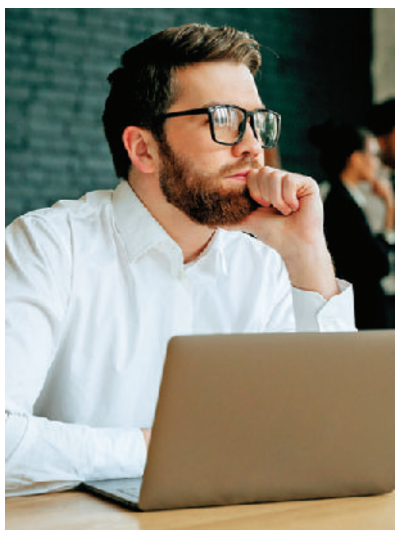

आपको अगर अपने उगाए पेड़ों से आम, अमरूद, नीबू, केला, टमाटर या कोई भी फल सब्जी खानी है तो उसे कब उगाएंगे? जाहिर है, आप जब भी इन्हें उगाएंगे उसके कुछ दिनों, हफ्तों, महीनों या बरसों बाद आपको अपेक्षित फल मिलेंगे। ठीक इसी प्रकार आपको अपना भविष्य उज्ज्वल, खुशहाल, सहज और सुविधाजनक चाहिए तो उसके लिए कुछ कोशिशें आज से ही शुरू करनी होंगी। इन कोशिशों में आपके नजरिए, स्वभाव और आदतों में परिवर्तन भी शामिल है।

करें भविष्य का आकलन

हालांकि जीवन और दुनिया परिवर्तनशील और अनिश्चित है लेकिन इसमें कुछ चीजें कभी नहीं बदलेंगी। जैसे लोगों का स्वभाव, खान-पान संबंधी मूल आदतें, मानवीय गुण-दोष। इन्हीं के आधार पर भविष्य के लिए अपने प्रोफेशनल या कारोबारी निर्णय लें। मॉर्गन हाउसेल ने अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'सेम एज एवर' में लिखा है, 2050 में दुनिया चाहे जैसी हो, लोग तब भी लाभ, भय, अवसर, शोषण, जोखिम, अनिश्चितता, जुड़ाव से संचालित होंगे, जैसे आज होते हैं। तब भी हर कोई सुरक्षित भविष्य चाहेगा, आशंकाओं से घबराएगा और खाने में कुछ चीजें तब भी लगभग हर कोई खाएगा।' शायद यही कारण है कि वारेन बफेट जैसा बड़ा उद्यमी बीमा कंपनियों, बबलगम, टोमेटो केचप जैसी ट्रेडिशनल कंपनियों में निवेश करते रहे हैं।

रखें स्पष्ट-तार्किक सोच

हमें जीवन में रोजाना कुछ छोटे-बड़े निर्णय लेने पड़ते हैं। इन्हीं के सही गलत होने पर हमारे भविष्य का पूरा दारोमदार होता है। अगर हम अपनी निर्णय क्षमता को स्पष्ट और तार्किक बनाना सीख लें तो हमारा आने वाला कल निश्चित रूप से अच्छा ही होगा। सही निर्णय लेने की कला स्कूली पढ़ाई से नहीं बल्कि अच्छे लोगों की सलाह, जीवन के अनुभवों और व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करती है। सबसे पहले आपको उन क्षणों को पहचानना सीखना चाहिए, जो आपके जीवन को बदलने में सक्षम हैं। किसी भी घटना, स्थिति या व्यक्ति के व्यवहार पर बिना सोचे त्वरित प्रतिक्रिया न दें। बल्कि सोच-समझ कर तर्क के आधार पर निर्णय लें। भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विवेक से काम लें।

विश्वास और शत्रुता सीमित हो

आपने कई पौराणिक, ऐतिहासिक कथाएं पढ़ी होंगी। अपने परिवार या आस-पास के उदाहरण देखे होंगे और हो सकता है कभी आपको भी अनुभव प्राप्त हुआ हो कि किसी भी व्यक्ति से शत्रुता खतरनाक स्तर पर पहुंच जाए तो मानसिक अशांति के साथ-साथ जान से हाथ धो बैठने और भारी आर्थिक नुकसान होने का जोखिम बढ़ जाता है। ठीक इसी प्रकार जब हम किसी को अपना परम मित्र और हितैषी मानकर उसे अपनी जिंदगी का हर छोटा-बड़ा राज बता देते हैं और जरूरत से ज्यादा विश्वास करने लगते हैं तो कभी-कभार हमें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसा ना हो इसके लिए किसी से अत्यधिक शत्रुता या किसी पर अंधविश्वास करने से बचना चाहिए।

धोखाधड़ी-शॉर्टकट से बचें

कई बार हम क्षणिक सुख प्राप्त करने के लिए कोई ऐसी बड़ी गलती कर बैठते हैं, जिसके लिए हमें जीवन भर पछताना पड़ता है। अवैध संबंध, ठगी, चोरी, लूट, ईर्ष्या, किसी का अहित करना या धोखा देकर, नकल करके आगे बढ़ना ऐसे काम हैं, जिनका अंतिम नतीजा सदैव दुखदायी ही होता है। आप ऐसी खबरें देखते, सुनते या पढ़ते होंगे कि कोई बाहुबली, बड़ा राजनीतिज्ञ या अत्यधिक अमीर व्यक्ति भी अर्श से फर्श पर आ जाता है। इस संदर्भ में अब्राहम लिंकन के एक पत्र का सारांश पठनीय है, जो उन्होंने अपने बेटे के स्कूल टीचर को लिखा था। उन्होंने लिखा था, 'आदरणीय टीचर, आप मेरे बेटे को सिखाएं कि मेहनत से कमाया हुआ एक डॉलर सड़क पर पड़े मिलने वाले पांच डॉलर से ज्यादा कीमती होता है। वह दूसरों से ईर्ष्या की भावना मन में ना लाए। मुझे उम्मीद है कि आप उसे बताएंगे कि दूसरों को धमकाना और डराना अच्छी बात नहीं है। नकल करके पास होने से फेल होना ज्यादा अच्छा है। आप उसे सिखाएं कि हर दुश्मन में दोस्त बनने की संभावना भी होती है। इसलिए संयमित व्यवहार करे।'

ये सीखें बेहतर जीवन की चाहत रखने वाले हर किसी के लिए उपयोगी हैं। इसलिए बेहतर और खुशहाल जीवन के लिए इसके सभी पहलुओं का संतुलन साधना बहुत जरूरी है। *

सीखें लाइफ को बैलेंस करना

अगर आप अपने जीवन में अच्छे-बुरे कामों, नतीजों, अपने क्रिया-कलापों पर नजर नहीं रखते हैं तो जीवन की गति बेलगाम घोड़े या ड्राइवर विहीन कार जैसी होगी। जाहिर है, इसके दुष्परिणाम आपको ही भोगने होंगे। जीवन में संतुलन बेहद जरूरी है। काम के साथ स्वास्थ्य, विश्राम, संबंधों और परिवार पर भी ध्यान देना जरूरी है। कोका-कोला के पूर्व सीईओ ब्रायन डायन ने कॉर्पोरेट करियर में 40 साल बिताने के बाद एक स्पीच में कहा था कि काम पर समय से पहुंचें। तल्लीन होकर काम करें लेकिन घर पर भी समय से पहुंचे। हम जीवन में पांच गेंदों की जग्लिंग करते हैं। पहली गेंद काम, दूसरी परिवार, तीसरी स्वास्थ्य, चौथी दोस्ती और पांचवीं गेंद उत्साह से जुड़ी हुई है। काम-काज की गेंद रबड़ की तरह है। यह हाथ से छूट गई तो दोबारा आ सकती है। लेकिन बाकी गेंदें कांच की तरह होती हैं। ये एक बार हाथ से छूटीं तो टूट जाएंगी। पैसा और प्रोफेशन महत्वपूर्ण है लेकिन सब कुछ यही नहीं है। इसलिए परिवार की महत्ता को पूरी तरजीह दें।

पुरुष भी जरूर करें अपनी हेल्थ केयर

परिवार के अन्य सदस्यों की हेल्थ का पूरा ध्यान रखने वाले पुरुष सदस्य अकसर अपनी हेल्थ पर ध्यान नहीं देते हैं। सभी पुरुषों को अपनी हेल्थ के प्रति अवेयर करने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए 'मेंस हेल्थ मंथ (जून)' इंस्पायर करता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जून महीना पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर सजगता लाने से जुड़ा है। इस माह को 'मेंस हेल्थ मंथ' के रूप में मनाया जाता है। यह महीना, पुरुषों की हेल्थ प्रॉब्लम्स को लेकर जागरूक होने को समर्पित है।

पारिवारिक सदस्यों की जिम्मेदारी: परिवार में पिता, दादा, भाई या किसी भी अन्य रिश्ते के रूप में रहने वाले पुरुष सदस्य अगर अपनी सेहत का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो परिवार के अन्य सदस्यों की यह जिम्मेदारी है, वे उन्हें अपनी हेल्थ को लेकर अवेयर करें। कई तरह की भाग-दौड़ के बावजूद अपनों का स्वास्थ्य सहेजने वाली आपा-धापी में उलझे रहने वाले बाबा, पापा, चाचा या भाई को भी उनकी परेशानियों को समझने वाला साथ चाहिए होता है। उनका हाथ थामकर डॉक्टर के पास तक ले जाने और दवा खिलाने के लिए परिवार के सदस्य समय जरूर निकालें, उनकी तकलीफों को लेकर संवेदनशील बनें।

स्वास्थ्य की अनदेखी: अध्ययन बताते हैं कि पुरुषों की प्राइमरी हेल्थ केयर के लिए चिकित्सक के पास जाने की प्रवृत्ति कम होती है। इसी वजह से पुरुषों में हृदय रोग, कैंसर और दुर्घटना में लगी चोटें, उनका जीवन छीनने के तीन प्रमुख कारणों में से एक बनकर सामने आई हैं। इतना ही नहीं पोस्टपार्टम डिप्रेशन जैसी समस्या महिलाएं ही नहीं पुरुष भी झेलते हैं। उम्र के साथ हार्मोनल बदलावों से जुड़ी परेशानियां पुरुषों के भी हिस्से आती हैं। पैरेंटिंग की यात्रा के उतार-चढ़ाव में पिता भी साझीदार होते हैं। उनकी मनःस्थिति भी बदलती है। कई तरह की चिंताएं उन्हें भी आ घेरती हैं। बावजूद इसके यह जिम्मेदारी निभाने के आयुवर्ग में अधिकतर पुरुष अपनी हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं रहते। अपनों की संभाल का जिम्मा उठाने वाले पिता, पति और बेटे खुद अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को सीरियसली नहीं लेते। मन ही मन बहुत सी परेशानियों से जूझते रहते हैं। अपनी तकलीफें बताने के बजाय अपनों की परेशानियों का हल निकालने में जुटे रहते हैं। ऐसे में घर की महिला सदस्य और बच्चे अपने पति, पिता और दादाजी को खुद की देखभाल के लिए प्रेरित भी कर सकते हैं और स्नेह भरा दबाव भी बना सकते हैं। अपने स्वास्थ्य की अनदेखी करने के इस बर्ताव के खिलाफ प्यारी सी जिद ठान सकते हैं। घर के पुरुष सदस्य, अपने बच्चों की बात नहीं टाल पाते हैं।

स्नेह-साथ आवश्यक: हमारे सोशल सिस्टम में बहुत सहजता से यह मान लिया जाता है कि घर के पुरुष सदस्यों को साथ, स्नेह और संवेदनशील बर्ताव की दरकार है ही नहीं। खासकर उस आयुवर्ग में जब वे अपनी जिम्मेदारियां संभालने योग्य हो जाते हैं। पिता, पति और बेटे के रूप में परिजनों के लिए हर मोर्चे पर भागम-भाग करने लगते हैं। ऐसे में बड़े होते बच्चों का अपने पिता के प्रति जुड़ाव ही संबल बन सकता है। शारीरिक स्वास्थ्य सहेजने के लिए ही नहीं भावनात्मक मजबूती के मोर्चे पर भी यह स्नेह भरा साथ बहुत आवश्यक है।

अपनों की भूमिका अहम: पुरुषों की सेहत से जुड़ी चिंताओं के प्रति अवेयरनेस लाने और बहुत सी स्वास्थ्य समस्याओं की तरफ ध्यान लाने और उसे बेहतर तरीके से प्रबंधित करने के लिए तय किया गया यह विशेष वार्षिक आयोजन (मेंस हेल्थ मंथ) वाकई अहम है। इस दौरान चलाए जाने वाले जागरूकता अभियान, यह भी बताते हैं कि घर के पुरुष मेंबर की हेल्थ संभालने के लिए अपनों की सक्रियता बेहद जरूरी है। अमेरिकी लेखक, राजनीतिज्ञ और डिप्लोमैट बिल रिचर्डसन ने कहा था कि पुरुषों की स्वास्थ्य समस्याओं को पहचानना और उन्हें रोकना केवल पुरुषों का मामला नहीं है। इसका असर पत्नियों, माताओं, बेटियों और बहनों पर भी पड़ता है। इससे स्पष्ट होता है कि पुरुषों का स्वास्थ्य वास्तव में एक व्यक्ति का नहीं पारिवारिक मुद्दा है। इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इससे परिवार में खुशहाली आती है। *

प्रिकॉशन
बाल मुकुंद ओझा

खेलों को बच्चों के मानसिक विकास के लिए जरूरी माना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में गेमिंग जोन और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते ट्रेंड से बच्चों में कई हेल्थ प्रॉब्लम्स सामने आने लगी हैं। ऐसे में पैरेंट्स को एलर्ट होने की जरूरत है।

गेमिंग जोन में खोए बच्चे

बच्चों के लिए बनाए जाने वाले गेमिंग जोन को लेकर इस समय पूरे देश में खासी चर्चा हो रही है। सवाल है, आखिर ये गेम जोन है क्या? इसका चलन देश और विदेशों में इतना क्यों बढ़ने लगा है?

विदेश से आया ट्रेंड: गेमिंग जोन की शुरुआत विदेशों में बहुत पहले हो चुकी थी। समय के साथ अन्य तकनीकों की तरह भारत के छोटे-बड़े शहरों में इसका भी विस्तार होने लगा है। गेमिंग जोन एक ऐसी जगह होती है, जहां लोग गेम खेल सकते हैं। इसे अलग-अलग तरह के गेम्स के लिए डिजाइन किया जाता है। भारत में गेमिंग जोन की लोकप्रियता बढ़ रही है। देश में लगभग हर बड़े शहर और मेट्रो सिटीज में आपको गेमिंग जोन मिल जाएंगे।

कैसे होते हैं गेमिंग जोन: गेमिंग जोंस में वीडियो गेम्स खेलने के लिए विशेष रूप से गेम्स डिजाइन किए जाते हैं। यह एक अलग क्षेत्र होता है, जो स्पेशल गेमिंग उपकरणों से तैयार किया जाता है। गेमिंग जोन के गेम्स में प्लेयर्स को अधिक तेज और रोमांचक गेमिंग अनुभव प्राप्त करने के लिए स्पेशल फीचर्स डाले जाते हैं।

बच्चे करते हैं पसंद: बच्चों को गेमिंग जोन काफी पसंद आते हैं। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों से बच्चों में इंडोर वीडियो गेम और फोन पर गेम्स खेलने की आदत काफी बढ़ गई है। कई मामलों में तो बच्चों को गेम की लत भी लग जाती है और वो चाहकर भी गेम खेलना छोड़ नहीं पाते। इसी तर्ज पर बनाए गए गेम्स जोन, बच्चों को खूब लुभाते हैं। यही वजह है कि छुट्टी के दिनों पर तो मॉल्स में बनाए गए गेमिंग जोन में बच्चों की काफी भीड़ रहती है। बच्चों को इस तरह के गेम्स खेलने में बहुत मजा आता है। इससे उनके शरीर में डोपामाइन नामक केमिकल ज्यादा रिलीज होता है। डोपामाइन एक न्यूरो ट्रांसमीटर है, जो हमारे शरीर के दिमाग को रोमांच, संतुष्टि और खुशी महसूस कराता है। इस वजह से बच्चे ऐसे गेम ज्यादा खेलते है।

बच्चों की हेल्थ पर बुरा प्रभाव: ऑनलाइन गेम्स हों, इंडोर गेम्स या गेमिंग जोन के गेम्स, इनकी लत बच्चों की मेंटल हेल्थ पर बैड इफेक्ट डाल सकती है। इससे बच्चों में डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बीते कुछ सालों से इस तरह के कई मामले भी सामने आए हैं, जिसमें गेम की लत ने बच्चों की मानसिक सेहत को प्रभावित किया है। उन्होंने अपने घर की चीजों, सदस्यों या दोस्तों को नुकसान भी पहुंचाया है। ऐसे गेम्स से बच्चों में हिंसक सोच भी बढ़ती है। खराब मेंटल हेल्थ के चलते बच्चों की पढ़ाई और प्रदर्शन प्रभावित होता है। ऐसे गेम्स की लत में बच्चों की मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ भी बिगड़ती है।

पैरेंट्स ना करें लापरवाही: अपने बच्चों को मोबाइल, कंप्यूटर और गेम जोन में खेलते देखकर कई माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते कि उनका बच्चा डिजिटल दुनिया के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। लेकिन शायद वे इस बात से अनजान हैं कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं, वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। इसलिए अगर आपके बच्चे भी ऐसे गेमिंग जोन में या ऑनलाइन गेमिंग में अकसर या बहुत ज्यादा समय बिताते हैं तो बिना देर किए आपको इस पर गहनता से विचार करने की जरूरत है। आपका बच्चा ऐसे गेम्स का एडिक्ट हो जाए, उससे पहले ही आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। ऐसा न हो कि आपके बच्चे का बचपन गेमिंग जोन के चमक-दमक वाले मायाजाल में कहीं खो जाए। इसलिए इस लत से छुटकारा दिलाने के लिए पहले अपने स्तर पर प्यार से समझाने का प्रयास करें। जरूरत हो तो चाइल्ड काउंसलर या साइकोलॉजिस्ट की मदद भी ले सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

गहन सामाजिक विमर्श

जगमोहन सिंह राजपूत शिक्षाविद तो हैं ही, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों के विचारक भी हैं। हाल में आई पुस्तक 'भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं (व्यग्रता, उग्रता और समग्रता)' में उनके कई विचारोत्तेजक लेख संकलित हैं। यहां पर लेखक ने कई ऐसी समस्याओं पर विचार किया है, जो केवल एक देश-समाज के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। आज आतंकवाद, सांप्रदायिक उन्माद, असहनशीलता और संवेदनहीनता जैसी समस्याओं का सामना संपूर्ण मानव समाज कर रहा है। ये ऐसी समस्याएं हैं, जिनके निवारण के बिना हम एक सभ्य समाज, विकासोन्मुख देश और बेहतर दुनिया की उम्मीद नहीं कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इन समस्याओं के मूल कारणों, इनके दुष्परिणामों पर ही नहीं, उनके समाधान के रास्तों पर भी लेखक ने इन लेखों में गहनता से विचार किया है। *

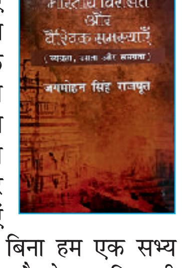

पुस्तक: भारतीय विरासत और वैश्विक समस्याएं, **लेखक:** जगमोहन सिंह राजपूत, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

तपती दुपहरी

भीषण गर्मी की तपती दुपहरी थी। घर से बाहर निकलते लगता कि आदमी बेहोश होकर गिर जाएगा। धरती पर कण-कण तप रहा था। लेकिन बुलकिया को दम मारने की भी फुरसत नहीं थी। वह सुबह से ही लगी हुई थी। जल्दी-जल्दी ईंटे ढो रही थी। यह सोचती, बस एक खेप और...बस एक खेप और... फिर बच्चे को दूध पिला आएगी। बीच-बीच में बच्चा उठता, थोड़ी देर रोता फिर सो जाता। भीषण लू चल रही थी। पेट की बात नहीं होती तो बुलकिया निकलती भी नहीं। उसने कनखियों से बच्चे कजरा की ओर देखा। वह बस साल भर का था, नीम के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। पेड़ अब ठूंठ ही बचा था। पेड़ की शाखों पर नाम मात्र की पत्तियां ही बची थीं। बुलकिया को तेज भूख लग आई थी, लेकिन वह ईंटों को ढोने में लगी हुई थी। आधी दोपहर निकल गई थी। वह भी बेचारी क्या करे? उसका आदमी रामसूरतवा डेढ़ साल हुए पैसा कमाने पहले विदेश चला गया था। बैंक के दलालों की मदद से किसी तरह पैसा कर्जा लेकर वह दुबई गया था, लेकिन वह घर नहीं लौटा। दुबई में कहीं टावर पर चढ़कर काम कर रहा था। एक बार नीचे गिरा तो उठ ना सका। बुलकिया अपने पति की लाश भी नहीं देख पाई थी। बैंक से दो लाख का कर्जा लेकर गया था पति, साल भर से वह उसका मय ब्याज चुका रही है। रामसूरतवा अपने पीछे दो बच्चे छोड़ गया है- मिंटुआ और कजरा। मिंटुआ तो खैर बड़ा हो गया है। बड़ा भी भला क्या हुआ है, चौदह साल का है। अट्ठारह घंटे चूड़ी फैक्ट्री में काम करता है। तब जाकर वो पांच हजार कमा पाता है। उसकी कमाई से ही घर चलता है।

पेड़ के नीचे कजरा बहुत देर से लेटा था। धूप की किरणें कांच की किरचों की तरह उसके बदन पर चुभ रही थीं। अचानक से वह जोर-जोर से रोने लगा। सुरेखवा से नहीं रहा गया तो चिल्लाई, 'अरे बहन! सुबह से ही बच्चे को धूप में सुला रखा है। कम-से-कम उसे छाया में तो लिटा, उसे कुछ खिला-पिला दे। तू भी तो कुछ खा-पी ले। इतनी धूप में क्यों काम कर रही है? थोड़ा सुस्ता ले बहन। काहे जान देने पर तुली है? बचेगी तो तभी काम करेगी, जा कुछ खा ले। यहां तो ऐसे लोग हैं, जो ठंडे एसी कमरों में पड़े हुए हैं।

एक हमारा नसीब है, धूप और लू में भी काम करना पड़ रहा है। सब अपने-अपने भाग्य की बात है।' तभी रामानंद ठेकेदार उधर से गुजरा, उसने भी टोका, 'ऐ, बुलकिया, तुझे और तेरे बच्चे को धूप नहीं लग रही है क्या? जा थोड़ा सुस्ता ले।'

बुलकिया के मन में आया कह दे, 'बाबू, भूख के आगे धूप कहां लगती है।' लेकिन उसे लगा उसकी आवाज को लकवा मार गया है। *

-महेश कुमार केशरी

प्यासा कौआ

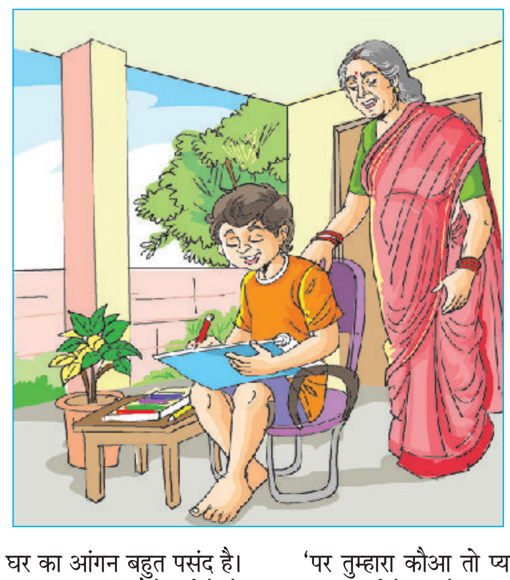

ओह कैसी गर्मी है? दो-चार रोटियां बनाने में जी घबरा गया। ये सिल्लो भी कितनी छुट्टी करती है और नलों का भी यही हाल है। सारे बर्तन खाली पड़े हैं। सूखे नल ही हुड़हुड़ा रहे हैं।' पसीना पोंछते हुए गर्मी को कोसते हुए वह किचन से बाहर निकल आईं। सामने उन्हें अपना पौत्र दिखाई दिया, 'अरे बंटू! इतनी गर्मी में तुम यहां बैठे हो?'

आंगन में रखी अपनी छोटी कुर्सी पर बैठा हुआ, अपनी ही धुन में ड्राइंग कॉपी में अपने नन्हे-नन्हे हाथ से कुछ बना रहा था। बंटू को भी उसकी ही तरह घर का आंगन बहुत पसंद है। गमलों में मुस्कुराते एक से एक सजावटी पौधे, कोने में पारिजात के पेड़ पर टंगी घंटियां और एक विशिष्ट सजावट मन को सुकून से भर देता है यह आंगन। उन्होंने बंटू से कहा, 'इस गर्मी में बाहर बैठे हो! चलो अंदर चलो।'

बंटू ने बताया, 'दादी मैं ड्राइंग बना रहा हूं।'

उन्होंने कॉपी में झांक कर देखा पेड़, पौधे चिड़ियां, लाल-पीले फूल, तितलियां और आसमान में बादल, झरती वर्षा की बूंदें, वहीं दूसरी ओर खाली मटका, मटके के पास एक मृत कौआ।

'यह क्या बंटू?' उन्होंने पूछा।

'दादी कल आपने कहानी सुनाई थी न, कौए को कहीं भी पानी नहीं मिला, सब जगह सूखा ही सूखा। कहीं भी पानी की एक बूंद भी नहीं और कौआ प्यासा ही मर गया।' बंटू की आवाज में एक पीड़ा थी।

वह आगे भी बोला, 'देखो दादी, मैंने पेड़, लगाए हैं, उससे बादल आए, बारिश आई और यह नदी! देखो नदी में कितना सारा पानी है।' उन्होंने देखा बंटू के मुख और स्वर से खुशी फूट रही थी।

'पर तुम्हारा कौआ तो प्यासा ही मर गया। अब क्या फायदा?' उन्होंने बंटू से पूछा।

'दादी देखो! दूसरा कौआ तो आकाश में उड़ रहा है न।' वह बोला।

न जाने क्यों निगाहें अपने आप ही आसमान की ओर उठ गईं। उफ्फ! आग उगलते आसमां में एक भी परिंदा न दिखा। पर उन्होंने मिट्टी के खाली सकोरों को पानी से लबालब जरूर भर दिया। *

-यशोधरा भटनागर

बलिदान दिवस

1953 में जनसंघ के पहले अधिवेशन में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध करते हुए कहा था कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे। डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि दुनिया को यह पता होना चाहिए कि भारत महज एक थ्योरी या परिकल्पना नहीं है, बल्कि एक यथार्थ है, एक ऐसा देश जहां हिंदू, मुसलमान, ईसाई और सभी बिरादरी के लोग बगैर किसी भय के समान अधिकारों के साथ रह सकेंगे। यही हमारा संविधान है, जिसे हमने बनाया है और पूरी शिद्दत, निष्ठा और ताकत से लागू करने जा रहे हैं। डॉ. मुखर्जी मानते थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे।

डॉ. मुखर्जी : निष्काम, निस्वार्थ, निष्कपट राज-योगी

जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान (झंडा) के विरोध में सबसे पहले आवाज उठाने वाले भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज बलिदान दिवस है। कश्मीर से विरोधाभासी प्रावधानों की समाप्ति के लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया, लेकिन चाहकर भी उनका यह स्वप्न उनके जीते जी पूरा नहीं हो पाया और रहस्यमय परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनकी मृत्यु हो गई। उनका यह स्वप्न स्वतंत्रता प्राप्ति के 70 वर्ष बाद तब पूरा हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अगस्त 2019 में संसद में संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35ए को समाप्त करने का बिल पारित कराया। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व का समग्र विश्लेषण उन्हें उन युग-पुरुषों में स्थापित करता है, जो वर्तमान की दहलीज पर बैठकर भविष्य की सामाजिक और राजनीतिक गणनाओं का आंकलन करने में समर्थ थे।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी बंगाली भद्रलोक के ऐसे प्रभावशाली परिवार में जन्मे थे, जो उस समय बंगाल में अपनी बौद्धिकता के लिए विख्यात था। मात्र 33 साल की उम्र में डॉ. मुखर्जी कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। इतनी कम उम्र में कुलपति बनने वाले वो पहले भारतीय थे। मुस्लिम लीग सुनियोजित तरीके से ब्रिटिश-शासन की मदद से भारत के पूर्वी हिस्सों में हिंदुओं को हाशिए पर ढकेल रही थी। डॉ. मुखर्जी ने संकल्प लिया था कि मुस्लिम लीग की कट्टरता के खिलाफ वो हिंदू-समाज को जागृत करेंगे। इसी के मद्देनजर उन्होंने बंगाल में सक्रिय कृषक प्रजा पार्टी के प्रमुख फजल-उल-हक और बंगला के जाने-माने महाकवि काजी नजरूल इस्लाम के साथ इस काम को आगे बढ़ाया।

1939 में वो हिंदू महासभा के अध्यक्ष बन गए। उन्होंने घोषणा की कि संयुक्त भारत के लिए तत्काल समग्र स्वतंत्रता हासिल करना हिंदू महासभा का मूल उद्देश्य है। हिंदू महासभा में शामिल होने के बाद जब डॉ. मुखर्जी गांधी जी से मिलने पहुंचे, तो गांधीजी ने उनसे कहा था कि सरदार

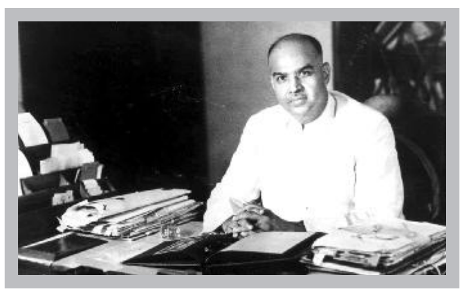

पटेल हिंदू मनोमस्तिष्क से ओतप्रोत कांग्रेसमैन हैं, आप हिंदू महासभाई हो, जिसका ह्दय कांग्रेस का है। यही देश के हित में है।

महात्मा गांधी के कहने पर ही पं. नेहरू ने डॉ. मुखर्जी को अपनी कैबिनेट में शामिल किया था। पं. नेहरू की कैबिनेट में रहते हुए डॉ. मुखर्जी ने कई बड़े काम किए। पं. नेहरू भी उनके कामों के कायल थे, लेकिन पाकिस्तान, कश्मीर या शरणार्थियों जैसे मसलों में दोनों के बीच व्यापक और गहरी राजनीतिक असहमति थी। धारा 370, हिंदू कोड बिल और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर भी पं. नेहरू से उनकी पटरी कभी भी नहीं बैठ पाई। ये ही वो कारण हैं, जो अंततः नेहरू कैबिनेट से उनके इस्तीफा का कारण बने।

आजादी के पहले बंगाल में मुस्लिम लीग के प्रभुत्व के विरुद्ध डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जबरदस्त संघर्ष किया और देश को होने वाले नुकसान से बचा लिया। विभाजन के समय भी डॉ. मुखर्जी ने देश की जनता और नेतृत्व को आगाह किया था कि पाकिस्तान सांप्रदायिक समस्या का कोई हल नहीं है। इससे वह और उग्र होगी, जिसका परिणाम गृहयुद्ध होगा। हमें इससे आंखें नहीं मूंदना चाहिए कि पाकिस्तान की लालसा का स्त्रोत वस्तुतः शासन सत्ता के रूप में इस्लाम की पुनःप्रतिष्ठा करने की इच्छा है।

1953 में जनसंघ के पहले अधिवेशन में उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की कश्मीर नीति का विरोध करते हुए कहा था कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे, नहीं चलेंगे। नेहरू-सरकार की नीतियों से असहमत होने के बाद लोकसभा में दिया गया उनका भाषण ऐतिहासिक है। अगस्त 1952 में लोकसभा में कश्मीर के मुद्दे पर भाषण देते हुए डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि दुनिया को यह पता होना चाहिए कि भारत महज एक थ्योरी या परिकल्पना नहीं है, बल्कि एक यथार्थ है, एक ऐसा देश जहां हिंदू, मुसलमान, ईसाई और सभी बिरादरी के लोग बगैर किसी भय के समान अधिकारों के साथ रह सकेंगे। यही हमारा संविधान है, जिसे हमने बनाया है और पूरी शिद्दत, निष्ठा और ताकत से लागू करने जा रहे हैं। डॉ. मुखर्जी मानते थे कि सांस्कृतिक दृष्टि से हम सब एक हैं इसलिए धर्म के आधार पर वे विभाजन के कट्टर विरोधी थे। वो मानते थे कि विभाजन संबंधी परिस्थितियां ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से उत्पन्न हुई थीं। वे कहते थे- आधारभूत सत्य यह है कि हम सब एक हैं, हममें कोई अंतर नहीं है, हम एक ही रक्त के हैं, एक ही भाषा, एक ही संस्कृति और एक ही हमारी विरासत है।

डॉ. मुखर्जी महान शिक्षाविद्, निरभिमानी देशभक्त, राजनीतिक चिंतक और सामाजिक दृष्टा थे। प्रखर राष्ट्रवादी के रूप में वो हमेशा देश में पहली पायदान पर खड़े मिलेंगे। वे सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांतवादी थे। सार्वजनिक जीवन में उनकी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का निस्वार्थ और त्याग-जनित लोकार्पण उन्हें असाधारण बनाता है। वो पं. नेहरू की नीतियों के मुखर आलोचक और विरोधी थे। वो महज एक अलग राजनीतिक विचारधारा के पोषक होने के नाते नेहरू का विरोध नहीं करते थे। वे एक सुविचारित और भारतीय संस्कृति के अनुकूल राजनीतिक दर्शन के प्रणेता थे और उसी के निर्धारित मानदंडों के आधार पर विषयों को तौल कर विरोधियों से वाद-विवाद करते थे। विरोध के लिए विरोध और बोलने के लिए बोलना, उनके राजनीतिक आचरण से कोसों दूर था। संसदीय शिष्टाचार के वो कट्टर अनुपालक थे। उनकी आलोचनाएं रचनात्मक होती थी और सुझाव विचारपूर्ण होते थे। इसीलिए वो अपने समकालीन सांसदों में सबसे ज्यादा सम्मानित और विश्वसनीय नेता थे। कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता उनके गंभीर परामर्शों को अनसुना नहीं करते थे। राजनीतिक मलिनताओं के बीच उनके व्यक्तित्व की प्रखरता अलग ही दमकती थी। वो किस मिट्टी के बने थे, इसकी झलक 07 जनवरी 1939 को लिखे डायरी के उस पन्ने में मिलती है, जिसकी इबारत उपासना के मार्मिक उद्गारों में उद्घाटित होती है कि हे प्रभु, मुझे निष्ठा, साहस, शक्ति और मन की शांति दीजिए। मुझे दूसरों का भला करने की हिम्मत और दृढ़ संकल्प दीजिए। मुझे अपना आशीर्वाद दीजिए कि सुख में भी और दुख में भी आपको याद करता रहूं और आपके स्नेह में पलता रहूं। हे प्रभु, मुझसे हुई गलतियों के लिए क्षमा कीजिए और मुझे सत्प्रेरणा देते रहिए। राजनीति में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे निष्काम, निस्वार्थ, निष्कपट राज-योगी का अवतरण बिरले ही होता है।

(लेखक मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष व खजुराहो सांसद हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर

खबर संक्षेप

विद्युत समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें अधिकारीः तोमर

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने के लिए बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश बिजली कम्पनी के अधिकारियों को दिए हैं। गुना, अशोकनगर और शिवपुरी स्थित विद्युत वितरण कम्पनी के वृत्त कार्यालयों में आयोजित बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि आम उपभोक्ता को ट्रिपिंग का सामना न करना पड़े, इसके लिए अधिकारी माकूल बंदोबस्त करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों और उपभोक्ताओं के फोन न उठाने की शिकायतों पर कड़ी नाराज़गी व्यक्त करते हुए कहा कि जो अधिकारी इस तरह का व्यवहार करेंगे वे बख्शे नहीं जाएंगे। शिकायत मिलने पर ऐसे सभी अधिकारी-कर्मचारियों की एक वेतन वृद्धि रोकी जाएगी।

कानून व्यवस्था छोड़ रेत गिट्टी में लगी पुलिसः डॉ. सिंह

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था खस्ता हालत में है। पुलिस के छोटे से कर्मचारी से लेकर बड़े अधिकारी तक खदानों से रेत गिट्टी की अवैध कमाई में लगे हुए हैं। कानून व्यवस्था से उनका कोई लेना देना नही है।प्रदेश में बलात्कार की घटनाये बढ़ रही हैं,चोरी,लूट व सायबर क्राइम से जनता परेशान है लेकिन पुलिस को इससे कोई लेना देना नही है।श्योपुर जिले के विजयपुर में रजक समाज की 15 वर्षीय का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया गया और बाद में उसकी हत्या कर दीं गई। मुख्यमंत्री से आग्रह है कि वे पुलिस को निर्देश दें कि वह अपने मूल कार्य कानून व्यवस्था तक सीमित रहे और अपराधों पर अंकुश लगाने का काम करे।रेत गिट्टी जैसे अवैध कार्यो को रोकने के लिये स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाए।

सीएम ने की गो-वंश रक्षा तथा दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन योजना पर चर्चा

निःशक्त एवं वृद्ध गायों के लिए गो-शाला जरूरी, पशुपालन को भी बढ़ावा देना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में कृषि के साथ पशुपालन विकास के लिए कृषकों और पशुपालकों को प्रोत्साहित किया जाए। गौवंश के सम्मान और सुरक्षा के लिए सभी उपाय किए जाएं। निशक्त और वृद्ध गायों के लिए गौशालाएं संचालित करने के साथ पशुपालन विकास को प्राथमिकता देना जरूरी है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग संबंधित विभागों के सहयोग से बेहतर परिणाम लाने के लिए इस दिशा में आगे बढ़े।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मंत्रालय में बैठक के दौरान गौवंश रक्षा तथा दुग्ध उत्पादन प्रोत्साहन योजना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ इस तरह से नीति बनाएं कि दुग्ध उत्पादन में वृद्धि से पशुपालकों की आय बढ़े।

राजमार्गों पर बैठने वाले गोवंश के लिए हाइड्रोलिक वाहन व्यवस्था

पशुपालन एवं डेयरी विभाग दने जानकारी दी कि प्रदेश में प्रथम चरण में रायसेन, विदिशा, सीहोर, देवास, राजगढ़ आदि जिलों का चयन कर हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग व्हीकल को टोल व्यवस्था के साथ जोड़कर इस समस्या के समाधान का कदम उठाया है। इसके लिए जरूरी वाहन व्यवस्था की गई है।

दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन दिया जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दूध की खरीद सुनिश्चित करने, किसानों और पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य दिलवाने, दुग्ध संघों को सहयोग, जिलों में दुग्ध प्र-संस्करण संयंत्र लगाने, राज्य में बच्चों के बेहतर पोषण के लिए दुग्ध प्रदाय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विभागीय प्रयासों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए।

जीव दया सम्मान योजना का विस्तार करें-

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध संघों की प्रोसेसिंग क्षमता में विस्तार, सहित अन्य योजनाओं के संबंध में भी चर्चा हुई। गौशालाओं को श्रेष्ठ कार्य के लिए जिला स्तर पर पुरस्कृत करने, आचार्यश्री विद्यासागर जीव दया सम्मान योजना का जिला स्तर तक विस्तार के निर्देश दिए गए।

पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को आकर्षक और भव्य बनाएंः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास के लिए बेहतर कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। पर्यटन तथा धार्मिक स्थलों को आकर्षक एवं भव्य बनाया जाए। धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्थल बढ़ाने के भी प्रयास हों। प्रदेश में गीता जयंती पर गीता महोत्सव मनाने की कार्ययोजना बनाएं। इसी तरह मानस जयंती भी मनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज मंत्रालय में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के अंतर्गत धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास, श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास एवं भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों के विकास की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन श्री शिवशेखर शुक्ला सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे ड्राइवर को मारी टक्कर, मौत

जगदलपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रहे ड्राइवर को टक्कर मार दी। इस घटना में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एमपी में कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची

भोपाल। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा में हो रहे उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। सूची में कांग्रेस के 40 नेताओं का शामिल किया गया है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि अभा कांग्रेस कमेटी के महासचिव मप्र प्रभारी जितेन्द्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्रीद्वय कमलनाथ एवं दिग्विजय सिंह, मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षद्वय कांतिलाल भूरिया, अरूण यादव, पूर्व सांसद नकुलनाथ, राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा एवं अशोक सिंह, पूर्व नेताप्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, एन.पी. प्रजापति, अभा कांग्रेस के सचिव संजय कपूर आदि उपस्थित रहे। , उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे, पूर्व मंत्री तरूण भानोत एवं सुखदेव पांसे, विधायक जयवर्धन सिंह और आरिफ मसूद, पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व मंत्री बाला बच्चन, विधायक ठाकुर शामिल हैं।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

Through paper Publication
COMMISSIONER UNDER THE WORKMEN'S COMPENSATION ACT BEFORE THE JUDGE FOURTH LABOUR COURT AT NAGPUR.
Appln.- (W.C.A.) : (F) No. (B) - 04/2023
F.F. 29/07/2024
Applicant : Gautamkumar Bhageran Singh -Versus-
Non-Applicant : M/s Aakashdeep Caterers, Delhi.
NOTICE
WHEREAS, the above named applicant has presented an application in the court against you for compensation in respect of the injuries received by him/ death of by accident said to have arisen out of and in the course of his employment as stated in the accompanying copy of the application. You are hereby summoned to appear in this Court, in person or by a pleader or person culy authorized in writing and able to answer all material questions relating to the application of who shall be accompanied by some other person able to answer all such question on **29/07/2024** at 11.30 a.m. to answer the claim; and as the day fixed for your appearance is appointed for the final disposal of the application. You must be prepared to produce on that day all the witness upon whose evidence and all the documents upon which you intend to relay in support of defense. Under Section 22 of the Workmen's Compensation Act, 1923, you are hereby required to file written statement IN DUPLICATE on or before **29/07/2024**.
Take notice that in default of your appearance on the day before mentioned the appln. will be heard and determined in your absence & a copy enclosed herewith.
Given this 14/6/2024.
Seal — By Order of the Court, Sd/- Clerk of the Court, Labour Court, Nagpur.
Encl - Nil -
No. LCN/1940/2024
Office of the Labour Court Civil Lines, Temple Road, Nagpur. Dated : 18/06/2024
To, M/s Aakashdeep Cateres, Through its Proprietor, Aakashdeep Agrawal, R/o Plot No. 1, Ground Floor, Khasra No. 22/25, Block D, Street 4, Swarup Nagar, Delhi- 110042.

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ई–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण
निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता–II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रण।

NIT - 37	**कार्य का नामः** वरिष्ठ मंडल अभियंता दवितिय के तहत सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के खंड गाजियाबाद यार्ड में सुधार का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :– IREPS पर NIT के अनुसार। **बयाना राशि (रुपये)**: IREPS पर NIT के अनुसार।
NIT - 38	**कार्य का नामः** वरिष्ठ मंडल अभियंता दवितिय के तहत सहायक मंडल अभियंता गाजियाबाद के खंड शाहदरा व साहिबाबाद यार्ड में सुधार का प्रावधान। **कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)** :– IREPS पर NIT के अनुसार। **बयाना राशि (रुपये)**: IREPS पर NIT के अनुसार।
निविदा बोली प्रस्तुत करने तिथि और समय	02.07.2024 से 16.07.2024 at 15:00 Hrs.
निविदा खोलने की तिथि और समय	16.07.2024 15:00 Hrs.
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।

ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) **(IREPS)** साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।
सं NIT-40 & 41-24-25-W-II दिनांक : 22.06.2024 1884/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशन कार्ड बनाने के लिए रायपुर नगर निगम का बाबू ले रहा रिश्वत, सामने आया वीडियो

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर नगर निमग में राशन कार्ड बनाने देने के नाम पर रिश्वत लेने का मामला सामने आया है। यहां नगर निगम का अधिकारी लोगों से बीपीएल और एपीएल राशन कार्ड बनाने के नाम पर घूस लेता पकड़ा गया है। सहायक राजस्व निरीक्षक माधव अवधिया गरीबों से राशन कार्ड देने के नाम पर 50 रुपए 100 रुपए घूस लेते पकड़ाया है। दरअसल, यह मामला रायपुर नगर निगम के जोन-2 कार्यालय है। इस मामले में लोगों का कहना है कि यह पूरा खेल मिलीभगत से किया जा रहा है। वहीं, जोन-2 के अन्य कर्मचारियों का कहना है कि माधव अवधिया पर काम की लापरवाही और घूस लेने का पहले भी मामला आया था। वे इसी वजह से सस्पेंड भी हो चुके हैं। एक बार फिर निगम कर्मी अवधिया के घूस लेने का मामला सामने आया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को हो रही काफी दिक्कत

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य कर्मचारी हड़ताल पर, स्वास्थ्य सेवाएं ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर राज्य के साथ-साथ बीजापुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, सीएचओ प्रकोष्ठ के बैनर तले अनिश्चितकालीन आंदोलन की राह पर चले गए हैं। जिससे जिले के दूरस्थ क्षेत्रों एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हो गई है। अपनी तीन सूत्रीय मांगे जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का पिछले पांच महीनों से लंबित पीएलपी भत्ता नियमित रूप से प्रदान करने, शासन स्तर से गृह जिले में स्थानांतरण की छूट एवं मुख्यालय से आठ किलोमीटर

की दूरी में निवासरत होते हुए कार्य करने की मंजूरी के साथ-साथ कांकेर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक की बहाली की मांग आदि शामिल है।

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक **अज्ञात व्यक्ति जिसका नाम अज्ञात, पुत्रः अज्ञात, पताः अज्ञात, उम्रः** 30–35 साल। जो दिनांक 19.06.2024 को दिल्ली के सीलमपुर इलाके में शास्त्री पार्क फ्लाईओवर के नीचे मृत पाया गया। इस बाबत **DD No. 86A, Dt: 19.06.2024 थानाः सीलमपुर, दिल्ली,** में दर्ज है। इसके मृत शरीर को पहचान के लिए जीटीबी अस्पताल मोर्चरी मे 72 घंटो के लिए सुरक्षित रखा गया है। नीचे अज्ञात मृत व्यक्ति की पहचान दी गई है।**उम्रः** 30–35 साल, **कदः** 5'5'', **शरीरः** मोटा एवं सूजा, **चेहराः** गोल, **रंगः** गेंहुआ, **पहनावाः** एक गंदा फटा शर्ट और पैंट पहने हुआ है। अगर किसी को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले, कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।
थानाध्यक्ष
थानाः सीलमपुर, दिल्ली
DP/7814/NE/2024 फोनः 8750870721, 01122562035

पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में औरंगाबाद का एक जवान शहीद

औरंगाबाद के कुटुम्बा प्रखंड के सड़सा गांव के निवासी थे शहीद जवान

जवान की मौत के बाद से गांव में मातम पसरा, परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औरंगाबाद

छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के पंखाजूर में माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान गुरुवार को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में औरंगाबाद का एक जवान शहीद हो गया। शहीद हुए जवान मदन सिंह औरंगाबाद के कुटुम्बा प्रखंड के सड़सा गांव के निवासी थे। वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में कार्यरत थे। जवान की मौत के बाद से गांव में मातम पसरा है। गांव का माहौल गमगीन है। गांव के लोग अपने गांव के बेटे को अंतिम विदाई देने के लिए पार्थिव शरीर लाए जाने का इंतजार करते हैं।

बीएसएफ के जवान मदन सिंह के शहीद होने की खबर से सड़सा गांव के लोग स्तब्ध हैं। जैसे ही यह खबर गांव में पहुंची, गांव में शोक का माहौल उत्पन्न हो गया। ग्रामीण गमगीन हो गए।

वहीं, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। गांव वालों के मुताबिक शहीद हुए जवान मदन सिंह सड़सा गांव निवासी मानदेव सिंह के तीसरे नंबर के सुपुत्र थे। उनकी उम्र करीब 40 वर्ष थी। मुठभेड़ में घायल होने के बाद इलाज के दौरान गुरुवार की रात में ही उन्होंने अंतिम सांस ली थी। उनकी छत्तीसगढ़ में ही पोस्टिंग थी और ड्यूटी के दौरान आखिरी बार वे होली के मौके पर अपने गांव आए थे। शहीद मदन सिंह की शादी वर्ष 2001 में संजू देवी से हुई थी जो उनके गांव में ही रहती हैं। उनका एक बेटा और एक बेटी है। बेटी सिया नंदिनी बीए फाइनल ईयर की छात्रा है, जबकि बेटा शिवम रांची में रहकर प्लस टू की पढ़ाई करता है। अपने पिता की शहादत की खबर सुनकर बच्चे भी गमगीन हैं। उन सभी का रो-रो कर बुरा हाल है। उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, ओडिशा और बस्तर में कई लाखों रुपये के इनामी नक्सली है, जो समय-समय पर पकड़ाते रहते हैं, लेकिन धमतरी में सिर्फ एक लाख रुपये के इनामी नक्सली टिकेश ध्रुव है। पुलिस को इसकी सालों से तलाश है, लेकिन अब तक एनकाउंटर हुआ न ही पकड़ा गया। एलओएस सदस्य है, जो धमतरी जिले में सक्रिय है और इसी के नाम पर नक्सली अपनी सक्रियता दिखा रहे हैं।

सुकमा जिले में सक्रिय दो महिला नक्सली समेत चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। सुकमा में लगातार चलाए जा रहे अभियान और सरकार की नीति के तहत पुलिस को एक बार फिर से बड़ी कामयाबी मिली है। सुकमा जिले में सक्रिय दो महिला नक्सली सहित चार नक्सलियों ने सुकमा पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया की आत्मसमर्पित नक्सली लंबे समय से नक्सली संगठन से जुड़कर विभिन्न नक्सली गतिविधियों जैसे पुलिस ग्रस्त पार्टी की रेकी कर हमला करना, पुलिस पार्टी के आने-जाने वाले मार्गों पर स्पाईक लगाना, मार्गों को खोदकर अवरुद्ध करना, शासन प्रशासन के विरुद्ध नक्सली पर्चे पाम्पलेट लगाना जैसी घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने में सीआरपीएफ की 74 भी बटालियन का भी विशेष प्रयास रहा है । आत्मसमर्पित नक्सलियों को सरकार की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सीमा, पत्नीः श्याम कुमार, पताः मकान नं. ए–11ए, चार मंजिला, टैगोर गार्डन एक्स., दिल्ली** ने **FIR No. 25/2023, U/S 33 Excise Act, पुलिस थाना राजौरी गार्डन, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सीमा** मिल नहीं रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सीमा** फरार हो गयी है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 25/2023, U/S 33 Excise Act, पुलिस थाना राजौरी गार्डन, दिल्ली** के अभियुक्त **सीमा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.08.2024** या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री शशांक नन्दन भट्ट
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट–02
DP/7789/WD/2024 कमरा सं. 356, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बार-बार कहते हैं कि आम चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा-एनडीए को नहीं मिला। यह अवैध, असंवैधानिक और अल्पमत की सरकार है, जो छोटी-सी गड़बड़ी से ही गिर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं, उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। सवाल है कि ऐसी बात वो नेता कह रहे हैं जिसके विपक्षी गठबंधन इंडिया को अकेले भाजपा (240) के बराबर सीट भी नहीं मिली। शायद लगातार सत्ता से दूर रहने के चलते कांग्रेस और राहुल गांधी की सियासी कुण्ठा है कि वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। 'रायसीना हिल्स' की सत्ता स्थापित हो चुकी है। मोदी ने लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ ली है। विपक्ष अब भी मुगालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' सरकार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बार-बार कहा है कि बहुत जल्दी सरकार का पतन हो जाएगा। चुनाव में नकारे जाने के बाद कांग्रेस व उसके सहयोगी दल अब किसी अनहोनी का इंतजार है कि एनडीए टूटे व उसे मौका मिले। क्या पीएम मोदी के प्रति कांग्रेस गलत व भ्रमित नैरेटिव गढ़ रही है? आजकल के इस अंक में इस मुद्दे व नीट विवाद पर एक विश्लेषण...

मोदी सरकार को ही जनादेश

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

संविधान और लोकतंत्र की भाषा में जनादेश किसे कहते हैं? आम चुनाव का जनादेश क्या है और किसके पक्ष में बहुमत की व्याख्या करता है? मोदी सरकार को अल्पमत, असंवैधानिक सरकार संविधान के किस हिस्से के आधार पर कहा जा रहा है? दरअसल, यह कांग्रेस और राहुल गांधी की कुण्ठा है कि वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ली है। विपक्ष अब भी मुग़ालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' सरकार है। विपक्ष की राजनीति अपनी है, लेकिन विपक्ष का हरेक मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी को कोसना, सरकार के पतन की बातें करना और मूलतः जनादेश पर सवाल उठाना कौन-सा और कहां का राजनीतिक औचित्य है?

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बार-बार कहते हैं कि आम चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा-एनडीए को नहीं मिला। यह अवैध, असंवैधानिक और अल्पमत की सरकार है, जो छोटी-सी गड़बड़ी से ही गिर सकती है। प्रधानमंत्री मोदी की छाती 56 इंच के बजाय 30-32 इंच की हो गई है। वह मानसिक और मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के बारे में भय और खौफ की जो धारणा थी, वह भी खत्म हो चुकी है। अब कोई भी प्रधानमंत्री मोदी से नहीं डरता, लिहाजा उन्हें प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। राहुल के अलावा, कांग्रेस के प्रवक्ता और सड़किया कार्यकर्ता तक देश के प्रधानमंत्री को 'झूठा', 'मक्कार', 'फासीवादी' आदि गालियां देते हुए इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। आखिर सवाल है कि संविधान और लोकतंत्र की भाषा में जनादेश किसे कहते हैं? आम चुनाव का जनादेश क्या है और किसके पक्ष में बहुमत की व्याख्या करता है? मोदी सरकार को अल्पमत, असंवैधानिक सरकार संविधान के किस हिस्से के आधार पर कहा जा रहा है? यदि कुछ असंवैधानिक हुआ है, तो कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' अभी तक सर्वोच्च अदालत में क्यों नहीं गए? क्या देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऐसी सरकार को शपथ दिला कर संविधान-विरोधी काम किया है?

कांग्रेस की कुंठा

दरअसल, यह लगातार सत्ता से दूर रहने के चलते कांग्रेस और राहुल गांधी की कुण्ठा है कि वे ऐसी भाषा बोल रहे हैं। 'रायसीना हिल्स' की सत्ता स्थापित हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार पद की शपथ ली है। उनकी कैबिनेट भी सक्रिय हो चुकी है। विपक्ष अब भी मुग़ालते में है कि मोदी सरकार 'अल्पसंख्यक' सरकार है। दरअसल 'अल्पमत' सटीक शब्द है। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों को सरकार के संदर्भ में भी 'अल्पसंख्यक' याद आते हैं। यह शब्द कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बार-बार कहा है कि बहुत जल्दी सरकार का पतन हो जाएगा। यदि विपक्ष की इस भविष्यवाणी को मान भी लिया जाए, तो सहज सवाल है कि उसके बाद क्या होगा? वैकल्पिक सरकार किसकी होगी? अथवा कुछ ही महीनों के बाद देश पर मध्यावधि चुनाव का बोझ लाद दिया जाएगा? प्रधानमंत्री कौन होगा? क्या उसके समर्थक सांसदों की संख्या इतनी होगी कि जनादेश कहा जा सके? सरकारें और सदन बहुमत के आंकड़ों के आधार पर तय होते हैं। एनडीए के बजाय अकेली भाजपा के ही आंकड़ों को गिना जाए, तो 240 सांसदों के साथ वह लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी है। भाजपा के बाद कांग्रेस के 98 सांसद हैं, लिहाजा वह दूसरे स्थान की पार्टी है। दोनों के बीच में कोई अन्य दल नहीं है। सदन में बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 सांसदों का है। इस लक्ष्य के ज्यादा करीब भाजपा है अथवा कांग्रेस है? परंपरा रही है कि राष्ट्रपति सबसे पहले सदन की सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने को आमंत्रण देते हैं। गठबंधन की गुंजाइश उसके बाद ही आती है।

गठबंधन का अतीत पुराना

यदि इतिहास को खंगाला जाए, तो 1984-89 के बाद चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। सभी सरकारें गठबंधन की बनी हैं। वीपी सिंह और चन्द्रशेखर तथा बाद में देवगौड़ा-गुजराल की सरकारों को छोड़ कर शेष सभी गठबंधन सरकारों ने अपने कार्यकाल पूरे किए हैं। प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के बाद 1991 में जो चुनाव हुआ, उसमें कांग्रेस 232 सांसदों वाली सबसे बड़ी पार्टी थी। पीवी नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्रित्व में सरकार बनी, लेकिन वह 'अल्पमत' सरकार थी। सांसदों की खरीद-फरोख्त हुई, नेताओं ने पाले बदले और सरकार के बहुमत का जुगाड़ किया जाता रहा। देश में पहली बार प्रधानमंत्री को किसी अदालत ने 'अभियुक्त' करार दिया और एक विशेष अदालत बनाकर केस चलाने का बंदोबस्त किया गया। बहरहाल मामला रफा-दफा हो गया। उसके बाद 1996 के चुनाव में भाजपा 161 सांसदों के साथ लोकसभा में पहली बार, सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। घोर अल्पमत था, लेकिन राष्ट्रपति ने सरकार बनाने का न्योता दिया। अटलबिहारी वाजपेयी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। चूंकि वह अपने साथ अन्य दलों का गठबंधन बनाने में नाकाम रहे, नतीजतन पद से इस्तीफा देना पड़ा। 1998-99 में भाजपा 182 सांसदों के साथ फिर सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन अल्पमत में थी। एनडीए का गठन उसी दौर में हुआ और इस बार 2004 तक वाजपेयी सरकार बखूबी चली। 'कारगिल युद्ध' भी इसी दौर में हुआ था।

2004 से गठबंधन का नया दौर

2004 के आम चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ। लोकसभा में कांग्रेस के 145 सांसद जीत कर आए और तत्कालीन सत्तारूढ़ भाजपा 138 सांसदों के साथ 'पराजित पार्टी' थी। बहुमत के आंकड़े से दोनों ही पक्ष बहुत दूर थे। वामपंथी दलों के सहयोग से गठबंधन का एक तम्बू तैयार किया गया और उसके नीचे समधर्मा दल लामबंद हुए। तब प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार बनी और वामपंथी सोमनाथ चटर्जी को स्पीकर बनाया गया। बेहद विरोधाभास थे। लगातार हिचकोले खाती रहती थी सरकार, लेकिन गठबंधन जारी रहा। अंततः अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु करार के मुद्दे पर वाममोर्चे के करीब 60 सांसदों ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। मनमोहन सरकार अल्पमत में आ गई और लड़खड़ाने लगी। तब मुलायम सिंह यादव की सपा के 39 सांसदों और अन्य का जुगाड़ करना पड़ा। मनमोहन सरकार गिरते-गिरते विश्वास मत जीत गई। 2009 के आम चुनाव में भी कांग्रेस 206 सांसदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। भाजपा 116 सांसदों के साथ बहुत पीछे थी। यूपीए-2 की सरकार बनी और डॉ. मनमोहन सिंह ही प्रधानमंत्री चुने गए। ये सभी गठबंधन सरकारों के उदाहरण हैं, जो पांच साल तक चलीं और कार्यकाल पूरे किए। अब सवाल है कि आज मोदी नीत राजग सरकार के पक्ष में चुनाव-पूर्व के गठबंधन का स्पष्ट बहुमत है। सरकार को 293 सांसदों का समर्थन हासिल है। फिर उसे अल्पमत, अस्थिर, असंवैधानिक सरकार क्यों कहा जा रहा है? यह कैसा झूठ है?

कांग्रेस ने गढ़ा झूठा नैरेटिव

चुनाव के दौरान कांग्रेस और विपक्षी दलों ने एक झूठे नेरेटिव को गढ़ा कि यदि मोदी सरकार ही तीसरी बार आई, तो संविधान बदल दिया जाएगा। लोकतंत्र खत्म हो सकता है। यदि संविधान बदल दिया जाएगा, तो आरक्षण भी कहां रहेगा? देश जानता है कि ये परिवर्तन नहीं किए जा सकते, लेकिन फिर भी दलित, ओबीसी, कुछ आदिवासी, गरीब, अनपढ़ लोगों पर इसका असर हुआ। नतीजतन उप्र, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि राज्यों में भाजपा की अपेक्षाकृत पराजय हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम आरक्षण के खिलाफ खूब प्रचार किया, नतीजतन अब मुसलमानों ने तय कर लिया है कि वे किसी भी चुनाव में भाजपा को वोट नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी उनके लिए कुछ भी काम करें, परियोजनाएं बनाएं, लेकिन मुसलमान उस पार्टी और उम्मीदवार को वोट देगा, जो मोदी और भाजपा को हरा सके। यह खुलासा मुस्लिम विशेषज्ञों ने ही किया है। उनका कहना है कि गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर भी मोदी ने इन स्थितियों को झेला है, लेकिन वह कहते रहे हैं कि आप मुझे वोट तो न दो, लेकिन मैं आपका भी मुख्यमंत्री हूं। मुझसे काम तो कराओ। आखिर मुख्यमंत्री से इतनी आबादी नफरत कैसे कर सकती है? इस सांप्रदायिकता ने आम चुनाव में भी भाजपा के जनादेश को प्रभावित किया है, नतीजतन वह 240 सीट पर थम गई है। मुसलमानों का यह भाव 2014 से पहले भी था, लेकिन कुछ फीसदी मुसलमान भाजपा की ओर भी ध्रुवीकृत होने लगे थे। 2024 के चुनाव ने उस पर भी विराम लगा दिया है।

जनादेश पर सवाल उठाना अनुचित

आज जो जनादेश पर सवाल उठा रहे हैं, उन्होंने आरक्षण, नीट पेपर लीक आदि को भी राजनीतिक रंग दे दिया है। देश के करीब 20 राज्यों में करीब 70 भर्ती, प्रवेश परीक्षाओं के पेपर लीक किए गए हैं। इस तरह करीब 2 करोड़ युवाओं के भविष्य अधर में लटक गए हैं। ऐसा भ्रष्टाचार करने वाले कांग्रेस और भाजपा शासित दोनों ही राज्य हैं, लेकिन अपशब्द प्रधानमंत्री मोदी को दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री के पुतले जलाए जा रहे हैं। कांग्रेस का छात्र संगठन कई राज्यों में उत्तेजक विरोध-प्रदर्शन कर रहा है। नीट परीक्षा की धांधलियां और विसंगतियां सामने आई हैं। मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है, जिसकी सुनवाई 8 जुलाई को होनी है। राहुल गांधी का बयान है कि पेपर लीक को प्रधानमंत्री न तो रोकना चाहते हैं और न ही रोकने में सक्षम हैं। शिक्षण संस्थानों पर भाजपा-संघ का कब्जा हो गया है। नीट के कुछ छात्र और उनके अभिभावक राहुल गांधी से भी मिले हैं। कांग्रेस नेता ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि वह उनकी लड़ाई सड़क से संसद तक लड़ेंगे। बहरहाल विपक्ष की राजनीति अपनी है, लेकिन हरेक मुद्दे पर प्रधानमंत्री को कोसना, सरकार के पतन की बातें करना और मूलतः जनादेश पर सवाल उठाना कौन-सा और कहां का राजनीतिक औचित्य है? देश आश्वस्त रहे कि जनादेश का बहुमती संकेत भाजपा-एनडीए की ओर है तथा गठबंधन ठोस है। गठबंधन हररोज़ नहीं टूटा करते। नीट का सवाल है, तो छात्र सर्वोच्च अदालत और केंद्र सरकार पर भी भरोसा करना सीखें। किसी की राजनीति का शिकार न बनें।

निर्दोष अभ्यर्थियों की वेदना के जिम्मेदार कौन

नीट विवाद
डा. भारत
वरिष्ठ कानून प्रवक्ता, पंजाब विवि

प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पाने से लेकर प्रतिष्ठित नौकरी के अवसर पाने तक, प्रतियोगी परीक्षाएँ भारत में किसी अभ्यर्थी के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं का आज़ादी के बाद से ही बहुत महत्व रहा है, और इसके पीछे कारण था देश की शिक्षा प्रणाली जो इन परीक्षाओं पर बहुत ज़ोर देती थी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस पृष्ठभूमि के कारण ही उद्यमिता के लिए युवा प्रतिभाओं का समुपयोजन करने के लिए ईमानदारी से अथक प्रयास किया है। हालिया नीट कांड ने सोचने पर विवश किया है।

प्रतियोगी परीक्षाएँ उच्च शिक्षा के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करती हैं। भारतीय शिक्षा के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में, जहाँ डॉक्टर या इंजीनियर बनने के सपने कम उम्र से ही पोषित किए जाते हैं, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी), संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और प्रबंधन अध्ययन के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (कएट) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। इन प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से लाखों छात्र सीमित सीटों के लिए होड़ करते हैं। इन परीक्षाओं का छात्रों के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश पाने की संभावनाओं पर सीधा असर पड़ता है। एनईईटी और जेईई परीक्षाओं का दबाव भारतीय शैक्षिक परिदृश्य पर भारी पड़ता है, इन परीक्षाओं में सफलता को अक्सर किसी के शैक्षणिक और पेशेवर भविष्य का निर्णायक कारक माना जाता है। शीर्ष-स्तरीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में उपलब्ध सीटों की सीमित संख्या के साथ, ये परीक्षाएँ योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों के चयन के लिए एक निष्पक्ष और पारदर्शी तंत्र प्रदान करती हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं के महत्व का एक और कारण अवसरों को समान करने वाली उनकी भूमिका है। किसी की पृष्ठभूमि या सामाजिक-आर्थिक स्थिति से दूर, ये परीक्षाएँ सभी अभ्यर्थियों के लिए समान अवसर प्रदान करती हैं। बाहरी कारकों के बजाय अकादमिक योग्यता पर ध्यान केंद्रित करके, प्रतियोगी परीक्षाएँ विविध पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उसके बाद आजीविका की संभावनाओं तक पहुँचने का अवसर प्रदान करती हैं। वे बाधाओं को तोड़ने में मदद करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि योग्य अभ्यर्थियों अपनी क्षमताओं के आधार पर शीर्ष तक पहुँच सकें।

सदाचार बनाम कदाचार

भारत का युवा न केवल देश की आबादी का सत्तर-प्रतिशत हिस्सा हैं, अपितु 2047 के विकसित भारत का हितधारक भी हैं। "सुविधा, सुरक्षा और सम्मान" का सिद्धांत सदाचार का अनुमोदन करता है और कदाचार को अस्वीकृत करता है। देश के विभिन्न हिस्सों से एक के बाद एक कदाचार, प्रश्न पत्र का खुलासा (पेपर लीक), प्रतिरूपण (दूसरे व्यक्ति से परीक्षा दिलवाने) आदि की घटनाओं के कारण युवाओं का भविष्य दांव पर है। अतीत पर एक नज़र डालें तो राजस्थान में 2018 के बाद से कदाचार की 12 घटनाएं हुई हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर में मार्च 2022 में सब-इंस्पेक्टर भर्ती घोटाला और 2017 में एसएससी संयुक्त स्नातक परीक्षा में गड़बड़ सामने आई हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, लेकिन प्रमुख रूप से, पश्चिम बंगाल में नवंबर 2022 में प्रारंभिक शिक्षा डिप्लोमा का पेपर लीक हुआ था। फरवरी 2023 में फिर से पश्चिम बंगाल में ही अंग्रेजी का पेपर लीक हुआ। पश्चिम बंगाल में स्कूल सेवा आयोग का पेपर भी लीक हुआ। दिसंबर 2022 में राजस्थान में शिक्षक भर्ती घोटाला उजागर हुआ, जबकि फरवरी 2022 में शिक्षकों के लिए राजस्थान पात्रता परीक्षा भी कदाचार से ग्रस्त हो गई और परीक्षा फिर से आयोजित करनी पड़ी। मई 2022 में राजस्थान पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा घोटाले की भेंट चढ़ गई थी। गौरतलब है कि अब 2024-एनईईटी परीक्षा में धांधली होने के बारे में व्यापक शिकायतों और हाल ही में आयोजित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) का भी पेपर लीक शर्मनाक है। निहित स्वार्थ से प्रेरित इन कदाचार की घटनाओं ने एक बड़ा सवालिया निशान लगा युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है।

न्यायालय में जनहित याचिका

एनईईटी-2024 प्रवेश परीक्षा 5 मई 2024 को 4,750 केंद्रों पर 571 शहरों में (विदेश के 14 शहरों सहित) आयोजित की गई थी और इसमें लगभग 24 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। इस परीक्षा के परिणाम 14 जून को घोषित होने की उम्मीद थी, लेकिन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पहले ही पूरा हो जाने के कारण परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न उच्च न्यायालयों में एनईईटी-2024 विवाद से संबंधित कथित

लीक और कदाचार के सभी मामलों पर रोक लगा दी है और उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर एक साथ सुनवाई कराने की बात कही है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा 5 मई 2024 को आयोजित परीक्षा में कदाचार हुआ था, इसके के विभिन्न उदाहरण याचिकाकर्ता के संज्ञान में आए थे। परीक्षा में धांधली भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है, क्योंकि इसने कुछ उम्मीदवारों को दूसरों पर अनुचित लाभ दिया जिन्होंने निष्पक्ष तरीके से परीक्षा देने का विकल्प चुना। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश जेबी पारदीवाला और न्यायाधीश मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई कराने पर सहमति व्यक्त की है। सर्वोच्च न्यायालय ने करते हुए नोटिस जारी करते हुए 8 जुलाई 2024 तक जवाब मांगा है, जब मामले की अगली सुनवाई होगी। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल देते हुए कहा कि अखिल भारतीय परीक्षा के परिणामों पर फिलहाल रोक नहीं लगाई जा सकती है और प्रवेश पर कोई भी निर्णय याचिका के समाधान पर निर्भर होगा। न्यायालय का सक्रिय रुख राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के संचालन में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024

इस अधिनियम का प्रस्ताव करने वाला विधेयक 5 फरवरी 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था और अगले दिन 6 फरवरी 2024 को पारित हो गया था। 9 फरवरी को राज्यसभा ने भी विधेयक को पारित कर दिया। इसे 12 फरवरी को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली और 21 जून 2024 को केंद्र सरकार ने आधिकारिक राजपत्र में इसे अधिसूचित किया। इस अधिनियम का उद्देश्य संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे - बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं, मेडिकल, इंजीनियरिंग और विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षाओं सहित राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित विभिन्न कंप्यूटर आधारित सार्वजनिक परीक्षाओं में धोखाधड़ी और अनियमितताओं पर अंकुश लगाना है। हालांकि, यह अधिनियम 21 जून 2024 से पहले की घटनाओं पर पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं होगा। इस अधिनियम में परीक्षा पत्र लीक करने के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए न्यूनतम तीन साल की जेल का प्रावधान है, जिसे पाँच साल तक बढ़ाया जा सकता है। वहीं, संगठित सिंडिकेट के मामलों में दस साल की जेल का प्रावधान है। अधिनियम में सेवा प्रदाता कंपनियों की परीक्षाओं में कोई अनियमितता पाए जाने पर एक करोड़ तक के जुर्माने का प्रावधान है और परीक्षा की आनुपातिक लागत भी उससे वसूल की जाएगी। इसके अलावा दोषी पाए जाने पर ऐसी कंपनियों को चार साल के लिए सार्वजनिक परीक्षा आयोजित करने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा।

चिंता की बात

निःसंदेह इस कानून का उद्देश्य युवाओं की योग्यता की रक्षा कर उनका कल्याण करना है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस साल बजट सत्र की शुरुआत में संसद की संयुक्त बैठक में अपने संबोधन में परीक्षाओं में अनियमितताओं के संबंध में चिंता व्यक्त की थी। लेकिन आज महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि भ्रष्ट आचरण के चलते कुछ बेईमान तत्व जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं, उनके आकांक्षाओं और आजीविका को नष्ट करते हैं और कभी-कभी घातक आत्महत्याओं का कारण बनते हैं, को उदाहरणात्मक, कठोरतम सार्वजनिक दण्ड निर्दोष-अभ्यर्थियों के लिए मरहम का काम कर सकता है? क्या इससे उन्हें अपने पोषित सपनों को पूरा करने में मदद मिल सकती है? क्या इससे उन्हें अपने खोए हुए अवसरों को पुनः प्राप्त करने में मदद मिल सकती है? क्या यह वह वैकल्पिक समाधान सिद्ध हो सकता हैं? यदि उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर "नहीं" है तो इस विषय पर गंभीर अंतर्निरीक्षण – आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। जैसा 'भारत-भारती' में मर्मान्तक वेदना का अनुभव करते हुए राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा था– हम कौन थे, क्या हो गए हैं, और क्या होंगे अभी। आओ विचारें आज मिलकर, यह समस्याएं सभी।

कश्मीर के भारतीयकरण में योगदान

बलिदान दिवस
डा. दयानंद कादयान
शिक्षाविद्

केंद्र सरकार द्वारा 5 अगस्त 2019 को संविधान की धारा 370 को खत्म कर दिया गया जो कश्मीर के भारतीयकरण पर सबसे बड़ी रुकावट थी। भारतवर्ष बेशक 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ हो पर भारत की अखंडता व संपूर्णता पर जम्मू-कश्मीर रूपी सवालिया निशान लटक रहा था। भारत के लिए स्वर्णिम घड़ी तब आई जब राज्यसभा में जम्मू कश्मीर पुनर्गठन एवं अधिनियम 2019 पारित किया गया। जिसमें जम्मू कश्मीर के ऊपर दो संविधान, दो प्रधान तथा दो निशान की कालिख को एक झटके में साफ कर दिया गया। इसके लिए आजादी के बाद लंबा संघर्ष हुआ था, जिसका नेतृत्व पंडित दीनदयाल उपाध्याय, बलराज मधोक, अटल बिहारी वाजपेई व वैद्य गुरुदत्त आदि ने किया था। परंतु इस गरिमामयी नेतृत्व श्रृंखला में पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सबसे ऊपर दिखाई देते हैं।

भारतीयकरण के महानायक श्यामा प्रसाद मुखर्जी अपनी बुद्धि प्रतिभा से 33 वर्ष की उम्र में कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बन गए थे। विश्व का सबसे युवा उपकुलपति होने का श्यामा प्रसाद को ही गौरव प्राप्त है। वे कोलकाता विश्व विद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में बंगाल की विधान परिषद के सदस्य भी चुने गए थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू की अंतरिम सरकार में भी उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बने तथा संविधान निर्माण व क्रियान्वयन में अपना अनूठा योगदान दिया। 6 अप्रैल 1950 को उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और भारतीय जन संघ की स्थापना में जुट गए। गुरु गोलवलकर के परामर्श से 21 अक्टूबर 1951 को जनसंघ की स्थापना हुई थी। पहले आम चुनाव में वे सांसद निर्वाचित हुए और जम्मू कश्मीर के मुद्दे पर बड़ी जिम्मेदारी के साथ संसद में बोले थे। श्यामा प्रसाद मुखर्जी वीर सावरकर के जीवन दर्शन से भी बड़े प्रभावित थे।

सन 1937 में मुखर्जी आजाद उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर बंगाल विधानसभा में विरोधी दल के नेता बने थे। बाद में भी अखिल भारतीय हिंदू महासभा के सदस्य बने व अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करके गठबंधन सरकार में वित्त मंत्री बने थे। सन 1942 में गठबंधन सरकार से त्यागपत्र देकर भारत छोड़ो आंदोलन में कूद पड़े थे। भारत छोड़ो आंदोलन के अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों में शुमार थे।

जम्मू कश्मीर पर पाकिस्तान व मुस्लिम लीग जैसे संगठनों ने अपने

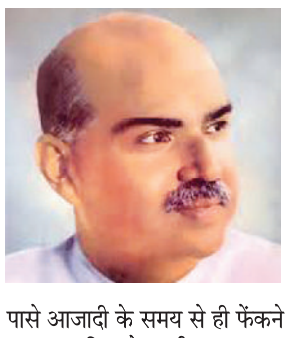

पासे आजादी के समय से ही फेंकने शुरू कर दिए थे। उसी समय पाक फौज व मुजाहिदों ने जम्मू कश्मीर पर जेहाद छेड़ दिया। मुजफ्फराबाद, मीरपुर और कोटली जैसे नगरों में हजारों हिंदुओं का सरेआम कत्ल कर दिया गया। जिहादियों ने जुल्मों की सारी सीमाएं लांघ दी थीं। जम्मू कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने भारत से सहायता मांगी। परंतु पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सत्ता शेख अब्दुल्ला को सौंपने की शर्त पर सहायता का प्रस्ताव स्वीकार किया। यहीं से भारतवर्ष में धरती के स्वर्ग कश्मीर का दुर्भाग्य का दौर शुरू हुआ था। भारत की सेना ने सैन्य कार्रवाई करते हुए मुजाहिदों व पाक सेना को खदेड़ दिया था।

जम्मू कश्मीर का मामला संयुक्त राष्ट्र संघ में चला गया था। पंडित नेहरू ने कश्मीर को भारत से अलग रखने वाले संविधान की धारा 370 को स्वीकार कर लिया था। धारा 370 की आड़ में पंडित नेहरू के चहेते शेख अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के स्वयंभू शासक बन गए। इस अनुच्छेद की आड़ में अलगाववादी ताकतें भारत में विरोधी विमर्श गढ़ने में जुट गई थी। अब्दुल्ला राज में जम्मू कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट का नियम लाया गया। मानो जम्मू कश्मीर भारत का कोई हिस्सा ही न हो। इसका परिणाम यह हुआ कि तिरंगा फहराने पर मेलाराम जैसे देशभक्तों पर गोली चला दी जाती थी। इस तुष्टिकरण की राजनीति का खामियाजा भारत ने 70 वर्षों तक झेला है। पंडित प्रेम नाथ डोगरा के नेतृत्व में प्रजा परिषद ने शेख की राष्ट्रवाद विरोधी इच्छाओं को सफल नहीं होने दिया था जबकि शेख अब्दुल्ला ने कश्मीर में अलग प्रधान, अलग विधान तथा अलग निशान का राग अलाप रखा था। नेहरू जी को शेख का सहयोग प्राप्त था। कम्युनिस्ट पार्टियां भी शेख का समर्थन कर रही थीं। शेख ने धारा 370 का फायदा सरेआम उठाना शुरू कर दिया। शेख अब्दुल्ला इतने भारतीयता के खिलाफ चले गए कि 1952 में एक खेल समारोह में नेशनल कांफ्रेंस का झंडा फहरा दिया गया था। इस पर कश्मीर के हजारों छात्रों ने सड़क पर उतरकर विरोध किया था। शेख सरकार की अलगाव- नीति की भारत के कोने-कोने में भर्त्सना की गई थी।

पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 26 जून 1952 को संसद में कश्मीर का मामला उठाते हुए कहा था, 'शेख अब्दुल्ला मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की पृथकतावादी नीतियों पर चलकर कश्मीर की अखंडता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। वे राष्ट्रभक्ति के दल प्रजा परिषद तथा पंडित प्रेमनाथ डोगरा का उत्पीड़न करने पर उतरू हो गए हैं। वे धारा 370 के बल पर पृथक संविधान, पृथक निशान चाहते हैं। कश्मीर अलग झंडा व अलग संविधान लेकर स्वतंत्र गणराज्य बने, यह कदापि सहन नहीं किया जाएगा।' श्यामा प्रसाद ने नेहरू-लियाकत अली समझौते का भी प्रबल विरोध किया था। 1953 में नेहरू को पत्र लिखकर उनकी शेखपरस्ती के बारे में जनता को आगाह किया था।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी

80 साल का रिकॉर्ड टूटा, धरती से पहाड़ों तक दिखा असर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में इस बार भीषण गर्मी और हीटवेव ने सभी का हाल बेहाल कर दिया। इस साल गर्मी का हाल ऐसा है कि दिन ही नहीं रात में भी तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। इससे पहाड़ी क्षेत्र भी नहीं बचे। जम्मू-कश्मीर में छह दिन, हिमाचल प्रदेश (12) और उत्तराखंड में दो दिन हीटवेव देखी गई। केरल में 5 तो तमिलनाडु जैसे तटीय क्षेत्रों 14 दिन हीटवेव के दर्ज किए गए।दिल्ली में तापमान ने पिछले 80 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उत्तर भारत के राज्यों में ही हीटस्ट्रोक के कारण अनेक लोगों की जान चली गई। देशभर में लू से मरने का सिलसिला जारी है।

मई अब तक का सबसे गर्म महीना

यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस के अनुसार मई 2024 अब तक का सबसे गर्म मई का महीना था। उत्तर पश्चिम भारत और मध्य क्षेत्र के कुछ हिस्से प्रचंड गर्मी की चपेट में हैं। इस साल देश सबसे लंबी और भीषण गर्मी झेल रहा है। साल 2024 पिछले 15 वर्षों में सबसे तीव्र और सबसे अधिक हीटवेव वाले दिनों वाला वर्ष बनने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों से पता चला है कि 1 मार्च से 9 जून के बीच 15 से अधिक हीटवेव वाले दिन दर्ज किए गए हैं। आमतौर पर औसतन 6-8 लू वाले दिन होते हैं। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप के अध्ययन से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन ने पूरे एशिया में अनुभव की गई हीट वेव की तीव्रता को काफी बढ़ा दिया है। उत्तर भारत में सामान्य रूप से तापमान 40-48 डिग्री सेल्सियस को पार करता रहा है। जून भी उसी तर्ज पर उबला है।

इसकी भयावहता ने अनेक लोगों और जीव-जंतुओं की जान ले ली

यह साल सबसे लंबी और भीषण गर्मी वाला रहा

ग्लोबल वॉर्मिंग का सबसे स्पष्ट प्रभाव हीटवेव नई आपदा बनकर उभरा है। यह साल सबसे लंबी और भीषण गर्मी वाला रहा है और देश में 25,000 से अधिक हीटवेव से बीमार हुए लोगों के मामले दर्ज किए गए हैं।

सबसे ज्यादा रहे हीटवेव वाले दिन

मौसम विभाग का कहना है कि पिछले 15 सालों में सबसे अधिक हीटवेव वाले दिन 2024 में देखने को मिले हैं। सबसे अधिक हीटवेव वाले (27) दिन ओडिशा में दर्ज किए गए हैं, इसके बाद राजस्थान (23), गंगीय पश्चिम बंगाल (21), हरियाणा (20), चंडीगढ़ (20), दिल्ली (20) और पश्चिम उत्तर प्रदेश (20) का स्थान रहा।

दुनिया के 40 फीसदी हिस्से में बढ़ा औसत तापमान

जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित यूके स्थित प्रकाशन कार्बन ब्रीफ ने पिछले साल एक विश्लेषण प्रकाशित किया था जिसके मुताबिक धरती के लगभग 40 फीसद हिस्से ने 2013 से 2023 के बीच अपना उच्चतम दैनिक तापमान दर्ज किया था। इसमें अंटार्कटिका भी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान भारत में सबसे अधिक तापमान राजस्थान में दर्ज किया गया।

मौतों पर आईएमडी ने दी चेतावनी

आईएमडी ने चेतावनी दी कि सभी आयुवर्ग के लोगों में ताप जनित बीमारियां और हीट स्ट्रोक की बहुत अधिक संभावना है और कमजोर लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है। वर्षों के वैज्ञानिक शोध से पता चला है कि जलवायु संकट के कारण हीटवेव अधिक लंबे समय तक, अधिक बार और अधिक तीव्र हो रही हैं।

खबर संक्षेप

ओबीसी नेता हाके ने खत्म किया अनशन

मुंबई। ओबीसी नेता लक्ष्मण हाने ने अपना अनशन खत्म कर दिया है। हाके 10 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे थे। शनिवार को पानी पीकर इस अनशन को खत्म कर दिया। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से लक्ष्मण हाके को लिखित में आश्वासन दिया गया है कि राज्य सरकार उनके सभी मांगो को लेकर सकारात्मक चर्चा कर रही है। सरकार ने कुछ मांगों पर फैसला ले लिया है।

नई सरकार का पहला संसद सत्र कल से

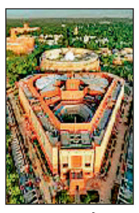

नई दिल्ली। नई सरकार का पहला संसद सत्र 24 जून से प्रारंभ हो रहा है। इस बार संसद सत्र के हंगामेदार रहने की उम्मीद है। एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच पहला टकराव 'स्पीकर' पद के चुनाव को लेकर हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से होता रहा है। लेकिन इस बार वैसी स्थिति नजर नहीं आ रही।

कोलकाता के गार्स्टिन प्लेस में भीषण आग

कोलकाता। देश के विभिन्न हिस्सों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। शनिवार सुबह कोलकाता के 5वें गार्स्टिन प्लेस में भीषण आग लग गई। बिल्डिंग करीब 100 साल पुरानी बताई जा रही है, जिससे उसमें रहने वालों के मन में इसके गिरने की आशंका भी है। यहां कई पुरानी इमारते हैं। उनमें कई परिवार रह रहे हैं। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

कारोबारी के ठिकानों पर सीबीआई छापा

जयपुर। राजस्थान में बजरी माफिया पर सीबीआई ने नकेल कसना शुरू कर दिया है। जानकारी सामने आई है कि बजरी कारोबारी मेघराज सिंह के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि बजरी किंग मेघराज सिंह के एमआरएस एसोसिएट ग्रूप की चेक पर अवैध बजरी खनन के खिलाफ सीबीआई ने कार्रवाई की है।

सरिस्का में 2 शावकों सहित तेंदुए की मौत

जयपुर। राजस्थान के सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान में एक मादा तेंदुए और उसके दो शावकों की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। अलवर के जिला वन अधिकारी राजेंद्र सिंह ने कहा कि बिजली का तार टूटकर तेंदुए और उसके दो शावकों पर गिर गया। उन्होंने कहा कि जिला पशु चिकित्सालय में तीनों मृत तेंदुओं का पोस्टमार्टम किया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

आंध्र प्रदेश में सत्ता बदली और सियासी लड़ाई का दौर शुरू

मुख्यमंत्री पर लगा बदले की कार्रवाई का आरोप

जगन की पार्टी के दफ्तर पर चला नायडू का बुलडोजर, मामला पहुंच गया हाईकोर्ट

पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी का कार्यालय ध्वस्त किया

मामला अदालत में था विचाराधीन

एजेंसी ▶▶ अमरावती

आंध्र प्रदेश में सत्ता बदल गई है, जिसके बाद नई सरकार के तहत प्रशासन धड़ाधड़ फैसले ले रहा है और शनिवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी का कार्यालय ध्वस्त कर दिया गया। राज्य के विजयवाड़ा के तोडेपल्ले जिले में पार्टी का यह कार्यालय बुलडोजर की मदद से ध्वस्त कर दिया गया।

इस केस में वाईएसआरसीपी ने सीएम चंद्रबाबू नायडू पर 'बदले की राजनीति' का आरोप लगाया है। पूर्व सीएम रेड्डी की पार्टी ने कहा कि उसने आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण की कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और एक रिट याचिका दायर की थी, जिसमें सुनवाई पूरी होने तक ताडेपल्ली में उनके केंद्रीय कार्यालय भवन के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के खिलाफ आदेश देने का अनुरोध किया गया था।

झुकेगी नहीं वाईएसआरसीपी

वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन ने कहा है कि चुनाव के बाद हो रही हिंसक घटनाओं और खून-खराबे ने इसके संकेत दे दिए हैं कि चंद्रबाबू नायडू सरकार के पांच साल का शासन कैसा रहने वाला है? इन धमकियों, हिंसा के इन कृत्यों से वाईएसआरसीपी न तो झुकेगी और न ही पीछे मुड़कर देखेगी। हम जनता की ओर से, जनता के लिए और जनता के साथ कड़ा संघर्ष करेंगे। मैं देश के सभी लोकतंत्रवादियों से अनुरोध करता हूं कि वे चंद्रबाबू नायडू सरकार के इस कृत्य की निंदा करें।

अधिकारियों ने कहा- परिसर की दीवार से सटी संरचनाओं को हटाया

आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार नगर निगम के अधिकारियों ने जगन के आवास के बाहर फुटपाथ पर टाइल लगाने का काम करने के लिए परिसर की दीवार से सटी संरचनाओं को हटाया।

उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया

वहीं इस मामले पर वाईएसआरसीपी नेता रवि चंद्र रेड्डी ने कहा कि बिना किसी प्रक्रिया का पालन किए बुलडोजरों ने वाईएसआरसीपी कार्यालय को ध्वस्त कर दिया। यह टीडीपी की शुद्ध प्रतिशोध की राजनीति है। बता दें कि इससे पहले 15 जून को प्राधिकरण ने हैदराबाद के तेलंगाना वाले हिस्से में जगन के लोटस पॉन्ड निवास के निकट फुटपाथ पर कुछ संरचनाओं को ध्वस्त किया था।

जगनमोहन ने बोला हमला दमनकंद किया जा रहा

बताया जा रहा है कि वाईएसआरसीपी का निर्माणाधीन केंद्रीय कार्यालय भवन कथित तौर पर 'अवैध रूप से कब्जे वाली' भूमि पर बनाया जा रहा था। इस आरोप को लेकर जगन की पार्टी ने कहा कि मामला अभी अदालत में विचाराधीन था, फिर भी टीडीपी सरकार ने वाईएसआरसीपी के कार्यालय पर बुलडोजर चलवा दिया जो कि बदले की नीति है। पूर्व सीएम जगन मोहन ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू अपने दमनकंद को एक नए स्तर पर ले गए। एक तानाशाह ने ताडेपल्ली में लगभग पूरा हो चुके वाईएसआरसी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पर बुलडोजर चला दिया। हाई कोर्ट के आदेशों की अनदेखी की गई। राज्य में कानून और न्याय तंत्र पूरी तरह से समाप्त हो गया है।

साय से मिले नागर

राजस्थान के ऊर्जा मंत्री ने छग में लांच किया डोजर पुश ऑपरेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने समुदाय-केंद्रित पहलों और परियोजना विकास कार्यों का आकलन करने के लिए सरगुजा में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के परसा ईस्ट केटे बासन ब्लॉक का दौरा किया। उन्होंने आरवीयूएनएल की तरफ से सरगुजा जिले के विकास के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। नागर ने कहा, पीईकेबी ब्लॉक की सफलता छत्तीसगढ़ और राजस्थान के बीच एक उपयोगी साझेदारी का परिणाम है। हम सरगुजा जिले के विकास में आरवीयूएनएल के योगदान पर गर्व करते हैं। राजस्थान सरकार स्थानीय समुदायों के साथ अपने बंधन को मजबूत करने एवं भविष्य में उनके सशक्तिकरण में और भी अधिक योगदान देने के लिए समर्पित है। आरवीयूएनएल का पीईकेबी ब्लॉक सरगुजा में संगठित क्षेत्र में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, जो लगभग 10,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इसने स्थानीय श्रमिकों को कोरबा, बिलासपुर और रायगढ़ जैसे अन्य जिलों में पलायन करने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नई परियोजना का उद्घाटन

नागर ने डोजर पुश ऑपरेशन भी लांच किया और पीईकेबी ब्लॉक में आरवीयूएनएल के संचालन के लिए अक्षय ऊर्जा का उपयोग करने के लिए नौ मेगावाट की सौर परियोजना का उद्घाटन किया। उन्होंने उस जंगल का भी दौरा किया, जहां पिछले दशक में कोयला खनन के बाद पुनः प्राप्त भूमि पर आरवीयूएनएल ने स्थानीय लोगों की मदद से 11.5 लाख पेड़ लगाए हैं। उन्होंने चालू वित्त वर्ष के दौरान अतिरिक्त 2.5 लाख पेड़ लगाने के लिए चल रहे अभियान की स्थिति पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय है कि हमने साल पेड़ के लिए नर्सरी विकसित करने में रिकॉर्ड कायम किया है। अपनी प्रतिबद्धता के रूप में नागर ने अंबिकापुर पर निर्भर स्थानीय समुदायों के लिए आधुनिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने पीईकेबी ब्लॉक के पास 25-बेड का आधुनिक सुविधाओं से लैस अस्पताल स्थापित करने की घोषणा की।

जोधपुर में सांप्रदायिक तनाव

ईंट और पत्थर से हमला, कई दुकानें फूंकी, चप्पे- चप्पे पर पुलिसबल तैनात

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

राजस्थान के जोधपुर जिले में शुक्रवार रात दो समुदाय के लोग आपस में भिड़ गए और उन्होंने एक दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस दौरान कई दुकानें व गाड़ियां फूंक दी।

पुलिस उन्हें रोकने के लिए वहां पहुंची तो उपद्रवियों ने उन पर भी हमला कर दिया। अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर बुलाकर हालात पर काबू पाया गया। हालांकि अभी भी पूरे इलाके में सांप्रदायिक तनाव बना हुआ है। चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस कार्रवाई से दोबारा किया पथराव

पुलिस के वहां पहुंचते ही सभी असामाजिक तत्व घरों में घुस गए। इसका फायदा उठाकर सबसे पहले पुलिस ने दमकल वाहनों को बुलाकर आग पर काबू पाया। इसके बाद पुलिस ने पथराव करने वाले लोगों को घरों से निकालना शुरू कर दिया। इसी कारण वहां दोबारा पथराव शुरू हो गया।

धार्मिक इमारत में गेट खोलने पर विवाद

सूरसागर क्षेत्र के व्यापारियों का मोहल्ला में दो पक्षों में लंबे समय से विवाद था। 2-3 दिन पहले भी नाबालिग बच्चों झगड़ा हुआ था, जिसके बाद परस्पर मुकदमा दर्ज करवाया था। शुक्रवार को एक पक्ष के लोग धार्मिक इमारत की दीवार में गेट खोलने लगे, जिसका दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध किया। यही विवाद बड़ा रूप ले लिया।

सुक्खू के 9 विधायकों वाले बयान से राज्य में हलचल बढ़ी

शिमला। सीएमसुखविंद्र सिंह सुक्खू के बयान के बाद प्रदेश में एक बार फिर से सियासी हलचल तेज हो गई है। सुक्खू ने भाजपा के 9अन्य विधायकों को अयोग्य घोषित करने के बयान से नया तीर छोड़कर भाजपा पर पलटवार किया है। इस मामले में कांग्रेस विधायकों की याचिका विधानसभा अध्यक्ष के पास विचाराधीन है। अब चर्चा है कि तीसरे उपचुनाव की नौबत आ सकती है।

जगन्नाथ प्रभु का जलयात्रा जुलूस

अहमदाबाद। अहमदाबाद में वार्षिक रथ यात्रा या रथ जुलूस से पहले जल यात्रा जुलूस के हिस्से के रूप में जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी और अन्य संत साबरमती नदी का पवित्र जल एक धातु के घड़े में भर रहे हैं।

दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में सभी राज्यों के वित्तमंत्रियों ने किया विचार-विमर्श

बजट पूर्व बैठक में सीतारमण से छग के वित्तमंत्री चौधरी ने रखे राज्यहित के कई प्रस्ताव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बजट पूर्व बैठक में छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने राज्यों को विशेष सहायता की राशि, स्टेट कैपिटल रीजन के विकास व राज्य में रेल नेटवर्क के विस्तार सहित राज्यहित के कई अहम प्रस्ताव व सुझाव रखे। दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान में बजट पूर्व बैठक में केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी के साथ ही अन्य राज्यों के वित्तमंत्री उपस्थित रहे।

बैठक में राज्य सरकार की ओर से वित्त मंत्री चौधरी ने भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में उठाए गए कदमों की सराहना की। उन्होंने देश में अधोसंरचना निर्माण, कौशल संवर्द्धन, उद्यमिता विकास, और आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों के माध्यम से कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रशासन और जनसुविधाओं के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की भी प्रशंसा की है।

राज्यहित के मुद्दे पर चौधरी ने कहा केंद्र द्वारा राज्यों को पूंजीगत निवेश हेतु विशेष सहायता के रूप में वर्ष 2020-21 से 50 वर्षों के लिए ब्याज रहित ऋण राशि उपलब्ध कराई जा रही है। अंतरिम बजट 2024-25 में इस योजना के लिये गत वर्ष के समान ही 1 लाख 30 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है, किन्तु पार्ट-1 अंतर्गत गत वर्ष के प्रावधान 1 लाख करोड़ को कम करते हुए 55 हजार करोड़ ही रखा गया है। उन्होंने इस योजना के लिए पूर्व की तरह राशि के प्रावधान का अनुरोध किया।

बैठक में स्टेट कैपिटल रीजन के विकास के लिए आर्थिक सहायता की जरूरत बताते हुए चौधरी ने कहा कि नवा रायपुर अटल नगर को देश के सबसे

सुनियोजित एवं ग्रीन सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य के सीमित संसाधनों से सड़क, पेयजल, विद्युत सुविधा, आवास तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया गया है, किन्तु रायपुर तथा दुर्ग-भिलाई के साथ मिलाकर एनसीआर की तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन के रूप में आधुनिक नगरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जाना है। उन्होंने इसे सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, बैंकिंग और ग्रीन एनर्जी के हब के रूप में विकसित करने के लिए बजट में पर्याप्त आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की।

राज्य में रेल नेटवर्क का विस्तार की मांग करते हुए चौधरी ने कहा कि छग में खनिज संसाधनों की प्रचुरता के कारण खदानों से खनिज का परिवहन पर्याप्त रेल नेटवर्क के अभाव में अधिकतर सड़क मार्ग से होता है। रेल द्वारा माल एवं यात्री परिवहन सड़क मार्ग की तुलना में सस्ता होने एवं औद्योगिक विकास के लिए कारण रेल नेटवर्क का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने राज्य में रेल सुविधाओं के विस्तार कार्यों की स्वीकृति का अनुरोध किया।

बैठक में वित्तमंत्री ने कहा कि भारत सरकार की एक भी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना छत्तीसगढ़ राज्य से नहीं गुजरती है। उन्होंने नागपुर-रायपुर-विशाखापटनम नवीन इंडस्ट्रियल कॉरीडोर विकसित करने अथवा वर्तमान प्रस्तावित कॉरिडोर से रायपुर को जोड़ने की जरूरत बताई। इसके अलावा उन्होंने राज्य में टेक्सटाइल पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना का भी अनुरोध किया। वित्तमंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत दुर्गम वन क्षेत्रों में निर्मित सड़कों के संधारण हेतु बजट में प्रावधान करने का अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने कहा केंद्रीय सुरक्षा बलों के कैंपों तक सड़क निर्माण के लिए भी बजट में प्रावधान किया जाए।

वित्तमंत्री ने रायपुर में वृद्धजनों के लिए इंटीग्रेटेड जिरियाट्रिक हेल्थ सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत बच्चों के लिए खाद्य सामग्री की दर और रसोइयों के मानदेय में वृद्धि का आग्रह किया।

डिजिटल ठग कर सकते हैं कंगाल, रहें सावधान

● शेयर मार्केट में पैसा लगाने से पहले एक बार जरूर विचार करें ● एनएसई ने भी इंस्टाग्राम व टेलीग्राम के हैंडल्स से किया सतर्क ● निवेशक डब्बा और इलीगल ट्रेडिंग से भी सावधान रहें

टेलीग्राम और इंस्टाग्राम चैनल्स पर बताए गए टिप्स से बचके रहें

●

ये करवा सकते हैं बड़े नुकसान, अपनी समझ से करें निवेश

अलर्ट

विनोद कौशिक

अगर आप भी शेयर बाजार में निवेश कर रहे हैं या करने जा रहे हैं तो कुछ बातें पल्ले बांध लें, वरना भारी नुकसान हो सकता है। सबसे जरूरी तो निवेश करने से पहले अपने लक्ष्य तय कर लें और सधी शुरूआत करें। निवेश करने के लिए पहले बाजार के बारे में जान लें, किताबें पढ़ें, अखबार पढ़ें या बाजार के जानकारों से सलाह भी ले सकते हैं, लेकिन निवेश अपनी समझदानी से ही करें। निवेश के लिए डिजिटल मचों के झांसे में न आएं, ये आपको कंगाल कर सकते हैं। खासकर इंस्टाग्राम, फेसबुक और टेलीग्राम चैनल्स के टिप्स लेकर निवेश करने से बचें। ये मंच आपको बड़ा चूना लगवा सकते हैं। इसलिए ध्यान रखें और खुद रिसर्च करने के बाद ही बाजार में उतरें। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी एनएसई ने भी निवेशकों को उस इंस्टाग्राम और टेलीग्राम चैनल के प्रति आगाह किया है जो निवेश से संबंधित टिप्स देने का दावा करते है। एक्सचेंज ने निवेशकों को डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग के माध्यम से ट्रेडिंग सर्विसेज प्रदान करने वाली एंटिटी के खिलाफ भी चेतावनी दी।

एनएसई की चेतावनी

एनएसई ने 'बीएसई_एनएसई_लेटेस्ट' नाम के इंस्टाग्राम हैंडल और टेलीग्राम चैनल 'भारत ट्रेडिंग यात्रा' के खिलाफ चेताया है। जो ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहे हैं और निवेशकों के ट्रेडिंग अकाउंट्स को हैंडल करने की पेशकश कर रहे हैं। निफ्टी ने अवैध ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले नंबर भी शेयर किए हैं।

एक अन्य रिलीज में यह कहा

एक रिलीज में एक्सचेंज ने 'बेयर एंड बुल प्लेटफॉर्म' और 'ईजी ट्रेड' से जुड़े आदित्य नाम के शख्स का जिक्र किया जो डब्बा/इलीगल ट्रेडिंग सर्विसेज मुहैया कराता है। एक्सचेंज ने इसके दो मोबाइल नंबर-8485855849 और 9624495573 भी पब्लिक किए हैं। एनएसई का कहना है कि यह शख्स एनएसई के किसी रजिस्टर्ड मेंबर के ऑथराइज्ड मेंबर या खुद किसी मेंबर के रूप में रजिस्टर्ड नहीं है।

रियल एस्टेट निवेश

रियल एस्टेट से जुड़े निवेश के ज़रिए जल्दी पैसे कमाने का वादा निवेशकों को लुभाता रहता है। रियल एस्टेट निवेश घोटाले निवेशकों के लिए हमेशा से एक जाल रहे हैं। राज्य प्रतिभूति विनियामक निवेशकों को रियल एस्टेट निवेश सेमिनारों के बारे में सावधान करते हैं, खासकर उन सेमिनारों के बारे में जिन्हें स्टॉक, बॉन्ड और म्यूचुअल फंड से जुड़ी अधिक पारंपरिक सेवानिवृत्ति योजना रणनीतियों के विकल्प के रूप में आक्रामक रूप से विपणन किया जाता है। इन सेमिनारों में उपस्थित लोगों को ऐसे लोगों के प्रशंसापत्र सुनने को मिल सकते हैं जो दावा करते हैं कि उन्होंने रियल एस्टेट में साधारण निवेश के माध्यम से अपनी आय दोगुनी या तिगुनी कर ली है, लेकिन ये दावे हवा-हवाई हो सकते हैं। सबसे लोकप्रिय निवेश पिचों में से दो तथाकथित हार्ड-मनी लेंडिंग और प्रॉपर्टी फ़्लिपिंग शामिल हैं।

भारतीय शेयर बाजार दुनिया में चौथे नंबर पर

बता दें कि भारत ने हांगकांग से चौथे सबसे बड़े ग्लोबल इक्विटी बाजार का टैग वापस ले लिया है। देश का मार्केट कैप बढ़कर 5.21 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। हांगकांग शेयर बाजार का मार्केट कैप 5.17 ट्रिलियन डॉलर है। इस तरह भारत दुनिया को चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन गया है।

क्रिप्टोकरेंसी निवेश

2017 में क्रिप्टोकरेंसी निवेश की मुख्यधारा में आ गई, क्योंकि बिटकॉइन के नेतृत्व में कुछ आभासी सिक्कों और टोकन के मूल्य आसमान छू गए। इसके तुरंत बाद, समाचारों में नई क्रिप्टोकरेंसी, कॉइन एक्सचेंज और संबंधित निवेश उत्पादों की कवरेज दिखाई दी। क्रिप्टो करोड़पतियों की कहानियों ने कुछ निवेशकों को क्रिप्टोकरेंसी या क्रिप्टो-संबंधित निवेशों में निवेश करने के लिए आकर्षित किया। लेकिन बड़ी बाजी लगाने और हारने वालों की कहानियां भी सामने आने लगीं और लगातार सामने आ रही हैं। क्रिप्टो क्रेज में कूदने से पहले, ध्यान रखें कि क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पाद पोंजी योजनाओं और अन्य धोखाधड़ी के लिए सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मुखौटे से ज़्यादा कुछ नहीं हो सकते हैं। क्योंकि ये उत्पाद मौजूदा संघीय/राज्य नियामक ढांचे में ठीक से नहीं आते हैं, इसलिए इन उत्पादों के प्रमोटरों के लिए आपको ठगना आसान हो सकता है। तद्नुसार, क्रिप्टोकरेंसी और संबंधित वित्तीय उत्पादों में निवेश को इस रूप में देखा जाना चाहिए। नुकसान के उच्च जोखिम के साथ अत्यधिक जोखिम भरा सट्टा।

निवेश धोखाधड़ी के प्रकार

उच्च ब्याज दरों का वादा

अक्सर देखने में आता है कि कम ब्याज दरों के माहौल में, उच्च ब्याज वाले वचन-पत्रों का वादा निवेशकों को लुभा सकता है, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और निश्चित आय पर जीवन-यापन करने वाले अन्य लोगों को। वचन पत्र भविष्य में किसी निश्चित समय पर या मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान (या पुनर्भुगतान) करने का लिखित वादा है। वचन पत्र आम तौर पर नोट की परिपक्वता से पहले या परिपक्वता के समय समय-समय पर ब्याज देते हैं। कंपनियां पूंजी जुटाने के लिए वचन पत्र बेच सकती हैं, और आमतौर पर उन्हें केवल परिष्कृत या संस्थागत निवेशकों को ही देती हैं। लेकिन सभी वचन पत्र इस तरह से नहीं बेचे जाते हैं। इसलिए ऐसे वचन पत्रों से सावधान रहने की जरूरत है।

पोन्ज़ी योजनाएं

पोन्जी योजना (जिसका नाम 1920 के ठग चार्ल्स पोन्जी के नाम पर रखा गया) एक चाल है, जिसमें पहले के निवेशकों को बाद के निवेशकों द्वारा जमा किए गए धन के माध्यम से भुगतान किया जाता है। चार्ल्स पोन्ज़ी ने अंतर्राष्ट्रीय डाक उत्तर कूपन पर आर्बिट्रेज लाभ से 40 प्रतिशत रिटर्न का वादा करके निवेशकों से 10 मिलियन डॉलर ठगे थे। पोंजी स्कीम में, अंतर्निहित निवेश दावे आमतौर पर पूरी तरह से काल्पनिक होते हैंञ बहुत कम, यदि कोई हो, तो वास्तविक भौतिक संपत्ति या निवेश आम तौर पर मौजूद होते हैं। जैसे-जैसे कुल निवेशकों की संख्या बढ़ती है और संभावित नए निवेशकों की आपूर्ति घटती जाती है, वादा किए गए रिटर्न का भुगतान करने और उन निवेशकों को कवर करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता है जो नकद निकालने की कोशिश करते हैं। पोंजी बुलबुला तब फटेगा जब ठग निवेशकों को अपेक्षित भुगतान नहीं दे पाएगा। जब योजना ध्वस्त हो जाती है (जैसा कि हमेशा होता है), तो निवेशक धोखाधड़ी में अपना पूरा निवेश खो सकते हैं। कई मामलों में, अपराधी ने निवेश की गई राशि को निजी खर्चों पर खर्च कर दिया होगा, जिससे फंड खत्म हो जाएगा और बुलबुला फटने की संभावना बढ़ जाएगी।

पिरामिड योजनाएं

ये भी धोखाधड़ी वाली मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीति है, जिसके तहत निवेशक अधिक से अधिक अन्य निवेशकों को भर्ती करके संभावित रिटर्न कमाते हैं। मल्टी-लेवल मार्केटिंग रणनीतियां आंतरिक रूप से धोखाधड़ी वाली नहीं हैं, और कई वैध मल्टी-लेवल मार्केटिंग कंपनियां हैं जो विभिन्न उपभोक्ता उत्पाद और सेवाएं प्रदान करती हैं। जो चीज बहु-स्तरीय विपणन रणनीति को धोखाधड़ी वाली पिरामिड योजना बनाती हैं, वह है वास्तविक अंतर्निहित निवेश उद्यम या उत्पाद का अभाव, जिसके आधार पर रणनीति को कायम रखने की उम्मीद की जा सके।

रिटर्न देने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं, बचाते हैं टैक्स

निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में चार ईएलएसएस फंडों ने 30,000 रुपये की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। टैक्स-सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों में निवेश की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है जो आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

महंगाई के इस दौर में हर कोई कमाई के चक्कर में रहता है। कोई बाजार में निवेश करके कमाता है तो कोई मेहनत मजदूरी करके कमाई करता है। हर कोई कोई अपने सुनहरे भविष्य के लिए निवेश भी करता है। बाजार में निवेश करने के ढेरों तरीके हैं। सबके अपने-अपने लाभ और नुकसान हैं। कुछ लोग तो टैक्स बचाने के लिए भी निवेश करते हैं। म्यूचुअल फंडों की बात करें तो ईएलएसएस फंड टैक्स बचाने और बढ़िया रिटर्न पाने का बेहतरीन तरीका हो सकते हैं। निवेशकों की कमाई करवाने में ईएलएसएस फंड भी पीछे नहीं है। ये फंड बढ़िया रिटर्न देने के साथ-साथ टैक्स बचाने के लिए भी जाने जाते हैं। निवेशकों में ये फंड भी काफी लोकप्रिय माने जाते हैं। पिछले 10 सालों में ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंडों का रिटर्न काफी अच्छा रहा है। करीब चार टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमों ने हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को इस अवधि में 1 करोड़ रुपये में बदल दिया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान लगभग 26 ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग म्यूचुअल फंड मार्केट में हैं। टैक्स सेविंग या ईएलएसएस स्कीमों की सलाह उन निवेशकों को दी जाती है कि जो आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाना चाहते हैं। निवेशक इन स्कीमों में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की टैक्स कटौती क्लेम कर सकते हैं। ईएलएसएस फंड तीन साल की लॉक-इन अवधि के साथ आते हैं। इसलिए से अच्छा रिटर्न दे जाते हैं।

स्कीमों ने बनाया करोड़पति

⏭तेजी से करोड़पति बनाने वालों में क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड कैटेगरी में सबसे ऊपर रहा है। इसने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.45 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसी अवधि में इस स्कीम ने 26.58% का एक्सआईआरआर दिया।

⏭बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में हर महीने 30,000 रुपये के एसआईपी निवेश को 1.10 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसने 21.46 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭सबसे पुराने ईएलएसएस या टैक्स सेविंग फंड एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने इस दौरान 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी को 1.01 करोड़ रुपये में बदल दिया। इसका एक्सआईआरआर 19.75% रहा।

⏭जेएम ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ रुपये में बदल दिया। एक्सआईआरआर 19.60% रहा।

●

कई निवेशकों को सिर्फ 10 साल में बना दिया करोड़पति

●

चार टैक्स सेविंग म्यूचुअल फंड स्कीमें कर रही मालामाल

●

ईएलएसएस फंड में तीन साल की लॉक-इन अवधि होती

●

30,000 की मासिक एसआईपी निवेश को 1 करोड़ में बदला

अन्य स्कीमों का रटिर्न

⏭प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ी टैक्स-सेविंग स्कीम एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने इस अवधि में 30,000 करोड़ रुपये के मासिक एसआईपी को 75.43 लाख रुपये में बदल दिया। इसने 14.27 फीसदी का एक्सआईआरआर दिया।

⏭ईएलएसएस या टैक्स-सेविंग फंडों ने पिछले 10 सालों में 30,000 रुपये के मासिक निवेश को 69.34 लाख रुपये से 96.60 लाख रुपये के बीच बदला। इन स्कीमों ने 12.69% से 18.90% के बीच एक्सआईआरआर की पेशकश की।

एलएसएस फंड क्या हैं

ईएलएसएस फंड इक्विटी फंड हैं जो अपने कोष का एक बड़ा हिस्सा इक्विटी या इक्विटी से संबंधित उपकरणों में निवेश करते हैं। ईएलएसएस फंड को टैक्स सेविंग स्कीम भी कहा जाता है, क्योंकि वे आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत आपकी वार्षिक कर योग्य आय से 150,000 रुपये तक की कर छूट प्रदान करते हैं। जैसा कि नाम से पता चलता है, ईएलएसएसफंड एक इक्विटी-उन्मुख योजना है जिसमें तीन साल की अनिवार्य लॉक-इन अवधि होती है। हाल के वर्षों में, कई करदाताओं ने कर लाभ प्राप्त करने के लिए ईएलएसएसयोजनाओं की ओर रुख किया है। यदि आप ईएलएसएसयोजनाओं में निवेश करते हैं, तो आप 150,000 रुपये की सीमा तक निवेश की गई राशि पर कर छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, तीन साल की अवधि के अंत में इस योजना के तहत आपको जो आय होगी, उसे लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाएगा और उस पर 10% कर लगेगा (यदि आय 1 लाख रुपये से अधिक है)।

निवेश के दौरान प्रतिभूति बाज़ार की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम करें

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट और कमोडिटी आदि के बीच बांट देना। इससे आप बिना प्रभावित हुए अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं।

जानकारी

प्रतीक ओसवाल

प्रतिभूति बाज़ार (स्टॉक मार्केट) में निवेश रोमांचक और भयभीत करने वाला हो सकता है, खासतौर पर नए निवेशकों के लिए। नए निवेशकों के लिए सबसे अधिक चिंता का विषय होता है बाज़ार की अस्थिरता, जो बाज़ार भावों में उतार चढ़ावकी आवृत्ति और सीमा को दर्शाते हैं। दीर्घावधि निवेश में सफलता प्राप्त करने के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि बाज़ार भावों की अस्थिरता का प्रभाव कैसे कम किया जाए और उसे कैसे प्रबंधित किया जाए। आइए, हम चर्चा करते हैं कि कैसे एक निवेशक बाज़ार के उतार चढ़ावों सेअधिक प्रभावित हुए बिना आत्मविश्वासपूर्वक निवेश कर सकता है। अस्थिरता निवेश बाज़ार से संबंधी एक शब्द है जो बाज़ार भावों के अप्रत्याशित और तेज उतार चढ़ावों के समय को परिभाषित करता है। अधिकतर, इसे प्रतिफल के मानक विचलन और अस्थाई गिरावट से मापा जाता है। आमतौर पर उन निवेशकों के लिए जो दीर्घअवधि निवेशपर केंद्रित होते हैं, भावों का दैनिक विचलन इतनामायने नहीं रखता, किन्तु 15-20%+ की गिरावट, जो हर कुछ सालों में होती है, उनके डर का सबसे बड़ा कारण है। आइए समझें कि इससे कैसे निपटा जा सकता है।

विविधीकरण

अस्थिरता कम करने का सबसे प्रभावशाली उपाय है विविधीकरण। विविधीकरण अर्थात अपने निवेश को विभिन्न संपत्ति वर्गों, जैसे स्टॉक्स, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और कमोडिटी आदि के बीच बाँट देना। यह रणनीति जोखिम को कम कर सकती है,क्योंकि अलग अलग एसेट वर्ग कई बार समान परिस्थिति में अलग प्रदर्शन करते हैं। म्यूचूअल फंड एक ही स्टॉक में निवेश के जोखिम को कम करते हैं, और संपत्ति का आवंटन संपत्ति वर्ग के जोखिम को। परंतु दोनों के माध्यम से, निवेशक अस्थिरता के प्रभाव को व्यापक तौर पर कम कर सकते हैं। इसके दूसरे तरीकों में शामिल हैं।

हाइब्रिड फंड: यह फंड ऋण और इक्विटी निवेशों का मिश्रण होते हैं। ऋण का इक्विटी के साथ मिश्रण हाइब्रिड (मिश्रित) फंडों को वृद्धि और स्थिरता संतुलित करने में सक्षम बनाता है। ऐतिहासिक रूप से,हाइब्रिड रणनीतियों ने तुलनात्मक रूप से अस्थिरता को प्रभावी रूप से कम करते हुए स्थिर प्रतिफल प्रदान किये हैं।

मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो : हायब्रिड फंडों से भी एक कदम आगे, मल्टी-एसेट पोट्फोलीओ इक्विटी, अंतर्राष्ट्रीय इक्विटी, ऋण और सोने (गोल्ड) के मिश्रण से बने होते हैं। यह रणनीति विभिन्न ऐसेट वर्गों के बीच निम्न सहसंबद्धता बनाती है, जिससे एक ऐसा मजबूत पोट्फोलीओ बनता है, जो कम अस्थिरता के साथ इक्विटी निवेश के समान प्रतिफल देने में सक्षम होता है। ऊपर दी गई दोनों रणनीतियाँ कम जोखिम के साथ दीर्घ-अवधि में प्रतिफल देती हैं।

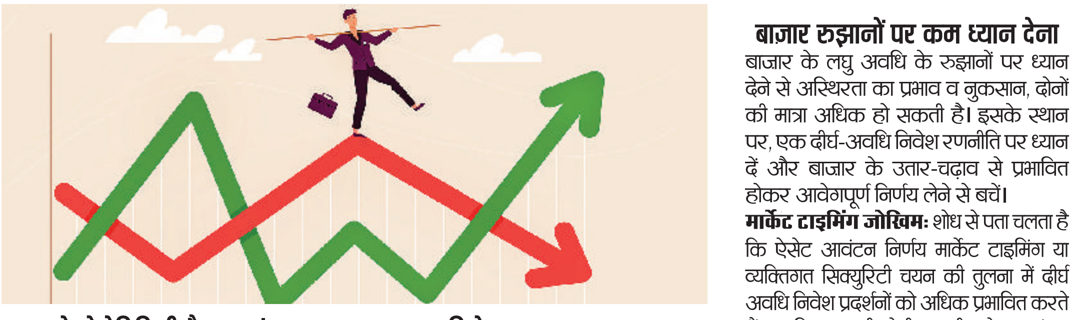

लो वोलेटिलिटी फैक्टर फंड

अस्थिरता कम करने के लिए एक अन्य रणनीति है, निम्न-अस्थिरता वाले लो-वोलेटिलिटी फैक्टर फंडों में निवेश करना। हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंडों, जिनमें निवेशकों को कम जोखिम के बदले प्रतिफल से समझौता करने की जरूरत पड़ सकती है, की तुलना में लो-वॉलेटिलिटी फंड कम अस्थिरता के साथ इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने का लक्ष्य रखते हैं। यह फंड ऐसे स्टॉक्स पर केंद्रित होते हैं जिनमें व्यापक बाजार के मुकाबले भावों का उतार चढ़ाव कम होता है, जिससे निवेश सुचारू रूप से होता है। लो- वॉलेटीलिटी इंडेक्स फंड: यह फंड उनकी पिछले समय की अस्थिरता के आधार पर स्टॉकों का चयन करते हैं, जिनका उद्धेश्य ऐसा पोट्फोलीओ बनाना होता है, जिसमें भावों का तेज उतार चढ़ाव कम होता हो। लो-वॉलेटिलिटी फंडों ने पारंपरिक इक्विटी फंडों के समान प्रतिफल देने की संभावना दिखाई है और इनमें जोखिम भीकम होता है। यह उन रूढ़िवादी निवेशकों के लिए आकर्षक फंड होते हैं, जो इक्विटी के समान प्रतिफल प्राप्त करना चाहते हैं।

निवेश दायरा बढ़ाना

जितने समय के लिए आप निवेश रोकते हैं, वह आप पर अस्थिरता के प्रभाव को प्रभावित करता है। लघु अवधि निवेश बाज़ार के उतार चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जबकि दीर्घ अवधि के लिए किए गए निवेश से इन उतार चढ़ावों का प्रभाव कम हो जाता है, जिससे व्यापक रूप से जोखिम कम होता है।

निवेश दायरा: शोधों से पता चलता है कि प्रतिफल की अस्थिरता लंबी निवेश अवधि के साथ कम होती जाती है। उदाहरण के लिए, 1-6 वर्षों की शुरुआती अवधि के लिए प्रतिफल की अस्थिरता महत्वपूर्ण रूप से उच्च होती है परंतु यह 6 से 7 वर्षों के बाद महत्वपूर्ण रूप से कम भी हो जाती है। यहाँ तक कि उच्च रूप से अस्थिर माइक्रो कैप स्टॉक्स भी निवेश अवधि बढ़ाने पर कम प्रतिफल अस्थिरता दर्शाते हैं।

एसआईपी में निवेश: बाज़ार परिस्थितियों पर ध्यान न देते हुए नियमित रूप से निवेश भी अस्थिरता के प्रभाव को कम कर सकता है। यह योजनाएं भाव कम होने पर अधिक शेयर खरीदने और भाव बढ़ने पर कम शेयर खरीदने की स्वतंत्रता देती हैं, जिससे कि समय के साथ साथ खरीद की लागत औसत होती जाती है।

बाज़ार रुझानों पर कम ध्यान देना

बाज़ार के लघु अवधि के रुझानों पर ध्यान देने से अस्थिरता का प्रभाव व नुकसान, दोनों की मात्रा अधिक हो सकती है। इसके स्थान पर, एक दीर्घ-अवधि निवेश रणनीति पर ध्यान दें और बाज़ार के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होकर आवेगपूर्ण निर्णय लेने से बचें।

मार्केट टाइमिंग जोखिम: शोध से पता चलता है कि ऐसेट आवंटन निर्णय मार्केट टाइमिंग या व्यक्तिगत सिक्युरिटी चयन की तुलना में दीर्घ अवधि निवेश प्रदर्शनों को अधिक प्रभावित करते हैं। इसलिए, अच्छी सोची समझी एसेट आवंटन रणनीति मार्केट टाइमिंग के अनुसार निर्णय लेने के मुकाबले बेहतर परिणाम दे सकती है।

सामयिक पोर्टफोलियो समीक्षा

नियमित रूप से पोट्फोलीओ की समीक्षा अनिवार्य है, परंतु अपने निवेशों की समीक्षा बार बार करने से बचना भी महत्वपूर्ण है। अधिक बारसमीक्षा करने से भावनात्मक निर्णय लेने की संभावना बढ़ जाती है और अस्थिरता से प्रभावित होने की भी।

समीक्षा आवर्तन: आवधिक समीक्षा, जैसे त्रैमासिक या अर्द्धवार्षिक, की सलाह दी जाती है। यह तरीका दीर्घ अवधि लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए मदद करता है और लघु अवधि उतार चढ़ाव के कारण होने वाली चिंता कम कम करता है।

निष्कर्ष: स्टॉक बाजार में अस्थिरता का प्रभाव कम करने की रणनीतियों में जानकारी युक्त निर्णय लेना, निवेश का विविधीकरण, निवेश दायरा बढ़ाना, बाज़ार रुझानों पर ध्यान न देना, पोर्टफोलियो की सामयिक समीक्षा और लो-वॉलेटिलिटी फैक्टर फंडों पर ध्यान देना शामिल है। इन रणनीतियों को अपनाकर, बाज़ार में निवेश कर सकते हैं।

(लेखक पैसिव फंड व्यवसाय, मोतीलाल ओसवाल एएमसी के प्रमुख हैं)

कई म्यूचुअल फंड स्कीमों ने निवेशक कर दिए मालामाल

23 स्कीमों में एक साल में मिला 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न

क्वांट वैल्यू फंड 75.85% रिटर्न के साथ पहले स्थान पर रहा

क्वांट मिड कैप फंड 74.72% रिटर्न के साथ दूसरे स्थान पर

सुझाव

बिजनेस डेस्क

इस साल म्यूचुअल फंड की स्कीमों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। इन स्कीमों ने 60 फीसदी से अधिक रिटर्न दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड की 23 स्कीमों ने 60 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। रिपोर्ट में किए गए विश्लेषण में 249 इक्विटी म्यूचुअल फंडों को शामिल किया गया था, जिन्होंने बाजार में एक साल पूरा कर लिया है। सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले दो फंड क्वांट म्यूचुअल फंड के थे। इसमें क्वांट वैल्यू फंड सबसे ऊपर रहा, जिसने पिछले एक साल में 75.85 फीसदी रिटर्न दिया। इसी अवधि में क्वांट मिड कैप फंड ने 74.72 फीसदी रिटर्न दिया। आईटीआई मिड कैप फंड ने पिछले एक साल में 72.53 फीसदी रिटर्न दिया। बंधन स्मॉल कैप फंड और जेएम मिडकैप फंड ने इसी अवधि में 71.45 फीसदी और 70 फीसदी रिटर्न दिया। क्वांट स्मॉल कैप फंड और महिंद्रा मनुलाइफ स्मॉल कैप फंड ने एक साल में 66.42% और 66.04% रिटर्न दिया। जेएम म्यूचुअल फंड की दो स्कीमों-जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और जेएम वैल्यू फंड ने पिछले एक साल में 64.40% और 64.23% रिटर्न दिया। फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कंपनीज फंड ने इसी अवधि में 60.98% रिटर्न दिया। मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड से इसी अवधि में 60.89% और 60.79% रिटर्न मिला। ध्यान देने वाली बात यह है कि किसी भी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी की सबसे बड़ी स्कीमों ने पिछले एक साल में 60% से ज्यादा रिटर्न नहीं दिया है।

पांच क्वांट म्यूचुअल फंड

बेहतर रिटर्न देने वाली इन 23 स्कीमों में से पांच क्वांट म्यूचुअल फंड और तीन-तीन जेएम म्यूचुअल फंड और एचएसबीसी म्यूचुअल फंड की हैं। दो-दो महिंद्रा मनुलाइफ म्यूचुअल फंड और आईटीआई म्यूचुअल फंड से हैं। एक-एक स्कीम बंधन म्यूचुअल फंड, बैंक ऑफ इंडिया म्यूचुअल फंड, फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, इन्वेस्को म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड से हैं।

बाकी का कैसा प्रदर्शन

बाकी 226 इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने पिछले एक साल में 18.86% और 59.90% के बीच रिटर्न दिया। एचडीएफसी मिड-कैप अपॉर्चुनिटीज फंड ने इसी अवधि में 55.10% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा मिड कैप फंड है। प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़े ईएलएसएस फंड एक्सिस ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड ने पिछले एक साल में 29.48% रिटर्न दिया। पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड ने इसी अवधि में 36.83% रिटर्न दिया। यह प्रबंधित संपत्ति के आधार पर सबसे बड़ा फ्लेक्सी कैप फंड है।

सभी कटेगरी शामिल दे रही बढ़िया मुनाफा

विश्लेषण में सभी इक्विटी म्यूचुअल फंड कैटेगरी जैसे लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड कैप, लार्ज एंड मिड कैप, स्मॉल कैप, फोकस्ड फंड, ईएलएसएस, मल्टी कैप, वैल्यू और कॉन्ट्रा फंड शामिल किए गए थे। हालांकि यह ध्यान रखें की विश्लेषण के आधार पर निवेश या निकासी के फैसले नहीं लेने चाहिएं। निवेश का कोई भी फैसला लेने से पहले हमेशा अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, निवेश की अवधि और लक्ष्य पर विचार करना चाहिए। इसके बाद ही निवेश के क्षेत्र में कदम रखना चाहिए। हर साल में अलग-अलग म्यूचुअल फंड का प्रदर्शन अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेश करने से पहले बाजार के बारे में जानकारी जुटा लें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी और रिस्क भी खत्म होगा। हालांकि म्यूचुअल फंड में लंबे समय तक निवेश करना लाभकारी माना गया है। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते समय आरगेट लंबा रखें, तभी अच्छा मुनाफा मिल सकेगा।

इन स्कीमों का दमदार प्रदर्शन

स्कीम	रिटर्न (%)
क्वांट वैल्यू फंड	75.85
क्वांट मिड कैप फंड	74.72
आईटीआई मिड कैप फंड	72.53
बंधन स्मॉल कैप फंड	71.45
जेएम मिडकैप फंड	70.00
क्वांट लार्ज एंड मिड कैप	68.10
बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप	67.21
आईटीआई स्मॉल कैप फंड	67.02
क्वांट स्मॉल कैप फंड	66.42
महिंद्रा मैनुलाइफ स्मॉल कैप फंड	66.04
इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड	65.02
जेएम फ्लेक्सीकैप फंड	64.40
जेएम वैल्यू फंड	64.23
एचएसबीसी मिडकैप फंड	64.21
आईसीआईसीआई प्रू मिडकैप फंड	62.74
महिंद्रा मैनुलाइफ मिड कैप फंड	62.48
क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड	61.57
एचएसबीसी वैल्यू फंड	61.20
निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड	61.07
कोटक मल्टीकैप फंड	60.98
फ्रैंकलिन इंडिया स्मॉलर कॉस फंड	60.98
मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड	60.89
एचएसबीसी मल्टी कैप फंड	60.79

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने वर्ल्ड कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

एजेंसी ▶▶| अंताल्या

भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

ज्योति, अदिति स्वामी और परनीत ने रचा इतिहास

235-227 से क्वार्टर में एल साल्वाडोर को हराया

234-227 से सेमीफाइनल मैच में तुर्किये को रौंदा

232-229 से फाइनल में एस्टोनियाई तिकड़ी को हराया

साल का तीसरा और लगातार चौथा गोल्ड

भारतीय विमेंस टीम का कंपाउंड में वर्ल्ड कप में यह लगातार चौथा गोल्ड है। इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर ने इस साल के तीन वर्ल्ड कप में गोल्ड जीतने से पहले पिछले साल पेरिस में हुए चौथे वर्ल्ड कप में भी गोल्ड जीता था। वहीं भारतीय टीम की वर्ल्ड कप में यह लगातार 13वीं जीत है। भारतीय टीम 2023 मेडेलिन वर्ल्ड कप से एक भी मैच नहीं हारी है। मेडेलिन वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

फाइनल का रोमांच

फाइनल में पहले राउंड में भारतीय तिकड़ी ने 58-57 की बढ़त ली। दूसरे राउंड में दोनों टीमों ने 57-57 शॉट लगाए। जिसके बाद एक्स्ट्रा पांच शॉट मिले, जिसमें भारतीय टिकड़ी एक अंक से आगे रही। वहीं आखिरी राउंड में भी भारतीय तिकड़ी ने 58 शॉट लगाए, जबकि एस्टोनिया की टीम 57 शॉट ही लगा पाई। इस तरह भारतीय टीम ने 232-229 से हरा दिया।

खबर संक्षेप

महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं : दीप्ति

बेंगलुरु। सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी। दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।'

डिकॉक की पारी ने अंतर पैदा किया

ग्रॉस आइलेट। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने स्वीकार किया कि टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में उनके बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक की तरह आक्रामकता नहीं

दिखा पाए। डिकॉक ने 38 गेंद पर 65 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका छह विकेट पर 163 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम छह विकेट पर 156 रन ही बना पाई। बटलर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'जिस तरह से डिकॉक ने बल्लेबाजी की उससे वास्तव में हम पर दबाव आ गया था। उसने कुछ शानदार शॉट खेले और हम उसकी बराबरी नहीं कर पाए। मेरा मानना है कि उसकी पारी ने मैच में अंतर पैदा किया।'

अदिति ने महिला पीजीए में कट हासिल किया

समामीश। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में लचर प्रदर्शन के बावजूद यहां केपीएमजी महिला पीजीए चैंपियनशिप में कट हासिल करने में सफल रहीं। महिला गोल्फ में 30वें मेजर टूर्नामेंट में खेल रही अदिति ने दूसरे दौर मे पांच बोगी से 77 का स्कोर बनाया। दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर पांच ओवर 149 है। अदिति संयुक्त रूप से 64वें स्थान पर चल रही हैं। वह अगस्त में पेरिस में अपने तीसरे ओलंपिक में हिस्सा लेंगी।

मार्क जोथनपुइया ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े

कोलकाता। ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को भारत के उभरते हुए अंडर-23 खिलाड़ी मार्क जोथनपुइया के साथ तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह करार 2026-27 सत्र के आखिर तक प्रभावी रहेगा। जोथनपुइया के पास मिडफील्ड और रक्षापंक्ति दोनों जगहों पर खेलने की क्षमता हैं।

टी-20 विश्व कप: लगातार दूसरी जीत से सेमीफाइनल का दावा मजबूत किया

पंड्या-कुलदीप ने दिखाया दम, भारत ने बांग्लादेश को 50 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| नॉर्थ साउंड (एंटीगा)

हार्दिक पंड्या के तेजतर्रार अर्धशतक के बाद कुलदीप यादव के फिरकी के जादू से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में शनिवार को यहां बांग्लादेश को 50 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत के साथ सेमीफाइनल के लिए अपना दावा बेहद मजबूत किया। इस जीत से भारत के ग्रुप एक में दो मैच में दो जीत से चार अंक हो गए हैं और टीम शीर्ष पर है। ऑस्ट्रेलिया एक मैच में दो अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। लगातार दूसरी हार झेलने वाले बांग्लादेश और अफगानिस्तान का अभी खाता भी नहीं खुला है। भारत के 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम कुलदीप (19 रन पर तीन विकेट), जसप्रीत बुमराह (13 रन पर दो विकेट) और अर्शदीप (30 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 146 रन ही बना सकी। बांग्लादेश की ओर से कप्तान नजमुल हुसैन शंटो ने सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन ने 29 और रिशाद हुसैन ने 24 रन की पारी खेली। इससे पहले पंड्या (नाबाद 50 रन, 27 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक के अलावा विराट कोहली (37), ऋषभ पंत (36) और शिवम दुबे (34) की उपयोगी पारियों से भारत ने पांच विकेट पर 196 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से तंजीम हसन साकिब ने 32 जबकि रिशाद हुसैन ने 43 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश ने सतर्क शुरुआत करते हुए पावर प्ले में लिटन दास (13) का विकेट गंवाकर 42 रन बनाए। तंजीद ने अर्शदीप पर चौके से खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में भी दो चौके मारे।

भारत-196/5 (20)

खिलाड़ी	रन
रोहित का जाहिर बो शाकिब	23
विराट कोहली बो तंजीम	37
ऋषभ पंत का तंजीम बो रिशाद	36
सूर्यकुमार का लिटन बो तंजीम	06
शिवम दुबे बो रिशाद	34
हार्दिक पंड्या नाबाद	50
अक्षर पटेल नाबाद	03

अतिरिक्त: 07
कुल: 20 ओवर में पांच विकेट पर: 196 रन
विकेट पतन: 1-39, 2-71, 3-77, 4-108, 5-161
गेंदबाजी: मेहदी हसन 4-0-28-0, शाकिब 3-0-37-1, तंजीम 4-0-32-2, मुस्ताफिजुर 4-0-48-0, रिशाद 3-0-43-2, महमूदुल्ला 2-0-8-0

बांग्लादेश-146/8 (20)

खिलाड़ी	रन
लिटन का सूर्यकुमार बो पंड्या	13
तंजीद पगबाधा बो कुलदीप	29
हुसैन का अर्शदीप बो बुमराह	40
तौहीद हृदय पगबाधा बो कुलदीप	04
शाकिब का रोहित बो कुलदीप	11
महमूदुल्लाह का अक्षर बो अर्शदीप	13
जाकिर का अर्शदीप बो कोहली	01
हुसैन का रोहित बो बुमराह	24
मेहदी हसन नाबाद	05
तंजीम हसन साकिब नाबाद	01

अतिरिक्त: 05
कुल:20 ओवर में आठ विकेट: 146 रन
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-30-2, बुमराह 4-0-13-2, अक्षर 2-0-26-0, पंड्या 3-0-32-1, जडेजा 3-0-24-0, कुलदीप 4-0-19-3

अफगानिस्तान के सामने आस्ट्रेलिया की चुनौती

किंग्सटाउन। भारत से हारने के बाद अफगानिस्तान को रविवार को यहां टी20 विश्व कप सुपर आठ ग्रुप एक के अपने दूसरे मुकाबले में आस्ट्रेलिया की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। सुपर आठ के अपने पहले मुकाबले में भारत से 47 रन से हारने वाली अफगानिस्तान की टीम काफी दबाव में होगी, उस पर जीत ही नहीं बल्कि नेट रन रेट सुधारने का दबाव भी होगा। अफगानिस्तान -2.350 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है और उसके लिए इसे बेहतर करना और साथ ही ग्रुप की अंक तालिका में ऊपर की ओर बढ़ना मुश्किल काम होगा जिसमें बांग्लादेश भी शामिल है।

अमेरिका के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा इंग्लैंड

ब्रिजटाउन। गत चैंपियन इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में अगर अपनी उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो उसे अमेरिका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी और ऐसे में उसके 'पावर हिटर' की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। वेस्टइंडीज की अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत से इस ग्रुप में सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ रोमांचक हो गई है।

वेस्टइंडीज ने अमेरिका को 65 गेंद में 9 विकेट से रौंदा

एजेंसी ▶▶| ब्रिजटाउन

रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल की शानदार गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज शाई होप की धमाकेदार पारी की मदद से वेस्टइंडीज अपने सह मेजबान अमेरिका को 55 गेंद शेष रहते हुए 9 विकेट से हराकर टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों को पंख लगाए।

सुपर 8 के ग्रुप 2 के अपने पहले मैच में इंग्लैंड से हारने वाले वेस्टइंडीज के लिए इस मैच में सब कुछ सकारात्मक रहा। उसने पहले टॉस जीता और फिर अमेरिका की पूरी टीम को 19.5 ओवर में 128 रन पर आउट कर दिया। वेस्टइंडीज ने इसके बाद होप की 39 गेंद पर खेली गई नाबाद 82 रन की पारी की मदद से केवल 10.5 ओवर में एक विकेट पर 130 रन बनाकर अपने नेट रन रेट में बहुत सुधार किया। वेस्टइंडीज को अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए दक्षिण अफ्रीका को हराना होगा। इंग्लैंड अगर अपने अगले मैच में अमेरिका को हरा देता है तब भी वेस्टइंडीज आगे बढ़ सकता है क्योंकि अभी उसका नेट रन रेट दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से बेहतर है।

पूरन बने सिक्सर किंग

पूरन ने 12 गेंद पर नाबाद 27 रन बनाए। वह इस टूर्नामेंट में अभी तक 17 छक्के लगा चुके हैं जो किसी एक टी20 विश्व कप में नया रिकॉर्ड है। पूरन ने वेस्टइंडीज के अपने पूर्व साथी क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2012 में 16 छक्के लगाए थे। होप ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया और चार्ल्स के साथ पहले विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की। उन्होंने छक्के लगाने के अपने कौशल का खुलकर प्रदर्शन किया तथा अपनी पारी के दौरान मिलिंद कुमार पर लगातार तीन छक्के भी लगाए। होप ने विजयी छक्का लगाकर वेस्टइंडीज को लक्ष्य तक पहुंचाया।

चोटिल एंडी लेंगे सर्जरी का सहारा

एजेंसी ▶▶| लंदन

पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे विंबलडन या पेरिस ओलंपिक में खेलने की कोशिश के बारे में कोई फैसला लेने से पहले पीठ की चोट से निपटने के लिए शनिवार को सर्जरी करवाएंगे। सैंतीस साल के मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं।

चेन्नईयिन ने कोनोर का अनुबंध बढ़ाया

चेन्नई। चेन्नईयिन एफसी ने शनिवार को फॉरवर्ड कोनोर शील्ड्स का अनुबंध एक साल तक बढ़ा

दिया जिससे वह 2025 तक क्लब से जुड़े रहेंगे। वह 2023 में मदरवेल एफसी से चेन्नईयिन एफसी से जुड़े थी। वह क्लब के लिए 27 मैच खेलकर पांच गोल कर चुके हैं जबकि चार गोल करने में मदद कर चुके हैं। क्लब ने एक विज्ञप्ति में कहा कि स्कॉटलैंड का यह 26 साल का खिलाड़ी अब चेन्नईयिन एफसी का अहम हिस्सा बन गया है और कई मौकों पर क्लब की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है।

एमबापे नहीं खेले, फ्रांस-नीदरलैंड का मैच रहा ड्रॉ

लीपजिग। स्टार स्ट्राइकर काइलियन एमबापे पिछले मैच में लगी चोट के कारण नहीं खेल पाए जिसका फायदा उठाकर नीदरलैंड ने यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के मैच में फ्रांस को गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। फ्रांस की ऑस्ट्रिया के खिलाफ पिछले मैच में 1-0 से जीत के दौरान एमबापे की नाक में चोट लग गई थी और उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध था। एमबापे ने गुरुवार को मास्क पहनकर अभ्यास किया था और फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स को उम्मीद थी कि यह स्टार फुटबॉलर नीदरलैंड के खिलाफ मैच तक फिट हो जाएगा। उन्होंने हालांकि नीदरलैंड के शारीरिक रूप से मजबूत डिफेंडरों के सामने एमबापे को उतारने का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा।

महिला क्रिकेट : भारत को दूसरे मैच में करना पड़ा संघर्ष

आज द.अफ्रीका पर क्लीन स्वीप करने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

पहले दो मैच में हर तरह की चुनौती का डटकर सामना करने वाली भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को जीतकर श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने श्रृंखला का पहला मैच आसानी से जीता लेकिन दूसरे मैच में उसे कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

पहले मैच में भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 99 रन के स्कोर से उबरकर 260 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद इस स्कोर का अच्छी तरह से बचाव किया।पिछले मैच में हालांकि लॉरा वोल्वार्ड्ट और मारिजाने कैप ने शतक बनाकर भारतीय गेंदबाजों की नहीं चलने दी और अंतिम गेंद तक मैच को रोमांचक बनाए रखा।

स्मृति मंधाना के दो लगातार शतक

भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने पहले दो मैच में 117 और 136 रन बनाए और इस तरह से लगातार दो वनडे मैच में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी। भारतीय उप कप्तान अपने इस रिकार्ड को और बेहतर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पिछले मैच में 88 गेंद पर 103 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की लेकिन सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा रन बनाने के लिए जूझ रही हैं जो भारतीय टीम प्रबंधन के लिए भी चिंता का विषय होगा।

गेंदबाजों को मिलेगा मौका

भारत पहले ही श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और ऐसे में टीम प्रबंधन गेंदबाज श्रेयंका पाटिल, सायका इशाक और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रिया पूनिया को मौका दे सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो वह इस मैच में जीत दर्ज करके आईसीसी महिला वनडे चैंपियनशिप के लिए कम से कम दो अंक हासिल करने की कोशिश करेगा जो अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

एक जुलाई से होगा लंका प्रीमियर लीग का आगाज

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

वानिंदु हसरंगा की अगुवाई में एंजेलो मैथ्यूज, इसुरु उदाना, महीश तीक्षाना और कुसल मेंडिस जैसे श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी एक जुलाई से शुरू होने वाली लंका प्रीमियर लीग के पांचवें सत्र में विभिन्न टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्रीलंका के अलावा दुनियाभर के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी इस लीग में खेलते दिखेंगे, जिनमें न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स और मार्क चैपमैन, बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान और तास्किन अहमद, पाकिस्तान के शादाब खान और आगा सलमान, वेस्टइंडीज के आंद्रे फ्लेचर और फैबियन एलन, अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान और नूर अहमद तथा दक्षिण अफ्रीका के रिले रोसेउ और रीजा हेंड्रिक्स जैसे नाम शामिल हैं। एक जुलाई से 21 जुलाई तक आयोजित होने वाली इस लीग में कोलंबो स्ट्राइकर्स, दांबुला सिक्सर्स, गॉल मार्वल्स, जाफना किंग्स और कैंडी की फ्रेंचाइजी भाग लेगी। पांचों टीम लीग चरण में 16 जुलाई तक एक दूसरे का दो बार सामना करेंगी। इसके प्ले ऑफ का आयोजन 18 जुलाई से होगा।

असेंबली लाइन स्थापित करने पर विचार

दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी लॉकहीड मार्टिन भारत में सी 130 जे सुपर विमान बनाएगी

सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस की फैक्ट्री लगाने पर बात

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की आपूर्ति करने के सौदे को हासिल करने के लिए कई दिग्गज मैदान में उतर रहे हैं, जिनमें से एक दुनिया की सबसे बड़ी हथियार बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन भी शामिल है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लॉकहीड मार्टिन वही कंपनी है, जिसने अमेरिका के लिए पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान जी-35 और एफ-22 का निर्माण किया है और अब ये अमेरिकी रक्षा दिग्गज, मेक इन इंडिया के तहत भारत में विशेष ऑपरेशन विमान सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस के लिए असेंबली लाइन स्थापित करने पर विचार कर रहा है।

लॉकहीड मार्टिन और महिंद्रा के बीच हुआ एमओयू

लॉकहीड मार्टिन का यह बयान एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी और महिंद्रा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बाद आया है। सी-390 मिलेनियम एक मल्टी-मिशन, ट्विन-इंजन, जेट-संचालित, सामरिक परिवहन विमान है। यह बाजार में सबसे आधुनिक सैन्य परिवहन विमान है, जो अन्य मध्यम आकार के सैन्य परिवहन विमानों की तुलना में ज्यादा पेलोड (26 टन) ले जा सकता है, और 870 किमी/घंटा (470 नॉट) की गति से उड़ान भर सकता है। यह 2019 में ब्राज़ीलियाई वायु सेना में शामिल हुआ। तब से, इसे ब्राज़ीलियाई वायु सेना, पुर्तगाली वायु सेना, हंगेरियन वायु सेना, ऑस्ट्रियाई वायु सेना, चेक गणराज्य वायु सेना और रॉयल नीदरलैंड वायु सेना में शामिल किया गया है। दक्षिण कोरिया ने दिसंबर 2023 में इसे चुना था।

भारत को चाहिए परिवहन एयरक्राफ्ट

दरअसल, इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) अपने एडवांस रूसी अल्ल-32 परिवहन विमान बेड़े को बदलने की योजना बना रही है। आईएएफ लगभग 100 विमानों का संचालन करता है, जो 2031-32 में 44 साल की सेवा पूरी कर लेंगे और उसके बाद उन्हें बारी-बारी से रिटायर करने की योजना बनाई गई है। इंडियन एयरफोर्स ने शुरू में रूस के साथ एक संयुक्त विकास परियोजना के तहत एमटीए खरीदने की योजना बनाई थी। और दोनों देशों ने 2012 में विमान के सह-विकास के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस सौदे के तहत भारत को ऐसे 45 विमान खरीदने थे और रूस करीब 100 विमान खरीदता।

लेकिन 2016 में दोनों देशों के बीच विमान के इंजन और डिजाइन के बारे में सहमति नहीं बनने के बाद यह सौदा नाकाम हो गया। जानकारी के अनुसार कि इस रेस में शामिल अन्य कंपनियों में ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर डिफेंस एंड सिक्योरिटी शामिल है, जिसने फरवरी में भारतीय कंपनी महिंद्रा के साथ मिलकर भारत में सी-390 मिलेनियम मल्टी-मिशन एयरक्राफ्ट का निर्माण करने की योजना पेश की थी। वहीं, यूरोपियन एयरबस डिफेंस एंड स्पेस, अपने ए-400 एम एयरक्राफ्ट के साथ इस होड़ में शामिल है। लॉकहीड मार्टिन को इस रेस में बढ़त हासिल है।

वायुसेना 40 से 80 विमानों को शामिल करेगी

भारतीय वायुसेना, भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत 40 से 80 विमानों को शामिल करने की सोच रही है। नए परिवहन विमानों में 18 से 30 टन कार्गो-ले जाने की क्षमता होने की उम्मीद है। भारतीय वायुसेना, भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत 40 से 80 विमानों को शामिल करने की सोच रही है। नए परिवहन विमानों में 18 से 30 टन कार्गो-ले जाने की क्षमता होने की उम्मीद है। एमटीए के लिए जो रिक्वेस्ट ऑफ इन्फॉर्मेशन है, उसके मुताबिक आईएएफ ने विदेशी विक्रेताओं से 40, 60 और 80 विमानों के बैच के लिए विमान और संबंधित उपकरणों की लागत का एक सामान्य अनुमान देने के लिए कहा है। सी-390, 26 टन का पेलोड ले जा सकता है।

भारतीय कंपनी टाटा के साथ पहले से जुड़ी है लॉकहीड मार्टिन

लॉकहीड मार्टिन के बिजनेस डेवलपमेंट (एयर मोबिलिटी और मैरीटाइम मिशन) के उपाध्यक्ष एंथनी जी फ्रेज़ के हवाले से कहा, कि अमेरिकी फर्म भारत में सी-130 जे के लिए असेंबली लाइन स्थापित करने पर भी विचार कर रही है। फ्रेज ने कहा, कि एमटीए कंपीटिशन हमें इंडियन एयरफोर्स की सामरिक एयरलिफ्ट आवश्यकताओं को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। हम भारत में सी-130जे के लिए असेंबली लाइन स्थापित करने के विकल्प तलाश रहे हैं।

लॉकहीड मार्टिन के पास पहले से ही टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के साथ एक ज्वाइंट वेंचर है, जो सी-130 जे के लिए एम्पेनेज (टेल असेंबली) का वैश्विक स्रोत है। यह देखना अभी बाकी है, कि लॉकहीड मार्टिन फिर से भारतीय वायुसेना से कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए भारतीय फर्म का उपयोग करेगा या नहीं। इसके अलावा एयरबस ने पहले ही आईएएफ को सी-295 परिवहन विमान की आपूर्ति के लिए टीएएसएल के साथ साझेदारी की है।

खबर संक्षेप

दक्षिण चीन में भीषण बाढ़ से 47 की मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित गुआंग्डोंग प्रांत में भारी बारिश के कारण आई भीषण बाढ़ व भूस्खलन में कम से कम 47 लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार मीझोउ शहर में 38 लोगों की मौत हुई थी। बता दे कि इसी शहर में इसके पहले नौ अन्य लोगों की मौत हुई थी। मीझोउ में 38 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

अखनूर: दो बसों के बीच टक्कर, 20 यात्री घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में सड़क हादसा हुआ है। जम्मू के अखनूर के ज्यौडियां की मुख्य सड़क पर दो बसों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में 20 यात्री घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है।

सुरक्षा बलों और आंतकियों के बीच मुठभेड़

उरी के पास 2 आतंकी ढेर घुसपैठ का प्रयास नाकाम

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी के गोहलान इलाके में भारतीय सेना और संयुक्त सुरक्षा बलों ने शनिवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी। वहीं सुरक्षाबलों ने उरी के पास दो आतंकवादी मार गिराने में भी कामयाबी पाई है। ये दोनों घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। फिलहाल सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

कहां-कहां तैनाती

जम्मू में अर्धसैनिक बलों की 10 कंपनियां पहुंच चुकी हैं, जिन्हें पुरानी मंडी, राम मंदिर, पीरखो मंदिर, भगवती नगर आधार शिविर में तैनात किया गया है। इसके अलावा पुरमंडल मोड़ से लेकर झज्जर कोटली तक पूरे हाईवे पर जवान भेजे गए हैं। इसमें कुंजवानी, गंग्याल, सिद्धड़ा, नगरोटा का इलाका शामिल है। अगले कुछ दिन में अन्य कंपनियां भी पहुंच जाएंगी। इन अतिरिक्त कंपनियों के अलावा जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान भी लगाए जाएंगे।

यात्रा को लेकर अर्धसैनिक बलों की तैनाती शुरू

अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू-कश्मीर में अर्धसैनिक बलों की तैनाती शुरू कर दी गई है। जम्मू जिले को इस बार अर्धसैनिक बलों की 24 अतिरिक्त कंपनियां मिली हैं, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में पांच से छह अधिक हैं। पहली बार अमरनाथ यात्रा के रूट, यात्रियों के रुकने के स्थलों, लंगरों और अन्य जगहों पर तैनाती के अलावा अर्धसैनिक बल उन जगहों पर भी तैनात किए जा रहे हैं, जहां पर किसी अप्रिय घटना होने की आशंका है।

साजिश रच रहा पाक

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तानी उत्तरी कश्मीर में फिर से आतंकवाद को सक्रिय करने की साजिश रच रहा है। इस क्षेत्र में 2005 से 2015 तक आतंक फैला था। हालांकि 2019 में जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक मुहिम के तहत बारामुला जिले को आतंकी मुक्त घोषित किया गया था।

नौसेना का सुनयना युद्धपोत पहुंचा मॉरीशस, मजबूत होंगे द्विपक्षीय संबंध

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का सुनयना पोत अपनी तीन दिवसीय यात्रा के तहत मॉरिशस पहुंच गया है। यह इसकी नौसेना द्वारा हिंद महासागर के दक्षिण पश्चिम में की गई लंबी दूरी की तैनाती का हिस्सा है। नौसेना ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि सुनयना पोत बीते 20 जून को मॉरीशस पहुंचा। इस यात्रा से दोनों देशों के द्विपक्षीय और सामरिक संबंध और अधिक मजबूत होंगे। इसके बाद सुनयना ने मॉरीशस के विशिष्ट आर्थिक जोन में उनके तटरक्षक बल के साथ समुद्री निगरानी कार्य में हिस्सा लिया। यह निगरानी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। मॉरीशस पहुंचने पर वहां के पुलिस बल के बैंड ने भारतीय पोत का औपचारिक स्वागत किया। सुनयना की मॉरीशस की यह यात्रा तीन दिवसीय है। इसमें वह तमाम जरूरी द्विपक्षीय गतिविधियों में भाग लेगा।

बीएसएफ जवानों को 'मरीन कमांडो' की ट्रेनिंग देगी नौसेना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने इस इलाके में बीएसएफ की स्थिति को मजबूत करने के लिए बीएसएफ जवानों को मरीन कमांडो की ट्रेनिंग देने की योजना बनाई है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि उन्हें इटेंलिजेंस इनपुट मिले हैं कि जिस तरह से पाक मरीन इस इलाके में अपनी गतिविधियां बढ़ा रही है। पाकिस्तानी सेना की एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। वहीं पाकिस्तान की किसी भी कोशिश का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए भारतीय सेना तैयार है।

अमेरिका में सेना के अड्डों के करीब चीन ने खरीदी जमीन

वॉशिंगटन। अमेरिका के लिए आज के समय सबसे बड़ा टेंशन चीन बना हुआ है। चीन बाहर से अमेरिका को परेशान कर ही रहा है। लेकिन अब यह अमेरिका की अंदर से भी टेंशन बढ़ा रहा है। चीन पूरे अमेरिका में सैन्य प्रतिष्ठानों के करीब रणनीतिक रूप से कृषि भूमि खरीद रहा है। इस कारण संभावित जासूसी और घुसपैठ के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध की आशंका बढ़ गई है।

जानकारी के मुताबिक रिपोर्ट में फ्लोरिडा से लेकर हवाई तक 19 ठिकानों की पहचान की गई है, जो चीनी संस्थानों की ओर से खरीदी गई जमीन के करीब है। चीन के लिए काम करने वाले जासूस इनका इस्तेमाल कर सकते हैं। इन ठिकानों में कुछ सबसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बेस भी शामिल हैं। इसमें उत्तरी कैरोलिना के फेयेटविले में फोर्ट लिबर्टी, टेक्सास के किलेन में फोर्ट कैवाजोस, कैलिफोर्निया के सैन डिएगो में मरीन कॉर्प्स बेस कैंप पेंडलटन और फ्लोरिडा के टांपा में मैकडिल वायु सेना बेस शामिल है। अमेरिकी वायु सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर जनरल रॉबर्ट एस. स्पाल्डिंग III ने कहा कि रणनीतिक स्थानों के करीबी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि इन जगहों पर खुफिया जानकारी इकट्ठा करने वाला बेस बनाया जा सकता है। इसके मालिक स्थानीय राजनीति को भी प्रभावित कर सकते हैं।

करीब तीन महीने फंसे रहे आठ भारतीय स्वदेश रवाना हुए

नई दिल्ली। अमेरिका के बाल्टीमोर में मालवाहक जहाज गिरने से ध्वस्त हुए पुल के नीचे फंसे जहाज पर तीन महीने तक फंसे रहने के बाद चालक दल के आठ सदस्य भारत रवाना हो चुके हैं। बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज टूटने के कारण नदी में फंसे जहाज एमवी डाली पर 20 भारतीय और एक श्रीलंकाई सवार थे। बाल्टीमोर मैरीटाइम एक्सचेंज की रिपोर्ट के मुताबिक चालक दल के कुल 21 सदस्यों में से चार अभी भी जहाज पर ही फंसे हैं। बाल्टीमोर पुल हादसे के लगभग तीन महीने के बाद मालवाहक जहाज- एमवी डाली पर सवार भारतीय चालक दल के कुछ सदस्य स्वदेश लौट रहे हैं। आठ भारतीय चालक दल के सदस्य शुक्रवार को भारत के लिए रवाना हो गए। 21 चालक दल के सदस्यों में से चार अभी भी 984 फुट लंबे मालवाहक जहाज पर ही फंसे हैं।

इजराइल ने राफा के पास रिलीफ कैंप पर किया बड़ा हमला

25 लोगों की मौत, 50 घायल रेडक्रॉस फील्ड अस्पताल में भर्ती किए

एजेंसी ▶▶ राफा

इजराइल की सेना ने राफा शहर के उत्तरी हिस्से में विस्थापित फिलिस्तीनियों के लिए बनाए गए शिविरों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए. गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और आपातकालीन कर्मचारियों ने यह जानकारी दी।

हमास ने इजराइल को ठहराया जिम्मेदार

हमास द्वारा संचालित क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से भी कहा गया है कि गोलाबारी में 25 लोग मारे गए और 50 घायल हुए। हमले के लिए हमास ने इजराइल को जिम्मेदार ठहराया।

इजराइल की आलोचना

अब जबकि हमास के खिलाफ इजराइल का युद्ध अपने नौवें महीने में है, नागरिक जीवन की भारी कीमत पर गाजा में व्यवस्थित विनाश के इजराइल के अभियान पर अंतरराष्ट्रीय आलोचना बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने निष्कर्ष निकाला है कि गाजा में नरसंहार का संभावित खतरा है।

फिलिस्तीनियों के शिविरों पर हमला

इजराइली बलों ने शुक्रवार को गाजा के दक्षिणी शहर राफा के उत्तर में विस्थापित फिलिस्तीनियों के लिए शिविरों पर गोलाबारी की, जिसमें कम से कम 25 लोग मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए। यह छोटे फ़िलिस्तीनी क्षेत्र में नया घातक हमला था, जहां इज़राइल और हमास के बीच लड़ाई में सैकड़ों हजार लोग भाग गए हैं।

गाजा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि गाजा में कोई भी जगह सुरक्षित नहीं है और मानवीय स्थितियां गंभीर हैं क्योंकि लोग पर्याप्त भोजन, पानी या चिकित्सा आपूर्ति के बिना तंबू और तंग अपार्टमेंट में आश्रय लिए हुए हैं। वहीं इज़राइल का कहना है कि वह हमास के लड़ाकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहा है और वह नागरिकों की मौत को कम करने की कोशिश कर रहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109